



पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय  
Ministry of Environment, Forest & Climate Change



सत्यमेव जयते



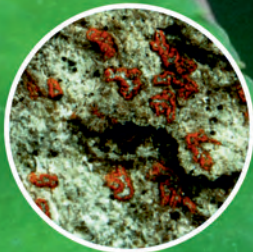
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण  
BOTANICAL SURVEY OF INDIA

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण  
Botanical Survey of India

# वनस्पति अन्वेषण Plant Discoveries

नये वंश, जातियाँ एवं नये अभिलेख  
NEW GENERA, SPECIES AND NEW RECORDS

## 2014



5 जून • June - 2015



1890 ई० में स्थापित, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण अपने सर्वेक्षण, वस्तुसूची, प्रलेखन, वर्गीकी शोध एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता द्वारा वन्य पादप विविधता के संरक्षण एवं सतत उपयोग हेतु वैज्ञानिक आधार प्रदान करते हुये राष्ट्र की सेवा में कार्यरत है।

1954 ई० में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पुनर्गठन के बाद से विभाग के वैज्ञानिकों ने

- 1 नया कुल,
- 37 नवीन वंश,
- 1218 नयी जाति, उपजाति एवं प्रभेद का अन्वेषण किया।

वर्ष 2014 के दौरान भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण एवं अन्य संस्थानों के पादप वर्गीकर वैज्ञानिकों ने

- 5 वंश
- 148 जातियां
- 20 नवीन अवजातीय विशिष्ट वनस्पतिजात का भारत से विज्ञान हेतु अन्वेषण किया तथा
- 4 वंश एवं
- 101 जातियों का भारतीय वनस्पति हेतु अभिलेखन किया।

वर्ष 2014 के दौरान भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पादप वर्गीकर वैज्ञानिकों ने वनस्पतियों के 1 नए वंश, 52 नयी जातियों एवं 10 नयी उपजाति/प्रभेद प्रकाशित किए तथा 2 वंश, 47 जातियों एवं 2 उपजातियों की खोज करके भारतीय वनस्पतिजात के लिए नया अभिलेख दर्ज किया है।

यह उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2014 के वनस्पति अन्वेषणों में 16 नयी वृक्ष जातियों एवं 13 नयी आरोही जातियों के अलावा कई आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण एवं सजावटी वन्य जातियों जैसे आर्किड की 10 जातियाँ, केले की (4 नयी जातियाँ एवं 5 नये प्रभेद), जामुन की 4 जातियों, इंपेशियंस (1 जाति) जिंजिबर की 1 जाति, अमोमम (1 जाति), हल्दी (1 जाति), क्राइनम (1 जाति) अन्वेषित हुई हैं।

Botanical Survey of India (BSI), established in 1890, serves the nation by providing scientific basis for conservation and sustainable utilization of wild plants through survey, inventory, documentation taxonomic research and creating environmental awareness.

Since reorganization of BSI in 1954, the scientists of BSI have discovered

- 1 new family
- 37 new genera
- 1218 new species, subspecies and varieties.

During 2014, the Plant Taxonomists of BSI and other institutes have discovered

- 5 genera
- 148 species
- 20 infra specific taxa as new to science from India and
- 4 genera
- 101 species new records for Indian Flora

During the year 2014 the scientists of BSI published 1 new genus, 52 new species and 10 new subspecies/varieties of plants and discovered 2 genera, 47 species and 2 subspecies records for India.

It is also interesting to mention that, besides 16 new trees and 13 new climbers wild germplasm of many economically important and ornamental plants such as Orchids (10 species) *Musa* (4 new species and 5 new varieties), *Syzygium* (4 species), *Impatiens* (1 species) *Zingiber* (1 species), *Amomum* (1 species), *Curcuma* (1 species), *Crinum* (1 species) have been discovered during 2014.

## वनस्पति अन्वेषण 2014

© भारत सरकार

आई.एस.बी.एन : 81-8177-068-4

प्रकाशित : जून, 2015

आलम्ब

श्री हेम पाण्डे, आई.ए.एस., अपर-सचिव, पर्या. वन एवं जलवायु परि. मंत्रालय  
डा. आर. दलवानी, सलाहकार, सी.एस.-II, पर्या. वन एवं जलवायु परि. मंत्रालय  
श्री सी. एम. शर्मा, उप-सचिव, सी.एस.-II, पर्या. वन एवं जलवायु परि. मंत्रालय

संकलन एवं संपादन

परमजीत सिंह एवं एस. एस. दाश

सहयोग एवं हिन्दी अनुवाद

संजय कुमार

छायाचित्र एवं चित्रण कॉपीराइट यथोक्त सर्वाधिकार सुरक्षित।  
इस प्रकाशन का कोई भी अंश कॉपीराइट धारकों की अनुमति के बिना  
पुनर्प्रवर्तित रिट्रिवल पद्धति से भंडारण, किसी भी साधन या प्रणाली जैसे  
इलैक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, रिकार्डिंग या अन्यथा संचारित नहीं  
किया जा सकता है।

मुख्य पृष्ठ

*इम्पेशियंस परमजीतियाना* गोगोई एवं बोराह

प्रकाशक

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सी. जी. ओ. कॉम्प्लेक्स

सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता- 700064

वेबसाइट : <http://bsi.gov.in> ई.मेल: [nelumbo.bsi@gmail.com](mailto:nelumbo.bsi@gmail.com)

मुद्रक

दीप प्रिंटेर्स, 70ए, रामा रोड, इंडस्ट्रियल एरिया

कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015

## Plant Discoveries 2014

© Government of India

ISBN : 81-8177-068-4

Published: June, 2015

Support

Sh. Hem Pande, IAS, Additional Secretary, MoEFCC

Dr. R. Dalwani, Advisor, CS-II, MoEFCC

Sh. C. M. Sharma, Deputy Secretary, CS-II, MoEFCC

Compiled & Edited by

Paramjit Singh & S.S. Dash

Assistance & Hindi Translation

Sanjay Kumar

Photographs and illustrations copyright as credited.

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, Stored in retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without the permission of the copyright owners.

Cover Page

*Impatiens paramjitiana* Gogoi & Borah

Published by

Botanical Survey of India, CGO Complex

Salt Lake City, Kolkata- 700 064

website: <http://bsi.gov.in>

email: [nelumbo.bsi@gmail.com](mailto:nelumbo.bsi@gmail.com)

Printed at

Deep Printers, 70A, Rama Road, Industrial Area,

Kirti Nagar, New Delhi-110015

**प्रकाश जावडेकर**  
**Prakash Javadekar**



राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)  
MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE)  
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन  
ENVIRONMENT, FOREST & CLIMATE CHANGE  
भारत सरकार/GOVERNMENT OF INDIA



### संदेश / MESSAGE

मैं, यह जानकर हर्षित हूँ कि भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण अपने बहुमूल्य संकलन 'वनस्पति अन्वेषण' की श्रृंखला का 8वां संस्करण प्रकाशित कर रहा है। इस प्रकाशन का मुख्य लक्ष्य वर्गीकरणों द्वारा वर्ष के दौरान देश से खोजी नई वनस्पतियों तथा नये वितरणपरक अभिलेखों को संजोकर पादप संपदा के प्रति जन जागरुकता सृजित करना है। यह प्रकाशन भारतीय वनस्पतिजात के लिए एक नये संदर्भ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा।

मैं, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों द्वारा देश के विभिन्न भौगोलिक परि-क्षेत्रों से नयी जातियों के अन्वेषण में किये गये श्रमसाध्य प्रयासों की प्रशंसा करता हूँ। इस प्रकाशन में वर्ष 2014 के दौरान हमारे देश की वनस्पति विविधता के लिए 275 से भी अधिक नयी जातियाँ, कवक, जीवाणुओं की खोजें निहित की गई हैं।

मुझे यह विश्वास है कि यह प्रकाशन देश के अज्ञात जैव संसाधन एवं बहुमूल्य पादप संपदा के प्रति हमारे ज्ञान को संवर्धित करेगा एवं निकट भविष्य में मानव कल्याण में उपयोगी सिद्ध होगा।

I am pleased to know that, Botanical Survey of India is bringing out the series on Plant Discoveries for the eighth consecutive year. This publication, aimed at creating awareness about the plant wealth of our country, highlights new discoveries and new distributional records of plants made from India during the year gone by and the role played by the taxonomists in bringing to the fore these novelties. The present publication is an important reference book on new additions to the Indian flora.

I appreciate the painstaking efforts made by the scientists of BSI in unearthing these novelties from different geographical regions of our country. In this publication over 275 new plants, fungi, and microbes have been added to plant diversity of our country during the year 2014.

I am sure that the present document will increase our knowledge on some of the unknown yet valuable plant resources which may be of great utility to mankind in near future.

**(प्रकाश जावडेकर)**

**(Prakash Javadekar)**

Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110 003  
Tel.: 011-24695136, 24695132, Fax : 011-24695329



[www.youtube.com/prakashjavadekar](http://www.youtube.com/prakashjavadekar)



[www.facebook.com/prakashjavadekar](http://www.facebook.com/prakashjavadekar)



[www.twitter.com/prakashjavadekar](http://www.twitter.com/prakashjavadekar) e-mail : [mefcc@gov.in](mailto:mefcc@gov.in)

website : [www.prakashjavadekar.com](http://www.prakashjavadekar.com)





### प्राक्कथन / FOREWORD

पौधों के संरक्षण के लिए किसी भी क्षेत्र की जैव विविधता के प्रलेखन को समझना एक अनिवार्य प्रतिबद्धता है। भारत अपने विविधतापूर्ण प्राकृतवासों एवं पारितंत्रों के कारण उल्लेखनीय जैव विविधता दर्शाता है। हमारे वर्तमान ज्ञानानुसार, भारत की वानस्पतिक संपदा में 47750 से अधिक जातियाँ हैं एवं यह संख्या प्रतिवर्ष परिवर्तित हो रही है। उत्तरोत्तर हम जितनी ही पादप जातियों का अन्वेषण कर रहे हैं, उतनी ही और नई जातियाँ हमारी जानकारी को समृद्ध कर रही हैं।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, इस मंत्रालय के अन्तर्गत एक प्रमुख अनुसंधान संगठन है, जिसे भारत की वानस्पतिक विविधता के सर्वेक्षण एवं वन्य वनस्पतियों के अन्वेषण का दायित्व सौंपा गया है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण पौधों के सभी वर्गों की जैव विविधता के वर्तमान स्तर के अद्यतन एवं वानस्पतिक विविधता पर हमारी जानकारी को उन्नत कर रहा है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण इस वर्ष भी 'वनस्पति अन्वेषण 2014' के बहुमूल्य अंक का संकलन कर रहा है। इस प्रकाशन में वर्ष 2014 के दौरान भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों तथा अन्य अनुसंधान संस्थानों से प्राप्त 275 से भी अधिक नयी जातियों एवं अभिलेखों के विषय में जानकारी दी गई है।

मैं, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक व उनके वैज्ञानिक दल को देश की वर्तमान वानस्पतिक विविधता की अवस्थिति के अद्यतन हेतु एवं अज्ञात पौधों की जानकारी प्रदान करने में किये गये अथक प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ। मुझे विश्वास है कि 'वनस्पति अन्वेषण 2014 का यह अंक पादप जातियों की गणना में जन जागरुकता सृजित कर ऐसे अन्तर्वर्ती क्षेत्रों का निर्धारण करेगा जिनमें और भी अधिक शोध और अन्वेषण की आवश्यकता है।

One of the prerequisites for plant conservation is to understand and document the plant diversity of a region. India has a remarkable range of biodiversity in its diverse habitats and ecosystems. To our present state of knowledge, India has more than 47750 plant species and this figure keeps on changing every year. The more we explore, new species are being added to our knowledge.

Botanical Survey of India (BSI) a premier research organization, under this ministry has been entrusted with the responsibility of plant exploration and survey of wild plants of Indian Union. BSI has been upgrading our knowledge on plant diversity and updating the current status of plant diversity of all groups of plants. I am happy to know that, BSI has prepared this compilation "Plant Discoveries 2014". This publication includes information on more than 275 new species and new additions published by the scientists from BSI as well as other research organizations of India during 2014.

I congratulate Director, BSI and his team of scientists for their relentless effort to explore the unknown and update current status of plant diversity in the country. I am sure this document "Plant Discoveries 2014" will create general awareness about the expanding species count and also helps us in identifying the gap areas and groups that need to be given more attention for documentation and conservation.

  
(अशोक लवासा / Ashok Lavasa)





हेम पांडे, आइ.ए.एस.  
अपर सचिव

HEM PANDE, IAS  
Additional Secretary



भारत सरकार  
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय  
GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE  
इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड,  
नई दिल्ली-110 003  
INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD  
NEW DELHI-110 003  
Website : moef.nic.in



### प्राक्कथन / FOREWORD

यह एक सर्व-विदित तथ्य है कि, वनस्पतियाँ समूची मानव जाति के कल्याण के लिए भोजन, आवास, औषधि, प्राण-वायु, स्वच्छ जल एवं स्वस्थ पर्यावरण हेतु आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराती हैं। प्राकृतिक एवं मानवीय कारणों के चलते इसका एक वृहत भाग संकटापन्न होता जा रहा है। आज के दौर में विलुप्तिकरण, संकटापन्न आवास रूपान्तरण, अति विदोहन के सन्दर्भ में वनस्पतियों एवं उनके सम्बद्ध प्राकृतवासों पर अनुसंधान हमारे समक्ष बड़ी चुनौतियाँ हैं।


देश के विभिन्न भागों में कार्यरत वर्गीकर वैज्ञानिकों द्वारा किये गये वर्गिकी अनुसंधान से विज्ञान के लिये नई पादप जातियों की खोज के साथ ही देश की वर्तमान सीमा के अंदर नये पादप अभिलेखों से जैव विविधता समृद्ध हो रही है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (भा.व.स.) विगत 8 वर्षों से इन अन्वेषणों का सफलतापूर्वक संकलन करता आ रहा है। 2014 के वर्तमान संकलन 'वनस्पति अन्वेषण' में 275 से भी अधिक जातियों, पौधों के अवजातीय टैक्सा, कवक, शैवाल एवं जीवाणु भारतीय वनस्पतिजात में समाहित किये गये हैं।


मैं, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक एवं वैज्ञानिकों के पूरे दल को अज्ञात वनस्पतियों की खोज एवं देश की जैव विविधता के नये आयामों के प्रकटीकरण हेतु किये गये श्रमसाध्य प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ। मुझे यह विश्वास है कि यह संकलन न केवल भारतीय जैव विविधता के वर्तमान स्तर को बढ़ाएगा अपितु देश के विभिन्न सुदूरवर्ती क्षेत्रों में पादप गवेषणा, शोध और नवीन अन्वेषणों के लिए प्रेरणाप्रद सिद्ध होगा।

It is a well-known fact that plant diversity plays a vital role in providing essential resources for human well-being: food, shelter, medicines, fresh air, clean water and a healthy environment. A large proportion of this is under threat due to natural as well a manmade causes. Research on plants and its associated habitats, in the context of danger of extinction, threatened habitat transformation, over exploitation are greatest challenges.

Taxonomic research carried out by the taxonomists in different parts of country is yielding increasingly interesting findings in form of discovery of plant species both as new to science and new distributional records to the present political boundary of the country. Botanical Survey of India (BSI) has been compiling this information from our country for last eight years. In the present compilation "Plant Discoveries 2014" more than 275 species and infraspecific taxa of plants, fungi and microbes have been added to the Indian flora.

I congratulate Director, BSI and his entire team of scientists for exploring the unknown and unfolding new knowledge on plant diversity of our country. I am sure this set of compilation not only apprises us of current status of plant diversity, but it will also inspire others to explore further in various parts of our country.

  
हेम पांडे

  
Hem Pande







डा. परमजीत सिंह

निदेशक

Dr. Paramjit Singh

Director



भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण  
BOTANICAL SURVEY OF INDIA

E-mail : paramjitsingh@bsi.gov.in



## प्रस्तावना / PREFACE

मुझे आप सभी के सम्मुख वनस्पति अन्वेषण श्रृंखला का आठवाँ अंक प्रस्तुत करते हुये हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। इस प्रकाशन को भारत की जैव विविधता पर हमारे वर्तमान ज्ञान के अद्यतन एवं जाति परिगणना को एकल प्रकाशन में समाहित करने के उद्देश्य की प्रतिपूर्ति हेतु स्थापित किया गया था। वर्तमान में, यह श्रृंखला सुविख्यात होने के साथ ही विभिन्न जैव विविधतात्मक एवं वर्गीकी अध्ययनों के लिये अनिवार्य संदर्भ स्रोत बन चुकी है। इस प्रकाशन को आम जन मानस की पहुँच में लाने के लिये दो वर्ष से इसका द्विभाषी प्रकाशन प्रारम्भ किया गया जिसके प्रकाशन को अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण देश की वर्तमान राजनैतिक सीमा के अंदर वर्ष भर में अन्वेषित की गई नयी जातियों, पादप अभिलेखों का संकलन करता आ रहा है, अन्यथा इन समस्त नयी जातियों एवं भारतीय जैव विविधता के लिये नये अभिलेखों की जानकारीयों विश्व भर में प्रकाशित अनेकानेक शोध-पत्रिकाओं में बिखरी हुई रहतीं। हमें आशा है कि विभिन्न वैज्ञानिक शोधों का यह एकल संकलन अनुसंधानकर्ताओं, नीति-नियंताओं एवं उन समस्त सामान्य प्रशिक्षकों के लिये जो जैव विविधता संरक्षण एवं संवर्द्धन के विभिन्न क्षेत्रों मुख्यतः पादप वर्गीकी के क्षेत्र में कार्यरत हैं, के लिये मूल्यवान संदर्भ स्रोत सिद्ध होगा। यह संकलन वनस्पति विविधता के विभिन्न जीवत क्षेत्रों में प्रगामी शोध के उद्दीपन में निश्चित रूप से सहायक होगा। हमारे इस प्रयास में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं वर्गीकरणों का विशेष सहयोग रहा है।

नवीन वनस्पति जातियों के संकलन का विश्लेषण दर्शाता है कि, इस अन्वेषण में 40 प्रतिशत से भी अधिक नयी जातियाँ बीजीय पौधों की हैं, जबकि शैवाल, कवक एवं लाइकेन का 38 प्रतिशत योगदान है। वर्गीकी अनुसंधान के इन बढ़ते रुझानों से विशेषतः अपुष्पीय पादप समूह एवं इनके अंतः वर्ती क्षेत्रों पर हमारे ज्ञान एवं शोध को बढ़ाने की आवश्यकता है। वर्ष 2014 के दौरान पुष्पीय पौधों, पर्णांगों, हरितोद्भिदों, कवकों, लाइकेन, शैवालों एवं जीवाणुओं की 278 जातियों एवं अवजातियों को भारतीय वनस्पतिजात (फ्लोरा) में समाहित किया गया है। संकलन के हमारे

With great pleasure, I would like to present, the eighth volume of the Plant Discovery series. This publication was envisioned to represent the growing needs of updating the knowledge on biodiversity and the species count of our country. Today, this series is widely recognized and become an integral referral for various biodiversity and taxonomic studies. To make the periodical more accessible to general public an attempt in bringing the issue in bilingual since last two years was greeted with unprecedented success. Botanical Survey of India has been compiling the information on new discoveries of plants within the political boundary of our country, otherwise scattered in vast array of journals published from different parts of world, on yearly basis. It is our sincere hope that this compilation of scientific data will serve as a valuable resource for various researchers, policy makers and the common practitioners in areas ranging from biodiversity to environmental concerns particularly to all those working in the field of floristic studies. This will also definitely stimulate further progressive research into the vibrant areas of plant diversity. The Ministry of Environment, Forest and Climate Change and taxonomic fraternity has been extremely supportive in this effort.

The compilation of new discoveries of plants when analyzed shows that, more than 40 per cent plant species are contributed by seed plants while algae, fungi and lichens together contribute 38 per cent of total discoveries. These increasing trends of taxonomic research especially in the field of lower plants are quite encouraging in fulfilling the gap on these fields. During the year 2014 about 278 species and infra-specific categories of seed plants, ferns,



इस प्रयास में, हमें देश एवं विदेश में पादप वर्गीकी में कार्यरत सभी वर्गीकीविदों का सहयोग प्राप्त हुआ है। अपने शोध परिणामों, शोधपत्रों एवं छायाचित्रों को हमसे साझा करने हेतु हम सभी का अभार व्यक्त करते हैं।

पूर्व वर्ष की भांति, ऐसा देखा गया है कि नवीन वर्णित वनस्पति जातियों के कुछ प्ररूप नमूने प्रकाशन में उल्लेखित पादपालयों में जमा नहीं किये गये हैं। जैव विविधता अधिनियम, 2002 के अनुच्छेद 39 के उप-अनुच्छेद पर ध्यानाकर्षण करें जिसमें अनुबंध है कि "किसी भी व्यक्ति के द्वारा किसी नवीन जाति वर्ग (टैक्सॉन) को अन्वेषित किया जाता है, तो उसे निर्दिष्ट किये गये संस्थानों एवं संग्रहणालय को अधिसूचित किया जायेगा एवं अन्वेषणकर्ता द्वारा वाउचर नमूने को इस हेतु अधिकृत संस्थानों एवं संग्रहणालय में संग्रहित किया जायेगा।" हम आशा करते हैं कि, 2 मिलियन से भी अधिक पादप नमूनों के संरक्षक एवं निर्दिष्ट संग्रहणालयों (परिशिष्ट-1), में से एक भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण देश में ही नहीं अपितु क्षेत्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पादप वर्गीकी अध्ययन में सुसाध्यता एवं उद्दीपन में सहायता करता रहेगा। इस प्रयास में, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मंत्रालय के लिये आईकोपटैक्स (AICOPTAX) के प्रोजेक्ट संचालन हेतु नोडल एजेंसी के तौर पर कार्य कर रहा है।

पूर्व प्रकाशित अंकों की भांति "वनस्पति अन्वेषण 2014" वर्ष 2014 में प्रकाशित नवीन भारतीय वनस्पति पर विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का संकलन है (इसमें विगत वर्षों के कुछ आंकड़े भी हमें अभी उपलब्ध हुए हैं)। हमें आशा है कि यह गत वर्षों की भांति वनस्पतिज्ञों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों, नीतिनिर्धारकों एवं जन-साधारण के लिए एक उपयोगी संदर्भ ग्रंथ होगा। इसमें दी गई वानस्पतिक सूचनायें तथा कुछ छायाचित्र एल्गोलॉजिकल स्टडी, एनल्स ऑफ फॉरेस्ट्री, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक, बांग्लादेश जर्नल ऑफ प्लांट टैक्सोनामी, बायोडायवर्सिटास, बायोडायवर्सिटी डाटा जर्नल, ब्लूमिया, चेक लिस्ट, करंट रिसर्च इन इन्वायरमेंट एंड एप्लाइड मायकोलॉजी, एडिनबर्ग जर्नल ऑफ बॉटनी, फर्नस एंड फर्नस एलाइज ऑफ सिक्किम, जियोफायटोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, इंडियन फॉरेस्टर, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री, इंडियन फायटोपैथ, इंडियन जर्नल ऑफ प्लांट साइंस, इंडियन जर्नल ऑफ लाइफ साइंसेज, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टेमेटिक एंड इवोल्युशनरी माइक्रोबाइलोजी, जर्नल ऑफ जैपनीज बॉटनी, जर्नल ऑफ मायकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी, जर्नल ऑफ न्यू बायोलॉजिकल रिपोर्ट, जर्नल ऑफ थ्रेटेनड टैक्सा, क्यू बुलेटिन, लिंडबर्जिया, मायकोस्फीयर, मायकोटैक्सॉन, नेशन. ए. के. साइ. लिट., नी-बायो, निलम्बो, नॉर्डिक जर्नल ऑफ बॉटनी, नोवा हेडविजिया, पेरिपेक्स : इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च, फाइकोलॉजिया, फाइकोलॉजिकल रिसर्च, फाइटो डायवर्सिटी, फाइटोटैक्सा, प्लांट सिस्ट. इवोल., प्लोस वन, रिचर्डियाना, रीडिया, तार्इवानिया, टैक्सॉन, द लाइकेनोलॉजिस्ट, नोवोन, ट्रॉपिकल प्लांट रिसर्च एवं वेबिया एवं वेल्डीनोविया आदि में प्रकाशित शोध पत्रों से लिये गये हैं। उपरोक्त प्रकाशित शोधपत्र उपलब्ध कराने हेतु हम कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं।

**परमजीत सिंह**

निदेशक

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

bryophytes, fungi, lichens, algae and microbes have been added to the Indian flora. In this effort, we were ably supported by all taxonomists from India and abroad. We are extremely grateful to each one of them for sharing their research results, papers and photographs.

Like last year, it has also been observed that, type specimens of some of these newly described plant species have not been deposited in the herbarium indicated in the publication. Attention is further drawn to the subsection (3) of section 39 of the Biological Diversity Act, 2002 which stipulates that "Any new taxon discovered by any person shall be notified to the repositories or institutions designated for this purpose and he shall deposit the voucher specimens with such repository or institution." We sincerely hope that as custodians of more than 2 million plant specimens and as one of the designated repository (Appendix I), BSI can further help in facilitating and stimulating taxonomic research and collaborative efforts not only in the country, but also at regional and international level. In this endeavor, BSI has been action as the nodal agency for the AICOPTAX projects for the Ministry.

'Plant Discoveries 2014' like its earlier issues, is a compilation of data from various sources on new Indian plants published during 2014 (and a few from earlier years that became available to us now). Information and some of the photographs included here have been sourced from the papers published in Algological Studies, Annals of Forestry, Antonie van Leeuwenhoek, Bangladesh J. Plant Taxonomy, Biodiversitas, Biodiversity Data Journal, Blumea, Check List, Current Research in Environment & Applied Mycology, Edinburgh Journal of Botany, Fern and Fern-allies of Sikkim, Geophytology, International Journal of Scientific Research, Indian Forester, Indian Journal of forestry, Indian Phycopath, Indian Journal of Plant Science, Indian Journal of Life Sciences, International Journal of Systematic and Evolutionary Microbiology, Journal of Japanese Botany, Journal of Mycology and Plant Pathology, Journal of New Biological Report, Journal of Threatened Taxa, Kew Bulletin, Lindbergia, Mycosphere, Mycotaxon, Natl. Acad. Sci. Lett., NeBIO, Nelumbo, Nordic Journal of Botany, Nova Hedwigia, Paripex-Indian Journal of Research, Phycologia, Phycological Research, Phytodiversity, Phytotaxa, Plant Syst. Evol., Plos One, Richardiana, Rheedia, Taiwania, Taxon, The Lichenologist, Tropical Plant Research, Webbia and Willdenowia, etc. We thankfully acknowledge them for sharing these published works.

**Paramjit Singh**

Director

Botanical Survey of India

## परिचय / PREAMBLE

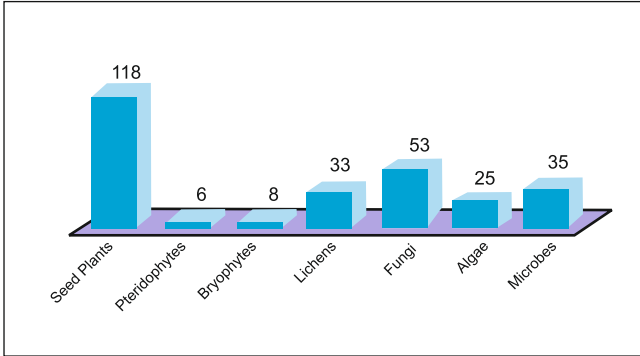
भारत की जैव विविधता को तीन प्रमुख जैव भौगोलिक क्षेत्रों, जिनमें इंडो-मलाया, इंडो-आर्कटिक (यूरेशिया) एवं एफ्रो-ट्रोपिकल के पुष्पीय कारक अत्यधिक प्रभावित करते हैं। भारत में जैव विविधता के चार प्रमुख केंद्र हैं, जिनमें 1. इंडो-वर्मा-जिसके अंतर्गत मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा एवं अंडमान द्वीप तक का क्षेत्र आता है। 2. हिमालय-जो जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, उत्तरी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम एवं अरुणाचल प्रदेश के उत्तरी क्षेत्रों तक विस्तृत है। 3. पश्चिमी तट-जिसमें केरल, कर्नाटक, पश्चिमी तमिलनाडु, गोवा, पश्चिमी महाराष्ट्र एवं दक्षिणी गुजरात राज्यों के परिक्षेत्र सम्मिलित हैं एवं 4. सुन्डालैंड-निकोबार द्वीप। मृदा, जलवायुवीय कारकों, स्थलाकृति अवस्थितियों तथा समुद्रतल से ऊंचाई में भिन्नता के फलस्वरूप विभिन्न प्रकार की पारितंत्रीय प्रणालियों यथा-वनों, घास के मैदानों, नमभूमि क्षेत्रों, मरुस्थल, तटवर्ती एवं समुद्री पारितंत्रों का निर्माण होता है, जो समृद्ध वानस्पतिक विविधता को प्रदर्शित करते हैं। ये क्षेत्र स्थानिकता का उच्च परिमाण, दुर्लभ एवं संकटापन्न वनस्पति जातियों की उच्च व्यापकता को दर्शाते हैं।

वर्तमान प्रेक्षणों के अनुसार भारत में आवृतबीजीयों की कुल जातियाँ 18159, अनावृतबीजी जातियाँ 77, पर्णाग की 1274, कवकों की 14936, हरितोद्भिदों की 2531 एवं शैवाकों (लाइकेन) की 2434 जातियाँ हैं, जो विश्व की सम्पूर्ण अभिलेखित पादप जातियों का लगभग 11.4 प्रतिशत है। वनस्पतिजात पर हमारे वर्तमान ज्ञान में वर्गीकी समन्वेषणों एवं प्रलेखनों से लगातार गुणात्मक वृद्धि हो रही है। भारत से अन्वेषित एवं अभिलेखित पादप जातियों का समूह वार विवरण निम्नवत है।

Plant diversity in India is highly influenced by different floristic elements from three major biogeographical realms, namely Indo-Malayan the Indo-Arctic (Eurasia) and Afro-tropical. The Indian flora mainly is concentrated in four hotspots viz., 1. Indo-Burma covering Mizoram, Manipur, Nagaland, Meghalaya, Tripura and Andaman Islands, 2. Himalaya covering Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh, Uttarakhand, northern part of West Bengal (Darjeeling), Sikkim, northern part of Assam and Arunachal Pradesh, 3. Western Ghats consisting of the states of Kerala, Karnataka, western parts of Tamil Nadu, Goa, western parts of Maharashtra and southern Gujarat and 4. The Sundaland covering the Nicobar Islands. The varied edaphic, climatic and topographic conditions and altitudinal variations have resulted in a wide range of ecosystems and habitats such as forests, grasslands, wetlands, deserts, and coastal and marine ecosystems which exhibit an extraordinary floristic diversity. These regions show high degree of endemism and higher incidence of rare and threatened plant species also.

Current estimations revealed, a total of 18159 species of angiosperms, 77 species of gymnosperms, 1274 species of pteridophytes, 14936 species of fungi, 2531 species of bryophytes and 2434 species of lichens in India, which is approximately 11.4 per cent of the total recorded plants species of the World. The knowledge on the flora is improving rapidly by floristic explorations and documentation which result in many new discoveries. The group wise current status of number of species known from India are given below:

समूह Group	भारत में पाई जाने वाली जातियों की संख्या No. of Species in India	भारतीय वनस्पति में प्रतिशत Percentage of Indian Flora
विषाणु/जीवाणु /Virus/Bacteria	1071	2.24
शैवाल/Algae	7309	15.29
कवक/Fungi	14936	31.26
शैवाक/Lichens	2434	5.09
हरितोद्भिद/Bryophytes	2531	5.29
पर्णाग (टेरिडोफाइट्स)/Pteridophytes	1274	2.67
अनावृतबीजी/Gymnosperms	77	0.17
आवृतबीजी/Angiosperms	18159	37.99
योग/TOTAL	47791	100.00



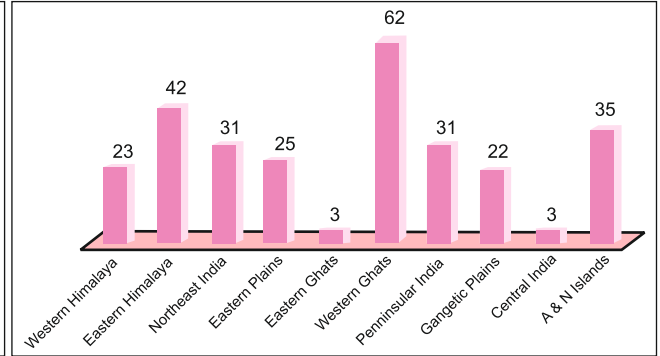
Plant Discoveries for different groups during 2014

वर्ष 2014 के दौरान पौधों के 5 नये वंश, 148 नयी जातियाँ, 19 नये प्रभेद एवं 1 नये रूप (फोर्मा) का अन्वेषण किया गया, जिनमें 04 वंश परक अभिलेख एवं 101 नवीन जातिपरक अभिलेख भारत से प्रथम बार अभिलेखित किये गये। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों ने वर्ष 2014 में 114 जातियों का अन्वेषण किया जबकि अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों ने 164 जातियों को भारतीय वनस्पति जात के लिये अभिलेखित किया है।

वर्ष 2014 के दौरान हुए कुल अन्वेषणों में बीजीय पौधों का अधिकतम (42 प्रतिशत) तत्पश्चात् कवकों का (19 प्रतिशत), जीवाणुओं का (13 प्रतिशत), शैवाक (लाइकेन) (12 प्रतिशत) एवं शैवाल (9 प्रतिशत) दर्ज किया गया। 2014 के कुल अन्वेषणों में पर्णांग एवं हरितोद्भिदों का सबसे कम क्रमशः 2 एवं 3 प्रतिशत का योगदान है।

क्षेत्रवार, 2014 में हुये कुल अन्वेषणों में अधिकतम योगदान पश्चिमी घाट (22 प्रतिशत) तत्पश्चात् पूर्वी हिमालय (15 प्रतिशत), तत्पश्चात् उत्तर-पूर्वी भारत (15 प्रतिशत), अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह (13 प्रतिशत) एवं प्रायद्वीपीय भारत (11 प्रतिशत) एवं पश्चिमी हिमालय (9 प्रतिशत) का उल्लेखनीय योगदान रहा। 2014 में कुल अन्वेषणों में गंगा के मैदानी क्षेत्र, पूर्वी मैदानी भाग एवं मध्य भारत से संयुक्त रूप में 10 प्रतिशत योगदान दर्ज किया गया। रोचक तथ्य है कि अबीजीय पादपों में सर्वाधिक जीवाणुओं का अन्वेषण प्रायद्वीपीय भारत से, सर्वाधिक शैवालों का अन्वेषण पूर्वी मैदानी भाग से जबकि सर्वाधिक कवकों का अन्वेषण पश्चिमी घाट से दर्ज किया गया।

यह उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2014 के वनस्पति अन्वेषणों में 16 नयी वृक्ष जातियाँ एवं 13 नयी आरोही जातियों के अलावा कई आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण एवं सजावटी वन्य जातियाँ जैसे आर्किड की 10 जातियाँ, केले की (4 नयी जातियाँ एवं 5 नये प्रभेद), जामुन की 4 जातियाँ, इंपेशियंस (1 जाति) जिंजिबर की 1 जाति, अमोमम (1 जाति), हल्दी (1 जाति), क्राइनम (1 जाति) अन्वेषित हुई हैं।



Plant Discoveries from different regions during 2014

During the year 2014, 05 new genera, 148 new species, 19 new varieties, and one new forma were discovered from India while 04 new genera and 101 species were reported for the first time from India. Scientists of BSI described and published 114 novelties while, scientists from institutes other than BSI have reported 164 novelties during the year 2014.

Seed plants contributed the maximum with 42 per cent of the total discoveries followed by fungi by 19 per cent, microbes by 13 per cent, lichens by 12 per cent, algae by 9 per cent of the total discoveries. pteridophytes and bryophytes contributed the least with 2 per cent and 3 per cent respectively of the total discoveries during the year 2014.

Region wise, maximum discoveries were made from Western Ghats which account for 22 per cent of the total discoveries made during 2014 followed by the Eastern Himalaya (15 per cent), North East India (15 per cent), Andaman & Nicobar group of Islands (13 per cent), and Peninsular India (11 per cent), Western Himalaya (9 per cent). The Gangetic plains, eastern plains and central India together contribute 10 per cent of the total discoveries of 2014. It is interesting to note that, among non-seed plants, more microbes were discovered in peninsular India, more algae were discovered in Eastern plains while more Fungi were discovered in Western Ghats.

It is also interesting to mention that, besides 16 new trees and 13 new climbers wild germplasm of many economically important and ornamental plants such as Orchids (10 species) *Musa* (4 new species and 5 new varieties), *Syzygium* (4 species), *Impatiens* (1 species) *Zingiber* (1 species), *Amomum* (1 species), *Curcuma* (1 species), *Crinum* (1 species) have been discovered during 2014.



बीजीय पौधे/SEED PLANTS

Courtesy : M. Sabu

## बीजीय पौधे/SEED PLANTS

बीजीय पौधे (स्पर्मेटोफाइट्स) पृथ्वी के सबसे विकसित स्थलीय पौधे हैं तथा पम्परागत रूप में आवृतबीजी और अनावृतबीजी पुष्पीय पादपों में विभाजित हैं। हमारे वर्तमान ज्ञान के अनुसार भारत में आवृतबीजी जातियों की संख्या लगभग 18,159 है, जबकि अनावृतबीजी जातियों की संख्या लगभग 77 है। इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी बाकी है। इस क्रमवार सूचना में 1 वंश, 69 नयी जातियाँ, जिनमें (केरल से 14, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से 09, अरुणाचल प्रदेश से 08, तमिलनाडु से 06, मेघालय से 05, महाराष्ट्र एवं पश्चिम बंगाल में प्रत्येक से 04, आंध्र प्रदेश एवं सिक्किम में प्रत्येक से 03, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, नागालैंड एवं उत्तराखण्ड में प्रत्येक से क्रमशः 02 एवं हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा एवं उत्तर प्रदेश में प्रत्येक से 01) एवं 12 नवीन अवजातीय प्रभेद अन्वेषित किये गये हैं एवं भारत के लिये 36 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित हैं। वर्ष 2014 के दौरान हुये कुछ महत्वपूर्ण अन्वेषणों में केले की 9 वन्य जातियाँ, जामुन की 4 जातियाँ एवं जिंजिबर की 3 वन्य जातियों का अन्वेषण किया गया है। 16 नयी वृक्ष जातियों एवं 13 नयी आरोही जातियों का अन्वेषण भी 2014 में किया गया है।

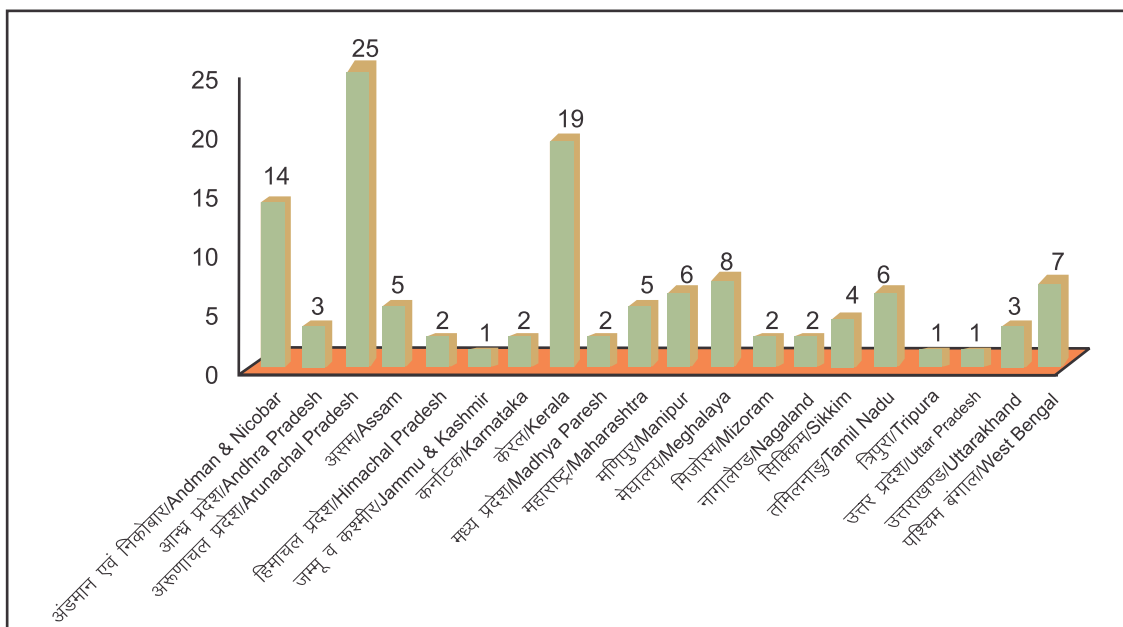
Seed plants (Spermatophytes) are the most evolved land plants on earth and are traditionally divided into flowering plants (or angiosperms) and gymnosperms.

In the present state of our knowledge India has about 18159 species of angiosperms and 77 species of gymnosperms. Many more are yet to be identified and described.

The collated information presented here includes 1 new genus, 69 new species (14 from Kerala, 09 from Andaman & Nicobar Islands, 08 from Arunachal Pradesh, 06 from Tamil Nadu, 05 from Meghalaya, 04 each from Maharashtra and West Bengal, 03 each from Andhra Pradesh and Sikkim, 02 each from Karnataka, Madhya Pradesh, Nagaland, and Uttarakhand, 01 each from Himachal Pradesh, Manipur, Mizoram, Tripura and Uttar Pradesh).

12 new infra specific taxa (varieties) and 36 new distributional records for India.

Some of the significant findings in 2014 include 9 new taxa of wild Musa, 4 species of wild black plum (Jamun), 3 species of wild ginger. Interestingly 16 new trees and 13 new climbers have also been discovered during 2014.



भारतीय राज्यों से अन्वेषित बीजीय पौधे  
SEED PLANTS DISCOVERED FROM INDIAN STATES

**केन्सकोरिनेल्ला** शाहिना एवं नाम्पी, फाइटोटैक्सा 164(4):2019.2014. (जेन्सीयानेसी)

चिरायता कुल के इस नवीन वंश का वर्णन एवं प्रकाशन भारत से किया गया है। वंश *केन्सकोरिनेल्ला* का विशेष लक्षण एक्टिनोमोर्फिक दलपुंज एवं आइसोमोर्फिक पुंकेसर की उपस्थिति है। यह वंश अपनी दोनों जातियों *केन्सकोरिनेल्ला स्ट्रीक्टा* एवं *केन्सकोरिनेल्ला भट्टीयाना* के प्रतिनिधित्व से दक्षिण भारत में वितरित है। नवीन वंश का नामकरण *केन्सकोरा* लैमार्क नामक वंश से इसकी समानता को प्रदर्शित करता है।

**Canscorinella** Shahina & Nampy, Phytotaxa 164(4):2019.2014. (GENTIANACEAE)

This new genus has been described and published from India. The new genus *Canscorinella* is characterized by the presence of actinomorphic corolla and isomorphic stamens. The genus is well distributed in Southern India and represented by two species *Canscorinella stricta* and *C. bhatiana*. The name of the genus indicates its close affinity to *Canscora* Lamark.

### नवीन जातियां / NEW SPECIES

**एडीनान्द्रा कमलाई** एम. के. पाठक, भौमिक एवं जी. कृष्णा, इडनबर्ग ज. बॉट. 71(3):380.2014. (पेन्टाफाईलेसिएसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जनपद के टुटिंग से नेरेंग मार्ग से 600मी० की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (सीएएल) एवं समप्ररूप क्रमशः पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएम), उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) एवं केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा (सीएएल) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण शोधपत्र के वरिष्ठ लेखक स्व. श्री. एम. के. पाठक की माता श्रीमती कमला देवी के नाम पर आधारित है।

**Adinandra kamalae** M.K.Pathak, Bhaumik & G.Krishna, Edinburgh J. Bot. 71 (3): 380.2014. (PENTAPHYLACACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Tuting to Nereng, Upper Siang district of Arunachal Pradesh, India at 600m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbaria of Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM), Northern Regional Centre, Dehradun (BSD) and in Central National Herbarium, Howrah (CAL). The species is named in memory of Ms Kamala Devi, Mother of the senior author late Dr. M. K. Pathak.

**एमारेन्थस बेन्गालेन्स** सौभिक दास एवं इयामोनिको, फाइटोटैक्सा 181(5):293.2014. (एमारेन्थेसी)

चौलाई कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन पश्चिम बंगाल राज्य के 24 परगना (उत्तर) से भांगर, निचले गंगा के मैदान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (सीएएल) एवं समप्ररूप सैपिएन्जा विश्वविद्यालय रोम, इटली (एचएफएलए) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति क्षेत्र बंगाल पर आधारित है।

**Amaranthus bengalense** Saubhik Das & Iamonico, Phytotaxa 181(5): 293.2014. (AMARANTHACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Bhangar in the lower gangetic plains of 24-Parganas (North), West Bengal, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), and isotypes are in Sapienza University of Rome, Italy (HFLA). The species is named after the region Bengal.





**अमोमम साबूऐनम** वी.पी. थॉमस, नीसार एवं यू. गुप्ता, फाइटोटैक्सा 159(2):122.2014. (जिन्जीबरेसी)

हल्दी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन सिक्किम के ईस्ट सिक्किम जनपद के पांगथांग, आईसीआरआई फिल्ड स्टेशन से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, मल्लापुरम्, केरल (सीएएलआई) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण कालीकट विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के प्रो० एम. साबू के सम्मान में किया गया है।

**Amomum sabuanum** V.P. Thomas, Nissar & U.Gupta, Phytotaxa 159(2): 122.2014. (ZINGIBERACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Pangthang, ICRI field station, East Sikkim district, Sikkim, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), and isotypes are in Deptt. of Botany, Calicut University, Mallapuram, Kerala (CALI). This species is named in honour of Dr. M. Sabu, Professor of Botany, Calicut University.

**एनिसोमेलिस तिरुनेलवेलिएन्सिस** राजकुमार, सेल्वाकुमारी एवं मुरुगेशन, इंडियन ज. फारे., 37(4):423.2014. (लेमिऐसी)

तुलसी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन तमिलनाडु राज्य के तिरुनेलवेल्ली जनपद, चेरानमहादेवी नामक स्थान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट जॉन कॉलेज, तिरुनेलवेल्ली (जेसीएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति जनपद के नाम पर आधारित है।

**Anisomeles tirunelveliensis** Rajakumar, Selvakumari & Murugesan, Indian J. For., 37(4):423.2014. (LAMIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Cheranmahadevi, Tirunelveli district of Tamil Nadu, India. The holotype is deposited in the Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in herbarium of Deptt. of Botany, St. John's College, Tirunelveli (JCH). The species is named after the district of its occurrence.

**एरिसिमा मधुऐनम** नाम्पी एवं मनुदेव, ईडनबर्ग ज. बॉट., 71(2):269.2014. (ऐरेसी)

स्नेक लिली कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन तमिलनाडु राज्य के कोयम्बटूर जनपद के वालपेराई, ओसिमाला टॉप से 1344मी० की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, मल्लापुरम्, केरल (सीएएलआई) एवं समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र कोयम्बटूर (एमएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डा० पी. वी. मधुसूदनन, पूर्व प्रभारी, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय के सम्मान में किया गया है।

**Arisaema madhuanum** Nampy & Manudev, Edinburgh J. Bot. 71(2): 269.2014. (ARACEAE)



This new species has been discovered and described based on collections made from Oosimala Top, Valparai, Coimbatore district of Tamil Nadu, India at 1344m altitude. The holotype is deposited in the Deptt. of Botany, Calicut University, Mallapuram, Kerala (CALI) and isotypes are in Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH). The species is named in honour of Dr. P.V. Madhusoodanan, Former Head, Deptt. of Botany, Calicut University.

**एरिस्टोलोचिया गुरिन्देराई** रवि कुमार, उमेश कुमार तिवारी एवं एन. बालाचंद्रन, फाइटोटैक्सा 172(2):118.2014. (एरिस्टोलोचिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल खाड़ी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप फाउन्डेशन फॉर रिवाइटेलाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ ट्रेडिशन, बैंगलौर (एफआरएलएच) पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण गुरेन्द्रजीत सिंह गोराया, भारतीय वन सेवा, अपर महानिरीक्षक वन (अनुसंधान), भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के सम्मान में किया गया है।

**Aristolochia gurinderii** Ravi Kumar, Umesh Kumar Tiwari & N. Balachandran, Phytotaxa 172 (2): 118.2014.  
(ARISTOLOCHIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from North-South Road, Campbell Bay, Great Nicobar Island of Andaman & Nicobar Island, India. The holotype is deposited in Herbarium of Foundation for Revitalization of Local Health Traditions, Bangalore (FRLH). The species is named in honour of Gurinderjit Singh Goraya, IFS, Deputy Inspector General of Forests (Research) at Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehra Dun.

**अरुन्डीनेल्ला प्रदीपियाना** सुनील एवं नवीन कुमार, वेबिया : ज. प्लांट टैक्सोनॉमी एंड जियोग्राफी, 69(2):249.2014. (पोऐसी)

घास कुल इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के एर्नाकुलम जनपद की इडमलायार वन रेंज के वारियम से 800मी० की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (सीएएल) एवं समप्ररूप क्रमशः भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय (सीएएलआई) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. ए. के. प्रदीप के सम्मान में उनके द्वारा पादप वर्गीकी पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों हेतु किया गया है।



**Arundinella pradeepiana** Sunil & Naveen Kumar, Webbia: J. Plant Taxonomy & Geography, 69(2): 249.2014. (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Edamalayar forest range, Variyam, Ernakulam district of Kerala, India at 800m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), and isotypes are in Herbaria of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) & Department of Botany, Calicut University (CALI). The species is named in honour of Dr. A. K. Pradeep for his contribution to the Plant taxonomy.

**ब्राचिस्टीलमा महाजनार्ई** काम्बले एवं एस. आर. यादव, क्यू बुलेटिन 69.9493.2.2014. (एपोसायनेसी)

सदाबहार कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन तमिलनाडु राज्य के नीलगिरी जनपद के इब्बानाड ग्राम से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (सीएएल) एवं समप्ररूप क्रमशः रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू (के), वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (एसयूके) एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण गोखले विद्यालय के श्री एस. डी. महाजन के सम्मान में किया गया है।

**Brachystelma mahajanii** Kambale & S. R. Yadav, Kew Bulletin 69.9493.2.2014. (APOCYNACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Ebbanad village, Nilgiri district of Tamil Nadu, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), and isotypes are in Royal Botanical Garden, Kew (K), Deptt. of Botany, Shivaji University, Kolhapur (SUK) and Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) respectively. The species is named after Mr. S. D. Mahajan, of Gokhale College.

**ब्राचिस्टीलमा वर्ताकाई** काम्बले एवं एस. आर. यादव, क्यू बुलेटिन 69.9493.4.2014. (एपोसायनेसी)

सदाबहार कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के कासरगोड़ जनपद के पेरिया नामक स्थान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (सीएएल) एवं



समप्ररूप क्रमशः रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू (के), वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (एसयूके) एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण आधारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे के स्व. डॉ. वी. डी. वर्तक सम्मान में किया गया है।

**Brachystelma vartakii** Kambale & S. R. Yadav, Kew Bulletin 69.9493.4.2014. (APOCYNACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Periya, Kasargod district, Kerala, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), and isotypes are in herbaria of Royal Botanical Garden, Kew herbarium (K), Deptt. of Botany, Shivaji University, Kolhapur (SUK) and Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) respectively. The species is named in honour of late Dr. V.D. Vartak, Agharkar Research Institute, Pune.

**बुल्बोफायलम चैरापुंजीऐन्सिस** बरभुईया एवं डी. वर्मा, फायटोटैक्सा 156(5): 298.2014. (आर्किडेसी)

आर्किड कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन मेघालय राज्य के ईस्ट खासी जनपद के चैरापूंजी से 1460मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थल चैरापूंजी के नाम पर आधारित है।

**Bulbophyllum cherrapunjeensis** Barbhuiya & D.Verma, Phytotaxa 156 (5): 298.2014. (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Cherrapunjee, East Khasi district of Meghalaya, India at 1460m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The specific epithet given after its type locality Cherrapunjee.

**बुल्बोफायलम मानावेन्द्राई** डी. के रॉय, बरभुईया एवं ए. डी. तालुकदार, फायटोटैक्सा 164(4): 291.2014. (आर्किडेसी)

आर्किड कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन मेघालय राज्य के साउथ गारो हिल्स जनपद के बलफाकरम राष्ट्रीय उद्यान, खुन्डोल गुप से 182मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण असम विश्वविद्यालय, सिलचर के प्रो. मानवेन्द्र दत्त चौधरी के सम्मान में किया गया है।

**Bulbophyllum manabendrae** D. K. Roy, Barbhuiya & A.D. Talukdar, Phytotaxa 164(4):291.2014. (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Balphakram National Park, Khundol Gup, South Garo Hills district of Meghalaya, India at 182m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The species is named in honour of Prof. Manabendra Dutta Choudhury of Assam University, Silchar.

**क्लोरोफायटम पालघाटेन्स** के. एम. पी. कुमार एवं अडसुल, फायटोटैक्सा 188(5): 282.2014. (एस्परागोसी)

सतावरी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के पालघाट जनपद स्थित पालामाला के धोनी पर्वत से 1900मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, औषधीय पादप अनुसंधान केंद्र, आर्य वैद्यशाला, कोट्टाक्कल (सीएमपीआर) एवं सम प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय (सीएएलआई), दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर (एमएच) एवं पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (एसयूके) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसके प्राप्ति जनपद के नाम पर आधारित है।

**Chlorophytum palghatense** K.M.P. Kumar & Adsul, Phytotaxa 188(5): 282.2014. (ASPARAGACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Dhoni Hills, Palamala of Palakkad district, Kerala, India at 1900m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of Centre for Medicinal Plants Research, Arya Vaidya Sala, Kottakkal (CMPR) and isotypes are in Herbarium of Deptt. of Botany, Calicut University (CALI), Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore (MH) and Herbarium Deptt. of Botany, Shivaji University, Kolhapur (SUK). The species is named after the district of its existence.

**क्लोरोफायटम शर्माई** अडसुल, लेखक एवं एस. आर. यादव, क्यू बुलेटिन 69.9503.1.2014. (एस्परागोसी)

सतावरी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के ईडुक्की जनपद के मुन्नार से 1402मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं सम प्ररूप रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू (के) एवं पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (एसयूके) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. ए. के. शर्मा के सम्मान में उनके द्वारा पादप कोशानुवाशिकी पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

**Chlorophytum sharmae** Adsul, Lekhak & S.R. Yadav, Kew Bulletin 69.9503.1.2014. (ASPARAGACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Munnar, Idukki district of Kerala, India at 1402m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium Royal Botanical Garden, Kew (K) and Herbarium Deptt. of Botany, Shivaji University, Kolhapur (SUK). The species is named in honour of Prof. A. K. Sharma, emiritus Professor, Calcutta University for his significant contribution in plant cytogenetics.

**क्राइसोस्प्लेनियम अरुणाचलेन्स** भौमिक, क्यू बुलेटिन, 69.9491.2014. (सैक्सिफ्रागोसी)

सैक्सिफ्रांजी (कतिला) कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जनपद के योरलुंग से आगे रेणु द्वितीय दर्रे के पास से 3438मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, इटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्राप्ति राज्य अरुणाचल प्रदेश के नाम पर किया गया है।



**Chryso-splenium arunachalense** Bhaumik, Kew Bulletin 69: 9491.2014. (SAXIFRAGACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Renu II, Pass beyond Yourlung, West Siang district of Arunachal Pradesh, India at 3438m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), and isotypes are in Herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). The species is named after the state Arunachal Pradesh.

**विलस्टेन्थस नोकरेन्सिस** बी. सिंह, ताइवानिया 59(3):198.2014. (यूफोर्बिऐसी)

ऑवला कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन मेघालय राज्य के नोकरेक जीव मंडल आरक्षित क्षेत्र, रोंगसिंगिरी से 267मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम भारत के पूर्वी हिमालय स्थित इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल "नोकरेक हिल्स" के नाम पर आधारित है।



**Cleistanthus nokrensis** B. Singh, Taiwania 59(3): 198. 2014. (EUPHORBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Nokrek Biosphere Reserve, Rongsingiri, of Meghalaya, India at 267m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The specific epithet refers the type locality "Nokrek Hills" in the Eastern Himalaya of India.

**क्राइनम सोलापुरेन्से** एस. पी. गायकवाड़, के. यू. गरड़ एवं आर. डी. गोर, क्यू बुलेटीन 69:9505.2014. (एमेरलीडेसी)

लिली कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन महाराष्ट्र राज्य के सोलापुर जनपद से बीमा नदी, मछनूर एवं कासूर ग्रामों के बीच से 469मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति नाम इसके प्ररूप प्राप्ति जनपद सोलापुर के नाम पर किया गया है।

**Crinum solapurense** S. P. Gaikwad, K. U. Garad & R. D. Gore, Kew Bulletin 69:9505.2014. (AMARYLLIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made along Bima river in between Machnur and Kasur villages in Solapur district of Maharashtra, India at 469m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Howrah (CAL) and isotypes are in Western Regional Centre, Pune (BSI), Herbaria of Royal Botanical Garden, Kew (K) and Deptt. of Botany, Shivaji University Kolhapur (SUK). The species is named after district of its occurrence "Sholapur".

**क्रोटालेरिया शुक्लाई** अर्जुन प्रसाद तिवारी एवं अनिस अहमद अंसारी, ताइवानिया 59(1):54.2014. (फेबेसी)

मटर कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन उत्तर प्रदेश राज्य के इटावा जनपद से चंबल नदी तट के किनारे से 130मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद (बीएसए) एवं समप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डा. बी. के. शुक्ला के सम्मान में उनके द्वारा चंबल क्षेत्र की वनस्पति विविधता पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

**Crotalaria shuklae** Arjun Prasad Tiwari & Anis Ahmad Ansari, Taiwania 59(1): 54.2014. (FABACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made along the Chambal river, near Chakamagar in Etawah district of Uttar Pradesh, India at 130m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA) and isotypes are in Central National Herbarium, Howrah (CAL). The species is named in honour of Dr. B. K. Shukla, retired Scientist, Botanical Survey of India in recognition of his contribution to the Flora of Chambal area.

**कुर्कुमा मुखरानियाई** आर. कृ. सिंह एवं आरती गर्ग, इंडियन ज. फॉरे. 37(4):419.2014. (जिंजिबेरेसी)

हल्दी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन कर्नाटक राज्य के उडुपी जनपद के मुकाम्बिका वन्यजीव अभयारण्य, कोल्लूर से 500मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय,



हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति लेखक (आर. कं. एस.) ने अपनी दादी स्व. श्रीमति मुखरानी देवी के सम्मान में किया है।

**Curcuma mukhraniae** R. Kr. Singh & Arti Garg, Indian J. For. 37(4):419.2014. (ZINGIBERACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Mookambika Wildlife Sanctuary, Kollur of Udupi district of Karnataka, India at 500m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Howrah (CAL) and isotypes are in herbarium of Western Regional Centre, Pune (BSI). The species is named in remembrance of late Smt. Mukhrani Devi, Grandmother of one of the authors (RKS).

**साइकस दर्शाई** आर. सी. श्रीवास्त. एवं बी. जाना, इंडियन ज. प्ला. साई. 3(2):152.2014. (साइकेडेसी)



साइकस कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन पश्चिम बंगाल राज्य के हावड़ा जनपद स्थित आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम लेखक डा. आर. सी. श्रीवास्तव ने अपने नाती दर्श के नाम पर किया है।

**Cycas darshii** R. C. Srivast. & B. Jana, Indian J. Pl. Sci. 3(2):152.2014. (CYCADACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Acharya Jagdish Chandra Bose, Indian Botanical Garden, Howrah district of West Bengal. The holotype is deposited in herbarium of Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after the grandson of the author "Darsh".

**साइकस साईनाथाई** आर. सी. श्रीवास्त. एवं बी. जाना, इंडियन ज. प्ला. साई. 3(1):110.2014. (साइकेडेसी)



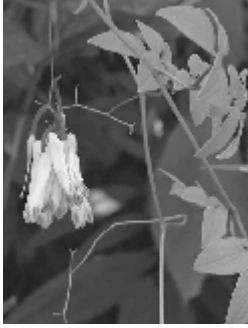
साइकस कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन पश्चिम बंगाल राज्य के हावड़ा जनपद स्थित आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल-प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम लेखक द्वारा शिरडी के साई बाबा के सम्मान में किया गया है।

**Cycas sainathii** R.C. Srivast. Indian J. Pl. Sci. 3(1):110.2014. (CYCADACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Acharya Jagdish Chandra Bose Indian Botanical Garden, Howrah district of West Bengal. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Howrah (CAL). The species is named in honour of Sai Baba' from Sirdi.

**डाक्टेलिकैपनोस अरुणाचलेन्सिस** लिंडेन एवं एम. के. पाठक, नार्डिक ज. बॉट. 32.183.2014. (पापावरेसी)

अफीम (पापावर) कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सिंगांग जनपद के दिबांग घाटी, कुपुप से गेलिंग के बीच से 800मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल एवं समप्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण अरुणाचल प्रदेश के नाम पर आधारित है।



**Dactylicapnos arunachalensis** Liden & M. K. Pathak, Nordic J. Bot. 32: 183. 2014.  
(PAPAVERACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Dibang valley, Kupup to Geyling, Upper Siang district, of Arunachal Pradesh, India at 800m altitude. The holotype and isotypes are deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after the state Arunachal Pradesh.

**डेलफिनियम लाहौलेन्सिस** अग्निहोत्री, हुसैन एवं हुसैन, फायटोटैक्सा 186(5): 287.2014. (रैननकुलेसी)

जलधनिया (बटरकप) कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन हिमाचल प्रदेश के मियार नुल्लाह नदी क्षेत्र, लाहौल घाटी से 2743मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप एवं समप्ररूप नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम, लंदन (बीएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी के नाम पर आधारित है।

**Delphinium lahulensis** Agnihotri, Husain & Husain, Phytotaxa 186(5): 287. 2014. (RANUNCULACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Miyar Nullah river, Lahul valley of Himanchal Pradesh, India at 2743m altitude. The holotype and isotypes are deposited in The Natural History Museum, London (BM). The species is named after the Lahul Valley, Himanchal Pradesh.

**एलिओकैरिस खंडवान्सिस** मुजफ्फर, चंदौर एवं एस. आर. यादव, नार्डिक ज. बॉट. 32.710.2014. (सायपरेसी)

नागरमोथा (साइप्रस) कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन मध्य प्रदेश के खंडवा जनपद के बामनगाँव ग्राम से 318मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू लंदन (के), पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पुणे (बीएसआई) एवं वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (एसयूके) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के उद्भव स्थान के नाम पर आधारित है।

**Eleocharis khandwaensis** Mujaffar, Chandore & S. R. Yadav, Nordic J. Bot.32: 710. 2014. (CYPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Bamangaon village, Khandwa district of Madhya Pradesh, India at 318m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Royal National Herbarium, Kew, London (K), Westren Regional Centre, Pune (BSI) and Dept. of Botany, Shivaji University, Kolhapur (SUK) respectively. The species is named after region of its occurrence.

**इरिया ग्लोएन्सिस** ओरमिरोड एवं अग्रवाल, ताइवानिया 59(3): 206.2014. (आर्किडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के मिशमी हिल्स, कमलांग घाटी में ग्लो से 1220मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप ओकेस अमेस आर्किड पादपालय, हावर्ड विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज, यूएसए (एएमइएस) एवं समप्ररूप न्यूयार्क वानस्पतिक उद्यान, न्यूयार्क, यूएसए (एनवाई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्ररूप प्राप्ति स्थल कमलांग घाटी में 'ग्लो' के नाम पर आधारित है।

**Eria gloensis** Ormerod & Agrawala, Taiwania, 59(3): 206. 2014. (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Mishmi Hills, Kamlang Valley, Glo of Arunachal Pradesh, India at 1220m altitude. The holotype is deposited in the herbaria of Oakes Ames Orchid Herbarium, Harvard University, Cambridge, USA (AMES) and isotypes are in New York Botanical Garden, New York, USA (NY). The species is named after the type locality "Glo" in Kamlang Valley.

**इरियोकॉलोन गोपालाकृष्णानम्** के. रश्मि एवं जी. कृष्णाकुमार, नार्डिक ज. बॉट. 32:146.2014. (इरियोकॉलेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के कसारागोड जनपद के मावुंगल से 63मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर (एमएच), रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू (के) एवं प्रायोगिक वनस्पति विज्ञान विभाग, मंगलौर विश्वविद्यालय के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण के. गोपालकृष्णन भट्ट उडुपी, कर्नाटक के सम्मान में उनके द्वारा इस क्षेत्र के पौधों पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

**Eriocaulon gopalakrishnanum** K. Rashmi & G. Krishnakumar, Nordic J. Bot. 32: 146. 2014. (ERIOCAULACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Mavungal of Kasaragod district in Kerala, India at 63m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore (MH), Royal Botanical Garden, Kew (K) and Dept of Applied Botany, Mangalore University respectively. The species is named in honour of K. Gopalakrishna Bhat, Udupi, Karnataka for his long and dedicated commitment to taxonomic studies of the plants in this region

**यूफोर्बिया कडापेन्सिस** सरोजनीदेवी एवं वेंकटराजू, फायटोटैक्सा 181(3): 179.2014 (यूफोर्बिऐसी)

आँवला कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन आंध्रप्रदेश के कडापा जनपद के माबुचिंथालापल्ली, पालाकोंडा हिल्स से 372मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, श्री कृष्णदेवरैया विश्वविद्यालय, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश (एसकेयू) एवं सम प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद (बीएसआईडी) एवं दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति जनपद के नाम पर किया गया है।

**Euphorbia kadapensis** Sarojinidevi & Venkataraju, Phytotaxa 181(3): 179. 2014. (EUPHORBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Mabbuchinthalapalle, Palakonda hills, Kadapa district of Andhra Pradesh, India at 372m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Deptt. of Botany, Sri Krishnadevaraya University, Anantapur, Andhra Pradesh (SKU) and isotypes are in herbaria of Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad (BSID) & Southern Regional Centre, Coimbatore (MH). The species is named after district of its occurrence.

**फ्रिसोडेल्सिया सहयाद्रिका** एन. वी. पेग एवं सुरवेशव., फायटोटैक्सा 158(3): 278.2014. (एनोनेऐसी)

आँवला कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन कर्नाटक राज्य के उत्तर कन्नडा जनपद के काथलेकन संरक्षित वन क्षेत्र से 110मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं सम प्ररूप पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पुणे (बीएसआई), पादपालय एवं रॉ ड्रग रिपोजिटरी, बंगलौर (एफआरएलएच) एवं सेन्टर फॉर इकोलॉजिकल साइंस, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलौर (जेसीबी) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण सहयाद्री पर्वत श्रृंखला के नाम पर आधारित है।

**Friesodielsia sahyadrica** N.V. Page & Survesw., Phytotaxa 158 (3): 278. 2014. (ANNONACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Kathlekan Reserve Forest, Uttara Kannada district, Karnataka, India at 110m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Western Regional Centre, Botanical Survey of India, Pune (BSI), Raw Drug Repository, Bangalore (FRLH) and Centre for Ecological. Sciences, Indian Institute of Science, Bangalore (ICB). The species is named after Sahyadri Mountain Range.





**ग्लोचिडियॉन किन्गाई** एम. वी. रमन, संजप्पा, वेणु एवं आलोक चोरघे, नार्डिक ज. बॉट 0:1.2014. (यूफोर्बिऐसी)

आंवला कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के उत्तरी अंडमान द्वीप स्थित सैडल पीक राष्ट्रीय उद्यान की कालपोंग नदी से 225मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हैदराबाद (बीएसआईडी) एवं अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण ब्रिटिश वनस्पतिज्ञ एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के संस्थापक निदेशक सर जार्ज किंग के सम्मान में किया गया है।



**Glochidion kingii** M. V. Ramana, Sanjappa, Venu & Alok Chorghé, Nordic J. Bot. 0: 1. 2014. (EUPHORBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Saddle Peak National Park, Kalpong River, North Andaman Islands, Andaman & Nicobar Islands, India at 225m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Deccan Regional Centre, Botanical Survey of India, Hyderabad (BSID) and Andaman & Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). The species is named in honor of Sir George King, British Botanist and the founder Director of the Botanical Survey of India.

**ग्लोचिडियॉन तिरुपथियेन्से** रासिंगम, चोरघे, प्रसन्ना एवं शंकरा रॉव, ताइवानिया 59(1): 9.2014. (यूफोर्बिऐसी)

आंवला कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन आंध्र प्रदेश के तिरुमाला हिल्स से कुमाराधारा पुष्पधारा बांध मार्ग से 978मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हैदराबाद (बीएसआईडी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थल आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध मंदिर शहर तिरुपति के नाम पर किया गया है।



**Glochidion tirupathiense** Rasisingam, Chorghé, Prasanna & Sankara Rao, Taiwania 59(1): 9. 2014. (EUPHORBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Tirumala hills, on the way to Kumaradara Pusupudara Dam in Andhra Pradesh, India at 978m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbarium of Deccan Regional Centre, Botanical Survey of India, Hyderabad (BSID). The species is named after the typelocality, Tirupathi, a famous temple town in Andhra Pradesh.

**हेबेनेरिया निकोबारिका** मुरुगन, अलाप्पट्ट, प्रभु एवं अरिसडासन, बांग्लादेश ज. प्लांट टैक्सान. 21(1): 77.2014. (आर्किडेसी)

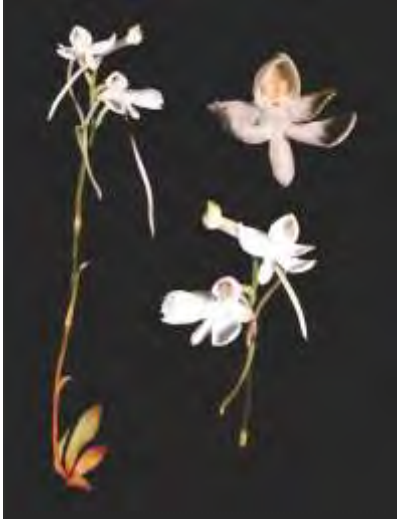
आर्किड कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिटिल निकोबार ट्राइबल रिजर्व, पुलोपाहा, दक्षिण निकोबार से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हैदराबाद (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण निकोबार द्वीप समूह के नाम पर किया गया है।



**Habenaria nicobarica** Murugan, Alappatt, Prabhu & Arisdason, Bangladesh J. Plant Taxon. 21(1): 77. 2014. (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Little Nicobar Tribal Reserve, Pulo-paha, South Nicobar of Andaman and Nicobar Islands. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbarium of Andaman & Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). The species is named after Nicobar island.

**हेबेनेरिया ओस्मास्टोनाई** कारथिग., मैना, सुमथि, जयंथि एवं जलाल, फाइटोटैक्सा 166(2): 151.2014. (आर्किडेसी)



आर्किड कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन दक्षिण निकोबार के रूटलैंड द्वीप के डायर प्वाइंट, निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण बर्टराम बेर्सफोर्ड ओस्मास्टोन के नाम पर आधारित है, जिन्होंने इस जाति को दक्षिण अंडमान के रूटलैंड द्वीप से प्रथम बार संग्रहित किया था।

**Habenaria osmastonii** Karthig. Maina, Sumathi, Jayanthi & Jalal, Phytotaxa 166 (2): 151.2014. (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Rutland Island, Dyer Point, South Nicobar Islands. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after Bertram Beresford Osmaston, who made the first collection of this species from Rutland Island in South Andaman.

**हेडियोटिस राजाशेखराई** करुप्प. एवं रविचंद्रन, ईडनबर्ग ज. बॉट. 71(1):58.2014. (रूबीऐसी)

कॉफी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन तमिलनाडु राज्य के थेनी जनपद के कारडाना इस्टेट के निकट, मेगामलाई हिल्स की ओर से 1350मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप मदुरा कॉलेज पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, मदुरई एवं केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ॰ के.एम. राजशेखरन, वनस्पति विज्ञान विभाग, मदुरा कॉलेज के सम्मान में किया गया है।

**Hedyotis rajasekaranii** Karupp. & Ravichandran, Edinburgh J. Bot. 71(1):58.2014. (RUBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from stream side on the way to Megamalai hills near Kardana Estate, Theni district of Tamil Nadu, India at 1350m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in herbaria of Madura College, Madurai and Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named in honour of Dr. K. M. Rajasekaran, Deptt. of Botany, Madura College.

**हरपेटोस्पर्मम् ओपरकुलेटम्** के. प्रदीप., ए. पांडे, के. सी. भट्ट, एवं ई. आर. नायर, ब्लूमिया 59(1): 1.2014. (कुकरबिटेसी)



लौकी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन सिक्किम प्रांत के साउथ जनपद के सादम के निकट नदी तट से 1500मी० की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (डीडी) एवं नेशनल हरबेरियम ऑफ कल्चिवेटेड प्लांट, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली (एनएचसीपी) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। जाति का नाम इसके फल की वर्तिका के किनारे पर ढक्कन सदृश विशिष्ट संरचना (ओपरकुलम) का द्योतक है।

**Herpetospermum operculatum** K. Pradheep, A. Pandey, K.C. Bhatt & E.R. Nayer, Blumea 59(1): 1.2014. (CUCURBITACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made near river bank, Sadam, South district, Sikkim, India at 1500m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Forest Research Institute, Dehradun (DD) & National Herbarium of Cultivated Plants, NBPGR, New Delhi (NHCP). The specific epithet refers its characteristic lid like feature (operculum) at stylar end of the fruit.

**हिमालाईल्ला लुशायेन्सिस** वाई. एस. चैन एवं क्यू. यूऑन, फायटोटैक्सा 173(4): 293.2014. (एस्टरेसी)

सूरजमुखी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन मिजोरम राज्य के दक्षिणी लुशाई के खुले घास के मैदान से 1372मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू (के) में संग्रहित किया गया है। जाति का नाम इसके प्रतिरूप प्राप्ति स्थान के नाम पर आधारित है।

**Himalaiella lushaiensis** Y.S. Chen & Q. Yuan, Phytotaxa 173 (4): 293.2014. (ASTERACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from open grassland, South of Lushai of Mizoram, India at 1372m altitude. The holotype is deposited in the herbarium Royal Botanical Garden, Kew (K). The species is named after the type locality Lushai.

**हिडनोकार्पस लॉगिपेडुन्कुलेटस** रोबी, शशिध. एवं जोस, वेबिया : ज. प्लांट टैक्सोनामी एंड जियोग्राफी 69(2): 243.2014. (फ्लाकोर्टिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के इडुक्की जनपद के कुलामावू से 750मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं केरल वन अनुसंधान संस्थान (केएफआरआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इस जाति में पाये जाने वाले लम्बे वृन्तक (पेडुन्कुल) पर आधारित है।

**Hydnocarpus longipedunculatus** Robi, Sasidh & Jose, Webbia: Journal of Plant Taxonomy and Geography 69(2): 243.2014. (FLACOURTIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from, Kulamavu of Idukki district, Kerala, India at 750m altitude. The holotype is deposited in the Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore (MH) and isotypes are in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) & Herbarium of Kerala Forest Research Institute (KFRI). The specific epithet refers to the longpeduncle, which is a unique character of this species.

**इम्पेशियंस परमजीतियाना** गोगोई एवं बोराह, फाइटोटैक्सा 175 (3): 171.2014. (बालसेमिनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट सियांग जनपद के डोपोरिजो, एलॉग से 400मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं सम प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) एवं अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. परमजीत सिंह, निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के सम्मान में उनके द्वारा भारतीय वर्गिकी पर किये गये उल्लेखनीय योगदान हेतु किया गया है।

**Impatiens paramjitiana** Gogoi & Borah, Phytotaxa 175 (3):171.2014. (BALSAMINACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Daporijo, Along, West Siang district of Arunachal Pradesh, India at 400m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM) and Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). The species named is given in honour of Dr. Paramjit Singh, Director, Botanical Survey of India, for his contribution to Indian plant taxonomy.

**इंडिगोफेरा कुदिराईमोझिनिस** सेल्वा कु. एवं राजाकुमार, इंडियन ज. फॉरेस्ट. 37(3): 309.2014. (फेबेसी)

मटर कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन तमिलनाडु राज्य के थोथुकुडी जिले के कुदिराईमोझी थेरी, पूछीकाडु से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं सम प्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट जॉन कॉलेज, तिरुनेलवेल्ली (जेसीएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप के प्राप्ति स्थान के नाम पर आधारित है।

**Indigofera kudiraimozhiensis** Selvak. & Rajakumar, Indian J. Forest. 37(3): 309. 2014. (FABACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Kudiraimozhi Theri, Puchikadu of Thoothukudi district, Tamil Nadu, India. The holotype is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in Department of Botany, St. Jhon's College, Tirunelveli (JCH). The specific epithet is based on the type locality.

**इक्जोरा चक्रबोर्तीआई** मुरुगन एवं प्रभु, इंडियन ज. फॉरेस्ट. 37 (3): 303.2014. (रुबिऐसी)



कॉफी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कटछल द्वीप कपांगा की ओर से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं सम प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ पी चक्रबोर्ती के सम्मान में उनके द्वारा अंडमान एवं निकोबार के वनस्पतिजात पर दिये गये योगदान हेतु किया गया है।

**Ixora chakraborteyi** Murugen & Prabhu, Indian J. Forest. 37(3): 303. 2014. (RUBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Katchal Island towards Kapanga, Andaman & Nicobar Island, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in

herbarium of Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The species is named after Dr. P Chakraborty for his valuable contribution to the flora of Andaman and Nicobar Islands.

**कोब्रेसिया ब्रान्डीसाई** सी. बी. क्लार्क एक्स जाना एवं आर. सी. श्रीवास्तव, ज. जैपनी. बॉट. 89: 205. 2014. (सायपेरेसी)

नागरमोथा (साइप्रस) कुल की इस नवीन जाति का वर्णन पश्चिमी हिमालय में उत्तराखंड राज्य से 6000फिट की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप एवं समप्ररूप पादपालय वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (डीडी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप के संग्रहकर्ता जर्मन वनस्पतिज्ञ डी. ब्रान्डिस के सम्मान में किया गया है।

**Kobresia brandisii** C. B. Clarke ex Jana & R. C. Srivastava, J. Jpn. Bot. 89: 205.2014. (CYPERACEAE)

This new species has been described based on collections made from, Westren Himalaya, Uttarakhand at 6000ft. altitude. The holotype and isotypes are deposited in the Herbarium of Forest Research Institute, Dehradun (DD). The species is named in honour of the German Botanist D. Brandis, who has collected this specimen.



**कोब्रेसिया परमजीताई**, जाना, एच. जे. नोल्टाई, आर. सी. श्रीवास्त. एवं अंबरीश मुखर्जी, इंडियन ज. प्लां. साइं. 3(2):106.2014. (सायपेरेसी)

नागरमोथा (साइप्रस) कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन सिक्किम राज्य के नार्थ सिक्किम जिले में सेबु-ला दर्रे के उत्तरी छोर से 4750 मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, सिक्किम हिमालयन क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, गंगटोक (बीएसएचसी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. परमजीत सिंह, निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के सम्मान में किया गया है।

**Kobresia paramjitii** Jana, H.J.Noltie, R.C. Srivast & Ambarish Mukherjee, Indian J. Pl. Sci., 3 (2):106.2014. (CYPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from, North slopes above Sebu-La of North Sikkim district of Sikkim at 4750m. altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Sikkim Himalayan Regional Centre, Botanical Survey of India, Sikkim (BSHC). The species is named to honour of Dr. Paramjit Singh, Director, Botanical Survey of India.

**कोब्रेसिया विभाई**, जाना, आर. सी. श्रीवास्त. एवं मानस भौमिक, इंडियन ज. प्लां. साइं. 3(2): 110.2014. (सायपेरेसी)

नागरमोथा (साइप्रस) कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले से मोबो पर्वत की चोटी से 3615मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण लेखक आर. सी. श्रीवास्तव के पौत्र के नाम पर किया गया है।

**Kobresia vibhae** Jana, R.C.Srivast & Manas Bhaumik, Indian J. Pl. Sci., 3 (2): 110.2014. (CYPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Mobo Mountain top Upper Siang district of Arunachal Pradesh at 3615m. altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Arunachal Pradesh Regional Centre, Botanical Survey of India, Itanagar (ARUN). The species is named after the name of author RCS grandson.

**लिन्डरनिया तमिलनाडेन्सिस** एम. जी. प्रसाद एवं सुनोज कु., फायटोटैक्सा 162(1): 57.2014. (लिन्डरनिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन तमिलनाडु राज्य के तिरुनेलवेल्ली जनपद के विजयनारायणम नामक स्थान से 40मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएलआई) एवं समप्ररूप सीएलआई तथा पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति का उद्भव तमिलनाडु राज्य के नाम पर आधारित है।

**Lindernia tamilnadensis** M.G. Prasad & Sunojk, Phytotaxa 162 (1): 57. 2014. (LINDERNIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Vijayanarayanam Tirunelveli district of Tamil Nadu, India at 40m. altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Deptt. of Botany, Calicut University, Calicut (CALI) and isotypes are in Herbaria of (CALI) and Southern Regional Centre, Coimbatore (MH). The specific epithet refers its origin from state "Tamil Nadu".

**मेमिसिलॉन पोन्मुदियानम** सिबू, एन. एस. प्रदीप एवं पंदुर., फायटोटैक्सा 162(1):44.2014. (मिलास्टोमैटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के तिरुवनंतपुरम जनपद के पोन्मुदी पहाड़ी पर स्थित काउदियारमोट्टाई नामक स्थान से 779मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, जवाहर लाल नेहरू ट्रॉपिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, करिमानकोडे, पैलोड (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति का उद्भव पोन्मुदी पहाड़ी के नाम पर आधारित है।

**Memecylon ponmudianum** Sivu, N.S.Pradeep & Pandur., Phytotaxa 162 (1): 44. 2014. (MELASTOMATACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Ponmudi Hills, Kowdiyarmottai, Thiruvananthapuram district of Kerala India at 779m. altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Karimankode, Palode(TBGT) and isotypes are in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH). The species is named after type locality in Ponmudi Hills.

**मिलियूसा कोडोनेन्था** चौवोस्कु,, विल्लिडिनोविया 43: 101.2013. (एनोनेसी)

शरीफा कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग से 1200मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, रॉयल वानस्पतिक उद्यान, ईडनबर्ग (आरबीजीई) एवं समप्ररूप अरनोल्ड पादपालय, हावर्ड विश्वविद्यालय (एएएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके घंटीनुमा फूलों की संरचना पर आधारित है।

**Miliusa codonantha** Chaowasku, Willdenowia 43.101. 2013. (ANNONACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Darjeeling, West Bengal India at 1200m. altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Royal Botanical Garden, Edinburgh (RBGE) and isotypes are in Arnold Arboretum, Harvard University (AAH). The specific epithet refers bell like appearance of its flowers.

**मूसा अर्जेन्टाई** गोगोई एवं बोराह, ईडनबर्ग ज. बॉट 71(2):181.2014 (मूसेसी)

केला कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश राज्य के लोहित जनपद के जीरो प्वाइंट जंक्शन से 488मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएलआई) एवं समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) एवं पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ जार्ज अर्जेन्ट, रॉयल वानस्पतिक उद्यान, ईडनबर्ग के सम्मान में उनके द्वारा मूसेसी कुल पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।



**Musa argenticii** Gogoi & Borah, Edinburgh J.Bot. 71 ( 2 ): 181. 2014 (MUSACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from along the road to Deban from the zero point junction at Wakro, Lohit district of Arunachal Pradesh, India at 488m. altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itangar (ARUN) and Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The new species is named in honour of Dr George Argent, Royal Botanic Garden Edinburgh, for his contribution to Musaceae.

**मूसा सिलेन्ड्रीका** ए. जॉय, श्रीजीथ एवं एम. साबू, फायटोटैक्सा 172 (2): 137.2014. (मूसेसी)

केला कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मेघालय राज्य के जयंतिया पहाड़ी में उमकियांग, जमसारा से 154मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएलआई) एवं समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) एवं केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण 'सिलेन्ड्रीका' इसकी मादा पुष्पकलिका के बेलनाकार संरचना पर आधारित है।



**Musa cylindrica** A. Joe, Sreejith & M. Sabu, Phytotaxa 172 (2): 137. 2014. (MUSACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Umkiang, Jamsara, at Wakro, Jaintia Hill District Meghalaya, India at 154m. altitude. The holotype is deposited in the Herbarium, Deptt. of Botany, Calicut University, Calicut (CAL) and isotypes are in Herbaria of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong

(ASSAM) and Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The specific epithet 'cylindrica' denotes the characteristic cylindrical nature of the female bud.

**मूसा इंडअंडामानेन्सिस** एल. जे. सिंह, ताइवानिया, 59(1): 27.2014. (मूसेसी)

केला कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से हट खाड़ी, कृष्णा नाला, लिटिल अंडमान से 23मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इंडिया एवं अंडमान की संयुक्त वर्तनी पर आधारित है।

**Musa indandamanensis** L. J. Singh Taiwania, 59(1): 27. 2014. (MUSACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from, Hut Bay, Krishna Nalah, Little Andaman, Andaman & Nicobar Islands, India at 23m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium Andaman & Nicobar Regional Centre, BSI, Port Blair (PBL). The species is named after India and Andaman.

**मूसा नागालैंडियाना** एस. दे एवं गोगोई, नॉर्डिक ज. बॉट., 32: 584.2014. (मूसेसी)

केला कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन नागालैंड राज्य के उनहेबोटो जिले के वी. के. टाउन के निकट माखम गाँव से 463मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्राप्ति राज्य नागालैंड के नाम पर आधारित है।

**Musa nagalandiana** S. Dey & Gogoi, Nordic J. Bot., 32: 584. 2014 (MUSACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from, Makhm village near V. K. Town at Zunheboto district of Nagaland, India at 463m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium Eastern Regional Centre, BSI, Shillog (ASSAM). The specific epithet refers the state Nagaland, from where it has collected.

**निम्फिया मणिपुरेन्सिस** आशारानी एवं बिसेश्वरी, फायटोटैक्सा 188(2): 112.2014. (निम्फियेसी)

जल कुमुदिनी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन मणिपुर राज्य के नरानकोनझिन, इम्फाल वेस्ट जनपद से 726मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, इंस्टीट्यूट ऑफ बायोरिसोर्स एंड सस्टेनेबल डेवलेपमेंट, इम्फाल में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के उद्भव राज्य के नाम पर आधारित है।

**Nymphaea manipurensis** Asharani & Biseshwori, Phytotaxa 188(2): 112. 2014. (NYMPHAEACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Narankonj in, Imphal West district, Manipur India at 726m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium of Institute of Bioresources and Sustainable Development, Imphal. The species is named after the state of its occurrence.

**पैनक्रेटियम नैराई** शशिकला एवं रीमा कुमारी, इंडीयन ज. फारेस्ट. 36(4): 543.2014. (एमारिल्लिडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के थलाश्री मंदिर गेट से 213मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप एवं समप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. वी. जे. नॉयर के सम्मान में तृण-वर्गिकी पर किये गये उनके अनुसंधान पर आधारित है।

**Pancratium nairii** Sasikala & Reema Kumari, Indian J. Forest. 36(4): 543. 2014. (AMARYLLIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Temple Gate, Thalassery, Kerala, India at 213m altitude. The holotype & isotypes are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) The specific epithet is given to honour Dr. V. J. Nair, for his contribution to grass flora of India.

**फ़ैनेरा जैमपुर्येन्सिस** दरलॉग एवं डी. भट्टाचार्य, क्यू बुलेटिन 69.9534.2.2014. (लेग्यूमिनोसी : सिजलपिनोएडी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन त्रिपुरा राज्य के नार्थ जनपद के त्लांगसांग जम्पुई पहाड़ी से 770मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थान जम्पुई पहाड़ी पर आधारित है।

**Phanera jampuiensis** Darlong & D. Bhattach., Kew Bulletin 69.9534.2 2014. (LEGUMINOSAE : CAESALPINIOIDEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Tlangsang, Jampui hill range, North district of Tripura, India at 770m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The species is named after type locality in Jampui hill.

**पिक्रोराइजा तुंगनाथाई** पुसालकर, नॉर्डिक ज. बॉट., 32.311.2014. (सक्रोफुलेरिऐसी)

कुटकी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन उत्तराखंड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले के तुंगनाथ से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, देहरादून (बीएसडी) एवं समप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण उत्तराखंड राज्य के तुंगनाथ मंदिर के नाम पर रखा गया है।

**Picrorhiza tungnathii** Pusalkar, Nordic J. Bot., 32: 311. 2014. (SCROPHULARIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Tungnath, Rudraprayag district of Uttarakhand, India. The holotype is deposited in the Herbarium of Northern Regional Centre, Botanical Survey of India, Dehradun (BSD) and isotypes are in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after the Lord Tungnath, Uttarakhand.

**टर्नोपिटेलम अरुणाचलेन्सिस** एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारा., नॉर्डिक ज. बॉट., 32.471.2014. (ऐपीऐसी)

धनिया कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट सियांग जिले के मेछुका से योरलुंग के बीच हनुमान कैंप के निकट से 2300मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्राप्ति राज्य के नाम पर किया गया है।

**Pternopetalum arunachalense** M. Bhaumik & P. Satyanar., Nordic J. Bot., 32: 471. 2014. (APIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Mechukha to Yourlung near Hanuman camp, West Siang district of Arunachal Pradesh, India at 2300m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium of Arunachal Pradesh Regional Centre, BSI, Itanagar (ARUN). The species is named after the state of its origin.





**रिन्कोशिया रवियाई** के. प्रसाद एवं ए. नाराय., फायटोटैक्सा 175(3): 156.2014. (लेग्यूमिनोसी : पेपिलियोनोएडी)

मटर कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन आंध्र प्रदेश राज्य के अनंतपुरम जनपद स्थित तालापुला वन क्षेत्र से 550 मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, डेक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद (बीएसआईडी) एवं समप्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, श्रीकृष्णदेवरैया विश्वविद्यालय, अनंतपुरम (एसकेयू) में संग्रहित किया गया है।

**Rhynchosia ravii** K. Prasad & A. Naray., Phytotaxa 175(3): 156. 2014. (LEGUMINOSAE : PAPILIONOIDEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Anantapuram district, Talapula forest of Andhra Pradesh, India at 550m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad (BSID) and isotypes are in Deptt. of Botany, Sri Krishnadevaraya University, Anantapuram (SKU).

**रिन्कोस्पोरा पांडुरंगनाई** विजी, शाजू एवं गीता कुमा., क्यू बुले.69(3):9519.1.2014. (सायपेरेसी)

नागरमोथा (साइप्रस) कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के वायनाड जनपद से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप ट्रॉपिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण डॉ. ए. जी. पांडुरंगन, जवाहर लाल नेहरू ट्रॉपिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड के सम्मान में उनके द्वारा पादप वर्गिकी एवं संरक्षण पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

**Rhynchospora panduranganii** Viji, Shaju & Geetha Kum., Kew Bull. 69(3):9519: 1. 2014. (CYPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Wayanad district, Kerala, India at 550m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of Tropical Botanical Garden and Research Institute, Trivandrum (TBGT) and isotypes are in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH). The species is named in honour of Dr. A. G. Pandurangan, Jawahar Lal Nehru Tropical Botanical Garden & Research Institute, Palod, for contribution in plant taxonomy & conservation.

**रोटाला धनेशियाना** सुनील, रथीश एवं शिवादासन, फायटोटैक्सा 188 (4): 227.2014. (लायथ्रेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के वायनाड जनपद स्थित वायनाड वन्य जीव अभयारण्य, मारागधा से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं ट्रॉपिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम (टीबीजीटी) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण श्री. पी. धनेश कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी, दक्षिण वायनाड वन प्रभाग, केरल के सम्मान किया गया है।

**Rotala dhaneshiana** Sunil, Ratheesh & Sivadasan, Phytotaxa 188 (4):227.2014. (LYTHRACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Wayanad Wildlife Sanctuary, Maragadha, Wayanad district, Kerala, India at 900m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH), and Herbarium of Tropical Botanical Garden & Research Institute, Trivendram (TBGT). The specific epithet is given in honour of Mr. P. Dhanesh Kumar, Divisional Forest Officer, South Wayanad Forest Division, Kerala.

**रोटाला सहयाद्रिका** एस. पी. गायकवाड़, सरदेसाई एवं एस. आर. यादव, नॉर्डिक ज. बॉट., 32:575.2014. (लायथ्रेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन महाराष्ट्र राज्य के सतारा जनपद के कास पठारी क्षेत्र से 900मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय डा० भीमराव अम्बेडकर, मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद (बीएएमयू), पादपालय पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पुणे (बीएसआई) एवं पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (एसयूके) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण पश्चिमी घाट की सहयाद्री पर्वतमाला के नाम पर आधारित है।

**Rotala sahyadrica** S. P. Gaikwad, Sardesai & S. R. Yadav., Nordic J. Bot., 32: 575. 2014. (LYTHRACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Kas plateau, Satara district of Maharashtra, India at 900m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium of Deptt. of Botany, Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada. University, Aurangabad (BAMU), Herbarium, Western Regional Centre, BSI, Pune (BSI) and Herbarium Dept of Botany, Shivaji University, Kolhapur (SUK). The specific epithet refers type locality in Sahyadri Mountains of Western Ghats.

**सोरोमैटम मेघालयेन्से** डी. के. रॉय, ए. डी. तालुकदार, बी. के. सिन्हा एवं एम. दत्ता चौधरी, नी-बायो 5(3):1.2014. (ऐरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन मेघालय राज्य साउथ गारो जनपद के हाटिसा प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्राप्ति राज्य मेघालय के नाम पर आधारित है।

**Sauromatum meghalayense** D.K. Roy, A.D. Talukdar, B.K. Sinha & M. Dutta Choudhury, NeBio 5(3): 1.2014. (ARACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Hatisia, South Garo Hills district of Meghalaya, India. The holotype is deposited in the Herbarium, Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named after the state of its occurrence.

**स्टोरोगायनी अंडमानिका** एम.वी. रमन, संजप्पा, वेणु एवं चोर्गे, क्यू बुलेटिन 69: 9506.1.2014. (एकेन्थेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के उत्तरी अंडमान द्वीप स्थित सैड्डल पीक राष्ट्रीय उद्यान, कालपोंग से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप डेक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद (बीएसआईडी) एवं अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण अंडमान द्वीप समूह के नाम पर आधारित है।



**Staurogyne andamanica** M. V. Ramana, Sanjappa, Venu & Chorghge, Kew bulletin 69: 9506. 1.2014. (ACANTHACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Saddle Peak National Park, Kalpong, North Andaman Island, Andaman & Nicobar, India. The holotype is deposited in Central National herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbaria of Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad (BSID) and Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The species is named after the Andaman Island.

**सिजाईजियम हुकेरी एम.वी. रमन, चोर्गे एवं वेणु, ब्लूमिया 59.42.2014. (मिर्सेसी)**

जामुन कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के अंडमान द्वीप स्थित सैडल पीक राष्ट्रीय उद्यान, कालीपुर से 586मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावडा (सीएएल) एवं समप्ररूप क्रमशः डेक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद (बीएसआईडी) एवं अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण सर जे. डी. हुकर के सम्मान में उनके द्वारा ब्रिटिश कालीन भारत का वनस्पतिजात पर दिये अमूल्य योगदान हेतु किया गया है।

**Syzygium hookeri** M. V. Ramana, Chorghe & Venu, Blumea 59, 42.2014. (MYRTACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Saddle Peak National Park, Kalipur, Andaman Island, Andaman & Nicobar, India at 586m altitude. The holotype is deposited in Central National herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad (BSID) and Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL) respectively. The species is named in honour of Sir J.D. Hooker for his great contribution to the flora of British India.

**सिजाईजियम मुन्नारेन्सिस शरीफ, रॉय एवं कृष्णाराज, ब्लूमिया 69:1.53.2014. (मिर्सेसी)**

जामुन कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के इदुक्की जनपद के वलारा से 370मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप ट्रॉपिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम



(टीबीजीटी) एवं समप्ररूप क्रमशः भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) तथा टीबीजीटीके पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति क्षेत्र के नाम पर किया गया है।

**Syzygium munnarensis** Shareef, Roy & Krishnaraj, Blumea 69: 1.53.2014. (MYRTACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Valara, Idukki district of Kerala India at 370m altitude. The holotype is deposited in Tropical Botanical Garden and Research Institute, Trivandrum, (TBGT) and isotypes are in Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and TBGT respectively. The species is named after the region from where it has been collected.

**सिजाईजियम सहयाद्रिकम** सुजानपाल, रोबी एवं शशीधरन, फायटोटैक्स 174(5):286.2014. (मिर्सेसी)

जामुन कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के इदुक्की जनपद से सायलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान, मुन्नार से 2100मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) तथा समप्ररूप केरल वन अनुसंधान संस्थान, श्रीसूर (केएफआरआई) एवं केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण पश्चिमी घाट की सहयाद्री पर्वतमाला के नाम पर आधारित है।

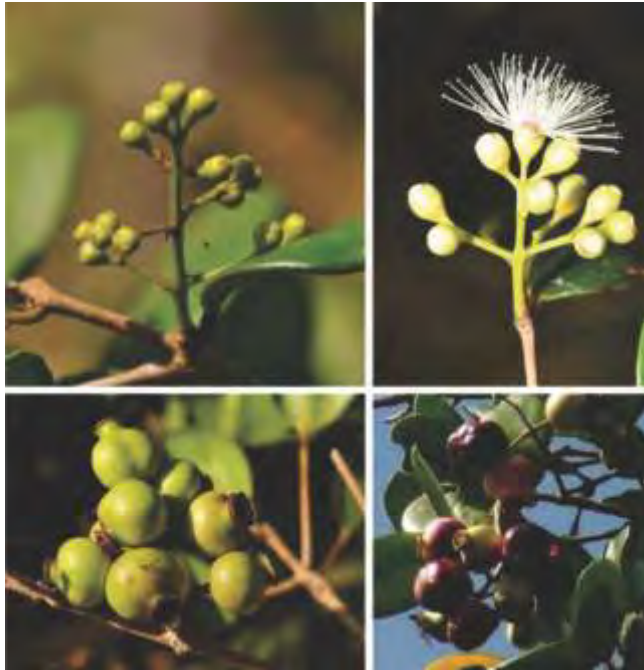


**Syzygium sahyadricum** Sujanpal, Robi & Sashidharan, Phytotaxa 174(5):286.2014. (MYRTACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Silent Valley National Park, Munnar, Idukki district of Kerala India at 2100m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in herbaria of Kerala Forest Research Institute, Thrissur (KFRI) and Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) respectively. The species is named after the Sahyadri Hills of western Ghats.

**सिजाईजियम संजप्पाईयाना** एम. वी. रम्मन्ना ब्लूमिया 59:45.2014. (मिर्सेसी)

जामुन कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के अंडमान द्वीप स्थित सैडडल पीक राष्ट्रीय उद्यान से 228मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद (बीएसआईडी) एवं अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पूर्व निदेशक डा. एम. संजप्पा के सम्मान में किया गया है।



**Syzygium sanjappaiana** M.V. Ramana, Blumea 59:45.2014. (MYRTACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Saddle Peak National Park, Andaman Island of Andaman & Nicobar, India at 228m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad (BSID) and Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL) respectively. The species is named in honour of Dr. M. Sanjappa, Former Director, Botanical Survey of India.



**थोटिया आदिचित्थोट्टीयाना** सुनील एवं नवीन कुमार, वेबिया : जरनल ऑफ प्लांट टैक्सोनॉमी एंड जियोग्राफी 69(2): 239. 2014. (एरिस्टोलोचिऐसी)

इश्वरी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के एर्नाकुलम जनपद के इडामालायार वन प्रभाग, आदिचित्थोट्टी से 758मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थान आदिचित्थोट्टी के नाम पर आधारित है।



**Thottea adichilthottiana** Sunil & Naveen Kumar, Webbia: J. Pl. Tax. & Geog. 69 (2):239.2014. (ARISTOLOCHIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Edamalayar Forest Range, Adichilthotty, Ernakulam district of Kerala, India at 758m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH). The species is named after the type locality Adichilthotty.

**थोटिया शशीधरानीयाना** रोबी, नार्डिक ज. बॉट. 31.001.2014. (एरिस्टोलोचिऐसी)

इश्वरी कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन केरल राज्य के कोझीकोड़े जनपद के काक्कायम से 750मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय (सीएएलआई) एवं केरल वन अनुसंधान संस्थान (केएफआरआई) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ एन शशीधरन के सम्मान में उनके द्वारा पादप वर्गीकी पर किये गये कार्यों के आधार पर किया गया है।

**Thottea sasidharaniana** Robi, Nordic J. Bot. 31: 001. 2014. (ARISTOLOCHIACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Kakkayam, Kozhikode district of Kerala, India at 750 altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and isotypes are in herbaria of Deptt. of Botany, Calicut University (CALI) and Kerala Forest Research Institute, (KFRI). The specific epithet of the new taxon is in honor of Dr N. Sasidharan, for his valuable contribution in plant taxonomy.

**टिनोस्पोरा मक्सूदियाना** मुजफ्फर, मोइनुद्दीन एवं मुस्ताकिम, इंडियन फोरेस्टर 140(5):528.2014. (मेनीस्पर्मैसी)

गिलोय कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन मध्य प्रदेश के खांडवा जनपद के बब्बनगॉव एवं तिरन्डाग गॉव से 318मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप रॉयल वनस्पति उद्यान, क्यू (के) एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पूणे (बीएसआई) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके संग्रहकर्ता शेख मक्सूद के नाम पर आधारित है।

**Tinospora maqsoodiana** Mujaffar, Moinuddin and Mustakim, Indian Forester 140(5):528.2014. (MENISPERMACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Babangaon and Tirandag village, Khandwa district of Madhya Pradesh, India at 318m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Royal Botanical Garden, Kew (K) and Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI) respectively. The species is named after its collector, Shaikh Maqsood.

**विग्ना कोन्कानेन्सिस** लता, के. वी. भट्ट, आई. एस. बिष्ट, स्कैरिया, जोसेफ जॉन एवं कृष्णाराज, वेब्बिया : जरनल ऑफ प्लांट टैक्सोनॉमी एंड जियोग्राफी 69(1): 49.2014. (फेबेसी)

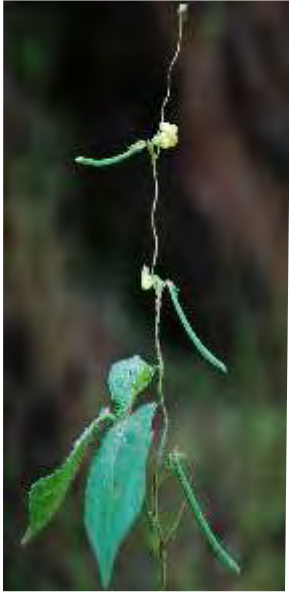
मटर कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन महाराष्ट्र राज्य के रत्नागिरी जनपद, पश्चिमी तट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप नेशनल हरबेरियम ऑफ कल्टीवेटेड प्लांट, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली (एनएचसीपी) एवं समप्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल), वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय (सीएएलआई), भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) एवं ट्रापिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम (टीबीजीटी) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण कोंकण क्षेत्र में इसकी प्राप्ति होने पर आधारित है।



**Vigna konkanensis** Latha, K.V. Bhat, I.S. Bisht, Scariah, Joseph John & Krishnaraj, Webbia: J. Pl. Tax. & Geog. 69 (1):49.2014. (FABACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from western coast of Ratnagiri district of Maharashtra, India. The holotype is deposited in the National Herbarium of Cultivated Plants, NBPGR, New Delhi (NHCP) and isotypes are in herbaria of Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), Deptt. of Botany, Calicut University (CALI), Southern Regional Centre, Coimbatore (MH) and Tropical Botanical Garden and Research Institute, Trivandrum (TBGT). The species is named after the region of its occurrence, Konkan.

**विग्ना यादवाई** एस. पी. गायकवाड़, आर. डी. गोर, एस. डी. रणदीव एवं के. यू. गरड़, बायोडाईवर्सिटी डाटा जरनल, 2.1.2014. (फेबेसी)



मटर कुल की इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन महाराष्ट्र राज्य के नासिक जनपद के पश्चिमी घाट स्थित कसाराघाट निकट लघाटपुरी से 365मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पूणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्रो. एस. आर. यादव, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के सम्मान में उनके द्वारा पश्चिमी घाट की पादप वर्गिकी पर दिये गये योगदान पर आधारित है।

**Vigna yadavii** S.P. Gaikwad, R.D. Gore, S.D. Randive & K.U. Garad, Biodiversity Data Journal, 2.1. 2014. (FABACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from Kasara Ghat near Lgatpuri, Western Ghats, Nasik district of Maharashtra, India at 365m. altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), and isotypes are in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species is named in honor of Prof. S.R. Yadav, Department of Botany, Shivaji University Kolhapur, in recognition of his valuable contribution to taxonomy of flowering plants of Western Ghats of India.

**जिन्जीबर फेरिमाएन्से** बिश्वेश्वरी एवं बिपिन, फायटोटैक्स 178(3):221.2014. (जिंजिबेरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण तथा वर्णन नागालैंड राज्य के दिमापुर जनपद के फेरिमा ग्राम के निकट वन क्षेत्र से 870मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएम) एवं समप्ररूप पादपालय इंस्टीट्यूट ऑफ बायोरिसोर्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, इंफाल (आईबीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थल फेरिमा ग्राम के नाम पर आधारित है।

**Zingiber pherimaense** Biseshwori & Bipin, Phytotaxa 178 (3):221.2014. (ZINGIBERACEAE)

This new species has been discovered and described based on collections made from forest nearby Pherima village, Dimapur district of Nagaland India at 870m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM) and isotypes are in Herbarium Institute of Bioresources and Sustainable Development, Imphal (IBSD). The species is named after the type locality Pherima.

**एमारेन्थस ट्राइकलर** लि. प्रभेद **एक्यूटूस** एस. दास, फायटोटैक्सा 88(2):27.2014. (एमारेन्थेसी)

चौलाई कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन पश्चिम बंगाल राज्य के उत्तर 24 परगना जनपद के साल्ट लेक, ई. एम. बाईपास के किनारे से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके दलपुंज, परिदलपुंज, टेपल्स की विशेष नुकीली संरचना पर आधारित है।

**Amaranthus tricolor** L. var. **acutus** S. Das, Phytotaxa 88 (2):27.2013. (AMARANTHACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made from Salt Lake on EM Bypass, 24-Parganas (North) district of West Bengal, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The varietal epithet is refers to the acute apex of the bracts, bracteoles and tepals.

**एमारेन्थस क्रूएन्टस** लि. प्रभेद **एल्बस** एस. दास, नार्डिक ज. बॉट., 30:7 ईवी. 2012. (एमारेन्थेसी)

चौलाई कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन हिमाचल प्रदेश के शिमला जनपद स्थित फागली, एनबीपीजीआर क्षेत्रीय केंद्र के निकट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके बीजावरण के सफेद से लेकर स्लेटी सफेद रंग के पर आधारित है।

**Amaranthus cruentus** L. var. **albus** S. Das, Nordic J. Bot., 30:7EV.2012. (AMARANTHACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made Phagli, Regional Station, NBPGR, Shimla district of Himanchal Pradesh, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium] Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The varietal epithet is refers to white to greyish white colour of the seed coat.

**बैम्बूसा टुलडा** रॉक्स. प्रभेद **गैम्बलेई** पी. कुमारी एवं पी. सिंह, बैम्बूस ऑफ मेघालय 58.2014. (पोएसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन मेघालय राज्य के नोकरेक के समीप, गारो पहाड़ी से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। प्रभेद का नामकरण प्रसिद्ध वनस्पतिज्ञ जे. एस. गैम्बल के सम्मान में किया गया है।

**Bambusa tulda** Roxb. var. **gamblei** P. Kumari & P. Singh, Bamboos of Meghalaya 58.2014. (POACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made near Nokrek, Garo hills of Meghalaya, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The varietal epithet is given in honour of the Botanist J.S. Gamble.

**मूसा ओरिन्टिका** बेकर प्रभेद **होमेनबोरगोहेनियाना** गोगोई, नार्डिक ज. बॉट., 32:701.2014. (मूसेसी)

केला कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट सियांग जनपद में कायेंग-टाटो से 10 कि.मी. आगे से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) एवं अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस नवीन प्रभेद का नामकरण प्रसिद्ध असमी भाषा के लेखक होमेन बोरगोहेन के सम्मान में किया गया है।

**Musa aurantiaca** Baker var. **homenborgohainiana** Gogoi, Nordic J. Bot., 32: 702.2014. (MUSACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made 10 km before of Kayeng to Tato, West Siang district of Arunachal Pradesh, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM) and Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). This new variety is named after the Assamese writer Homen Borgohain.

**मूसा ओरिन्टिका** बेकर प्रभेद **जेनगिन्गेन्सिस** गोगोई, नार्डिक ज. बॉट., 32:702.2014. (मूसेसी)



केला कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जनपद में जेनगिंग से कारको के मध्य से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) एवं अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस नवीन प्रभेद का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थान जेनगिंग पर आधारित है।

**Musa aurantiaca** Baker var. **jengingensis** Gogoi, Nordic J. Bot., 32: 702.2014. (MUSACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made in between Jenging to Karko, Upper Siang district of Arunachal Pradesh, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Eastern regional Centre, Shillong (ASSAM) and Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). This new variety is named after its type locality, Jenging in the Upper Siang district, Arunachal Pradesh, India.

**मूसा बालबिसियाना** कोल्ला प्रभेद **इलावाझाई** ए. जोए, श्रीजीत एवं एम. साबू, फायटोटैक्सा 175 (2):113.2014. (मूसेसी)



केला कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन कालीकट विश्वविद्यालय के वनस्पति उद्यान, मल्लापुरम् जनपद, केरल से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) एवं समप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) में संग्रहित किया गया है। इस नवीन प्रभेद का नामकरण मलयालम भाषा में इसके स्थानीय नाम 'इलावाझा' पर आधारित है।

**Musa balbisiana** Colla var. **elavazhai** A.Joe, Sreejith & M.Sabu, Phytotaxa 175(2):113.2014. (MUSACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made from Calicut University Botanical Garden (cultivated), Mallapuram district of Kerala, India. The holotype is deposited in the Deptt. of Botany, Calicut Univeristy, Calicut (CALI) and isotypes are in Herbarium of Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH). The varietal epithet based on its common name 'elavazha' in Malayalam language.



**मूसा मन्नाई** बेकर प्रभेद **नमडांगेन्सिस** गोगोई एवं बोराह, ताईवानिया 59(2):94.2014. (मूसेसी)

केला कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जनपद में नामडांग, चांगलांग चुंगी के निकट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) एवं अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस नवीन प्रभेद का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थान नामडांग पर आधारित है।

**Musa mannii** Baker var. **namdangensis** Gogoi & Borah, Taiwania 59(2): 94. 2014. (MUSACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made from Namdang just near the check gate Changlang district of Arunachal Pradesh, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM) and Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). The variety is named after its type locality, Namdang.

**मूसा वेलुटाइना** प्रभेद **वेरिगाटा** ए. जोए. एम. साबू एवं श्रीजीथ, प्लांट सिस्ट. इवोल. 300:13.2014. (मूसेसी)

केला कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन असम राज्य के तिनसुकिया जनपद से माकुम मार्ग, थर्मल गेट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) में संग्रहित किया गया है। इस नवीन प्रभेद का नामकरण इसके बहुरंगी दलपुंज पर आधारित है।

**Musa velutina** var. **variegata** A. Joe, M. Sabu & Sreejith, Plant Syst. Evol. 300:13.2014. (MUSACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made from makum road, Thermal Gate, Tinsukia district of Assam, India at 146m. altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium of Deptt. of Botany, Calicut University, Calicut (CALI). The varietal epithet variegata derived from its variegated bracts.

**निम्फिया मणिपुरेन्सिस** प्रभेद **वर्सिकोलर** आशारानी एवं विसेश्वरी, फायटोटैक्सा 188(2): 113.2014. (निम्फियेसी)

जल कुमुदनी कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन मणिपुर राज्य के यरालपट, इम्फाल ईस्ट जनपद से 779मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, इंस्टीट्यूट ऑफ बायोरिसोर्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, इम्फाल में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण बाह्यदल के ऊपर चकतेदार रंग होने के आधार पर किया गया है।

**Nymphaea manipurensis** var. **versicolor** Asharani & Biseshwori, Phytotaxa 188(2): 113. 2014. (NYMPHAEACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made from Yaralpat, Imphal East district, Manipur, India at 779m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium of Institute of Bioresources and Sustainable Development, Imphal. The variety is named after the streaks on the outer surface of the sepal.

**फानेरा ग्लाउका** बेंथ. उपजाति **टेन्यूफ्लोरा** (वॉट एक्स सी. बी. क्लार्क) ए शुमीट्ज प्रभेद **गांधीयाना** गगोई एवं बंधोपाध्याय. ज. बॉट. रिसर्च. इंसि. टेक्सा. 8(1):71.2014. (फेबेसी : सिजलपिनोएडी)

सोयाबीन कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन अरुणाचल प्रदेश के अंजावो जनपद के चांगवंती एवं वालोंग के मध्य से 800मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) एवं पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण डॉ. के. एन. गाँधी के सम्मान में उनके द्वारा पादप वर्गीकी पर दिये गये योगदान के आधार पर किया गया है।

**Phanera glauca** Benth. subsp. **tenuiflora** (Watt ex C.B. Clarke) A. Schmitz var. **gandhiana** Gogoi & Bandyop., J. Bot. Res. Inst. Texas 8(1): 71. 2014. (FABACEAE : CEASALPINOIDAE)



This new variety has been discovered and described based on collections made in between Changwanti and Walong, Anjaw district of Arunachal Pradesh, India at 800m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in herbaria of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre (ARUN) and Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The variety has been named to honor Dr. K.N. Gandhi for his valuable contribution in the field of plant nomenclature.

**फानेरा ग्लाउका** बेंथ. उपजाति **टेन्यूफ्लोरा** प्रभेद **मुरलेनन्सिस** राम कुमार, बंधोपा. एवं एस शर्मा, फायटोटैक्सा 166 (2):155. 2014. (फेबेसी)

मटर कुल के इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन मिजोरम राज्य में स्थित मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन में वापर एवं नगुर के बीच से 1400मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान के नाम पर आधारित है।



**Phanera glauca** Benth. subsp. **tenuiflora** var. **murlenensis** Ram. Kumar, Bandyop. et S.Sharma, Phytotaxa 166(2):155.2014. (FABACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made from the buffer region of Murlen National Park, between Vapar and Nagur of Mizoram, India at 1400m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The variety has been named after the Murlen National Park.

**राइविना हूमिलिस** लि. प्रभेद **ब्रैक्टीएटा** डी. मैती, सोनिया मित्रा, मानसी मंडल एवं मैती, रिहिडया 24(2):103.2014. (फाइटोलोकैक्सी)



इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण तथा वर्णन पश्चिम बंगाल राज्य के कोलकाता से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता (सीयूएच) एवं समप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके सहपत्रों की विशेष संरचना पर आधारित है।

**Rivina humilis** L. var. **bracteata** D. Maity, Sonia Mitra, Manasi Mandal et Maiti, Rheedia 24(2): 103.2014. (PHYTOLACCACEAE)

This new variety has been discovered and described based on collections made from the Kolkata, West Bengal, India. The holotype is deposited in the Calcutta University Herbarium, Kolkata (CUH) and isotypes are in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The varietal epithet is refers to its prominent bract.

**नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS****एकरेन्थस डियान्द्रा रॉक्सब. (एमारन्थेसी)**

पूर्वतः श्रीलंका से ज्ञात इस शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार चांडल, मिलोन पर्वत श्रृंखला मणिपुर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, फाउन्डेशन फॉर रिवाइटलाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ एंड ट्राडिशन (एफआरएलएच), बंगलुरु में संग्रहित किया गया है। इसे बालचंद्रन एन. एवं के. रविकुमार के द्वारा रिहिडिया 24(2):124. 2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Achyranthes diandra* Roxb. (AMARANTHACEAE)**

This herbaceous species earlier known from Sri Lanka has been reported for the first time from India based on the collection made from Chandal, Meilon Hill range of Manipur. The specimen is deposited in the Herbarium, Foundation for Revitalisation of Local Health and Traditions (FRLH), Bangalore. It has been published by Balachandran N. and K. Ravikumar in Rheedea 24(2): 124.2014.

**एक्रोट्रिमा कोस्टेटम जैक. (डिल्लीनिऐसी)**

पूर्वतः म्यांमार के प्रायद्वीपीय सियाम एवं मलय प्रायद्वीप से ज्ञात इस क्षुप जाति का पता भारत में प्रथम बार कांबा से एलोग के मध्य, वेस्ट सिंयांग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे. 37(4):414.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Acrotrema costatum* Jack.(DILLENIACEAE)**

This perennial shrub species earlier known from Peninsular Siam and Malaya Peninsula of Myanmar has been reported for the first time from India based on the collection made from Kamba to Along, West Siang district of Arunachal Pradesh at 350m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For. 37(4): 414.2014.

**एडोनिंस डाविडाई फ्रैन्चेट (रेनुनकुलेसी)**

पूर्वतः भूटान एवं चीन से ज्ञात इस अर्द्धशाक जाति का पता भारत में प्रथम बार लमांग शिविर, वेस्ट सिंयांग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से 3000मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे. 37(4):413.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Adonis davidii* Franchet (RANUNCULACEAE)**

This perennial herb species earlier known from Buhutan and China has been reported for the first time from India based on the collection made from Lamang Camp, West Siang district of Arunachal Pradesh at 3000m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For. 37(4):413.2014.

### एरिसेमा बन्नाऐन्स एच. ली (ऐरेसी)

पूर्वतः चीन एवं यूनान से ज्ञात इस सदाबहार जाति का पता भारत में प्रथम बार सेसा, सेना शिविर के पीछे, वेस्ट कामेंग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से 1200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे राजीव गगोई,



ब्लादीमीर बाजुर थियोडोरे थाम एवं आशिहो अशोसी माओ के द्वारा ज. जैपन. बॉट. 89:18.2014 में प्रकाशित किया गया है।

#### *Arisaema bannaense* H. Li (ARACEAE)

This evergreen species earlier known from China, Yunnan has been reported for the first time from India based on the collection made from Sessa, behind Military Base, West Kameng district of Arunachal Pradesh at 1200m. altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by Rajib gogoi, Bladimir Bajur Theodore Tham and Ashiho Asosii Mao in J. Jp. Bot., 89:18.2014.

### एरिसेमा लिंग्यूऐन्स एच. ली (ऐरेसी)

पूर्वतः चीन एवं म्यांमार से ज्ञात इस सदाबहार जाति का पता भारत में प्रथम बार जुको घाटी, मणिपुर एवं नागालैंड सीमा पर 2450 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इसे राजीव गगोई, ब्लादीमीर बाजुर थियोडोरे थाम एवं



आशिहो अशोसी माओ के द्वारा ज. जैपन. बॉट. 89:18.2014 में प्रकाशित किया गया है।

#### *Arisaema lingyunense* H. Li (ARACEAE)

This evergreen species earlier known from China and Myanmar has been reported for the first time from India based on the collection made from Dzukou Valley, at border of Manipur and Nagaland at 2450m. altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by Rajib Gogoi, Bladimir Bajur Theodore Tham & Ashiho Asosii Mao in J. Jp. Bot. 89:18.2014.

### बुल्बोफायलम डिक्सोनाई सेन्डेनफ. (आर्किडेसी)

पूर्वतः बर्मा से ज्ञात इस अधिपादपीय शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार चांडेल जनपद, चाकपिकारोंग, मणिपुर से 1434 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, सेन्टर फॉर आर्किड जीन कन्जरवेशन इस्टर्न हिमालया रिजन, हेंगबुंग में संग्रहित किया गया है। इसे के. चौलू एवं अन्य के द्वारा क्यू बुलेटिन 69:9495.1.2014 में प्रकाशित किया गया है।



#### *Bulbophyllum dicksonii* Seidenf. (ORCHIDACEAE)

This epiphytic herb species earlier known from Burma has been reported for the first time from India based on the collection made from Chandel district, Chakpikarong, Manipur at 1434m. altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of Centre for Orchid gene Conservation Eastern himalaya Region, Hengbung. It has been published by K. Chowlu & al. in Kew Bulletin 69:9495.1.2014.

**सेन्ट्रेथेरम पंकटेटम कैस. उपजाति पंकटेटम क्रिकमैन (एस्टरेसी)**

पूर्वतः बर्मा से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार बोगमाती, बरनाडी वन्यजीव अभयारण्य, उदालगुरी जनपद, असम से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इसे एस. आर. तालुकदार एवं छाया देवरी के द्वारा नी-बायो 5(1):22.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Centratherum punctatum** Cass. subsp. **punctatum** Kirkman (ASTERACEAE)

This species earlier known from South Central America and West Indies has been reported for the first time from India based on the collection made from Bogamati, Barnadi wildlife Sanctuary, Udalguri district of Assam. The specimen is deposited in the Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by S. R. Talukdar and Chaya Deori in NeBio 5(1):22.2014.

**कोडोनोप्सीस ट्यूबुलोसा कोम. (कम्पानुलेसी)**

पूर्वतः चीन एवं म्यांमार से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मणिपुर एवं नागालैंड सीमा पर डज्कोउ घाटी से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इसे ए. ए. माओ एवं एच. ए. बरभुईया के द्वारा नीलुम्बो 56.234.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Codonopsis tubulosa** Kom. (CAMPANULACEAE)

This species earlier known from China and Myanmar has been reported for the first time from India based on the collection made from Dzukou valley, Manipur and Nagaland border, India at 2200m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by A.A. Mao and H.A. Barbhuiya in Nelumbo 56.234.2014.

**कोटोनेस्टर चेंगकांगेन्सिस टी. टी. यू (रोजेसी)**

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस क्षुप जाति का पता भारत में प्रथम बार मेचुका, वेस्ट सियांग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से 1850मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे., 37(4):415.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Cotoneaster chengkangensis** T.T. Yu (ROSACEAE)

This shrubby species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Mechukha, West Siang district of Arunachal Pradesh at 1850m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For. 37(4): 415.2014.

**डेन्ड्रोबियम क्राटेन्से केर (आर्किडेसी)**



पूर्वतः थाईलैंड से ज्ञात इस अधिपादपीय जाति का पता भारत में प्रथम बार कौशल्यानगर, मध्य अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, श्रीकृष्णदेवरैया विश्वविद्यालय, अनंतपुर (एसकेयू) में संग्रहित किया गया है। इसे के. प्रसाद, एम. भीमालिंगप्पा एवं बी. रवि प्रसाद राव के द्वारा रिडिया 24(2):131.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Dendrobium kratense** Kerr (ORCHIDACEAE)

This epiphytic herb species earlier known from Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Kousalyanagar, Middle Andamans, Andman & Nicobar Island. The specimen is deposited in the Herbarium of Department of Botany, Sri Krishnadevaraya University, Anantapur (SKU). It has been published by K. Prasad, M. Bheemalingappa and B. Ravi Prasad Rao in Rheedea 24(2):131.2014.

**डेन्ड्रोपथोए ग्लाब्रेसेन्स (ब्लाकली) बारलो (लोरेन्थासी)**



पूर्वतः आस्ट्रेलिया, मलेशिया, सुंडा द्वीप एवं पापुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस परपोषी क्षुप जाति का पता भारत में प्रथम बार वी.वेट अतिथिगृह, हट खाड़ी, लिटिल अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से 25मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे लाल जी सिंह एवं सी. मुरुगन के द्वारा जियोफाइटोलॉजी 43(1):41.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Dendrophthoe glabrescence** (Blakely) Barlow (LORANTHACEAE)

This hemi parasitic shrub earlier known from Australia, Malesia, Sunda Island and Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on the collection made from V Vet Guest House, Hut Bay Little Andaman at altitude of about 25m altitude. The specimens are examined and deposited in the Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by Lal Ji Singh and C. Murugan in Geophytology 43(1):41.2014.

**डेन्समोडियम इन्टोरटम (मिल्ल.) उर्ब (फेबेसी)**



पूर्वतः संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, ब्राजील, कोलंबिया एवं पोर्टो रिको से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार छिन्नाकैलान, इडुक्की जनपद, केरल से 1250मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) में संग्रहित किया गया है। इसे ए. पी. बालन एवं अन्य के द्वारा रिडिया 24(2):113.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Desmodium intortum** (Mill.) Urb (FABACEAE)

This species earlier known from United States of America, Brazil, Colombia and Puerto Rico has been reported for the first time from India based on the collection made from, Chinnakkal, Idukki district of Kerala at 1250m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH). It has been published by A.P. Balan & al., in Rheedea 24(2):113.2014.



**डिस्पोरम लोंगीस्टायलम** (एच. लेवेलाई एवं वैनोट) एच. हारा (उवुलेरिऐसी)



पूर्वतः चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार माव फलांग, ईस्ट खासी हिल्स, मेघालय से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, फाउन्डेशन फॉर रिवाइटलाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ एंड ट्राडिशन (एफआरएलएच), बंगलुरु में संग्रहित किया गया है। इसे बालचंद्रन एन. एवं के. रविकुमार के द्वारा रिहिड्या 24(2):125.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Disporum longistylum** (H. Léveillé & Vaniot) H. Hara (UVULARIACEAE)

This species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Maw Phlang, East Khasi Hills of Meghalaya. The specimen is deposited in the Herbarium, Foundation for Revitalisation of Local Health and Traditions (FRLH), Bangalore. It has been published by Balachandran N. and K. Ravikumar in Rheedea 24(2): 125.2014.

**यूफोर्बिया इसुला लि.** (यूफोर्बिऐसी)



पूर्वतः यूरोप, साइबेरिया एवं चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कश्मीर हिमालय, जम्मू एवं कश्मीर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय (केएएसएच) में संग्रहित किया गया है। इसे गुरुचरण सिंह एवं अन्य के द्वारा फायटोडायवर्सिटी 1(1एवं2). 2.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Euphorbia esula** L., (EUPHORBIACEAE)

This species earlier known from Europe, Siberia and China has been reported for the first time from India based on the collection made from Kashmir Himalaya, Jammu & Kashmir. The specimen is deposited in the Herbarium, Deptt. of Botany, Kashmir University, Srinagar (KASH). It has been published by Gurucharan Singh & al., in Phytodiversity 1(1&2):2.2014.

**फाइकस जियोकार्पा तेजेस्म. एक्स मिक.,(मोरेसी)**

पूर्वतः मलेशिया से ज्ञात इस वृक्ष जाति का पता भारत में प्रथम बार दोईमुख, पापुमपारे जनपद अरुणाचल प्रदेश से 200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे आर. बुरागोहेन एवं अन्य के द्वारा रिडिया 24(2).110.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Ficus geocarpa** Teijsm.ex Miq., (MORACEAE)



This tree species earlier known from Malesia has been reported for the first time from India based on the collection made from Doimukh, Papumpare district of Arunachal Pradesh at 200m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Deptt. of Botany, Kashmir University, Srinagar (KASH). It has been published by R. Buragohain & al., in Rheedea 24(2).110.2014.

**हायपरिकम पिटियोलाटम** उपजाति **यूनानेन्स** (फ्रांच.) एन. रॉबसन (हायपेरीकेसी)

पूर्वतः चीन एवं वियतनाम से ज्ञात इसजाति का पता भारत में प्रथम बार मानीगोंग, वेस्ट सिंयांग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से 1600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे., 37(4):414.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Hypericum petiolatum** subsp. **yunnanense** (Franch.) N. Robson (HYPERICACEAE)

This species earlier known from China & Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from Manigong, West Siang district of Arunachal Pradesh at 1600m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For., 37(4):414.2014.

**आइपोमिया तेन्युईपस** वेर्डक. (कोन्वोवुलेसी)

पूर्वतः बोट्सवाना, मोजाबिक्यू, जाम्बिया एवं जिम्बाब्वे से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पाइथान, औरंगाबाद जनपद महाराष्ट्र से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, द न्यू कालेज, कोल्हापुर में संग्रहित किया गया है। इसे विनोद बी. सिम्पाले के द्वारा रिडिया 24(2):117.2014 में प्रकाशित किया गया है।



**Ipomoea tenuipes** Verdc. (CONVOLVULACEAE)

This species earlier known from Botswana, Mozambique, Zambia, Zimbabwe has been reported for the first time from India based on the collection made from Paithan Aurangabad district of Maharashtra. The specimen is deposited in the Herbarium, Department of Botany, The New College, Kolhapur. It has been published by Vinod B. Shimpale & all in Rheedea 24(2):117.2014.

**कोब्रेसिया कनाई** राजभ. एवं एच. ओहबा (सायपरेसी)

पूर्वतः नेपाल से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कुपूप, ईस्ट सिक्किम जनपद, सिक्किम से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे बिकास जाना एवं आर. सी. श्रीवास्तव के द्वारा इंडियन जरनल ऑफ प्लांट साइंसेज 3(2): 104.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Kobresia kanaii** Rajbh. & H. Ohba (CYPERACEAE)

This species earlier known from Nepal has been reported for the first time from India based on the collection made from Kupup, East Sikkim district of Sikkim. The specimen is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Bikash Jana and R.C. Srivastava in Indian Journal of Plant Sciences 3 (2):104.2014.

**लेप्टोमिश्कस प्रिमूलॉयडिस** ड्रेक (रुबिऐसी)

पूर्वतः चीन, म्यांमार एवं वियतनाम से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार टाटो, वेस्ट सिंयांग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से 1200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे., 37(4):416.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Leptomischus primuloides** Drake (RUBIACEAE)

This species earlier known from China, Myanmar and Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from near Tato, West Siang district of Arunachal Pradesh at 1200m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For., 37(4):416.2014.



**लिन्डर्निया डुबिया (लि.) पेन्नेल (लिन्डरनिऐसी)**

पूर्वतः अर्जेन्टिना, बेलिज, बोलिविया, ब्राजील, कनाडा, चीली, कोलम्बिया, क्यूबा, डोमेनिकन रिपब्लिक, इक्वेडर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, मैक्सीको, निकारागुआ, पनामा, पैराग्वे, पेरू, पूरटो रिको, यू.एस.ए. एवं वेनेजुएला से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कारापारा, नेल्लियामपाथी, पालघाट जनपद, केरल से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) में संग्रहित किया गया है। इसे मंगावयाल गोविंदन प्रसाद एवं पुराईदथकांडी सुनोजकुमार के द्वारा फायटोटैक्सा 187(4):166.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Lindernia dubia (L.) Pennell (LINDERNIACEAE)**

This species earlier known from Argentina, Belize, Bolivia, Brazil, Canada, Chile, Colombia, Cuba, Dominican Republic, Ecuador, Guatemala, Honduras, Mexico, Nicaragua, Panama, Paraguay, Peru, Puerto Rico, U.S.A. and Venezuela has been reported for the first time from India based on the collection made from Karappara Nellyampathi, Palghat District of Kerala. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore (MH). It has been published by Mangavayal Govindan Prasad & Purayidathkandy Sunojkumar in Phytotaxa 187(4):166.2014.

**मैक्रोसोलेन मेलिंटान्गोन्सिस (कोर्थ.) मिक्.(लोरेन्थेसी)**

पूर्वतः प्रायद्वीपीय मलेशिया, कम्बोडिया, सुमात्रा, बोर्नियो, जावा, केलेबस, थाईलैंड एवं फिलिपिंस से ज्ञात इस काष्ठीय शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार धानिकारी, दक्षिण अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे लाल जी सिंह के द्वारा रिडिया 23(2):110.2013 में प्रकाशित किया गया है।

**Macrosolen melintangensis (Korth.) Miq. (LORANTHACEAE)**

This woody herb earlier known from Peninsular Malaysia to Cambodia, Sumatra, Borneo, Java, Celebes, Thailand and Philippines has been reported for the first time from India based on the collection made from Dhanikari, South Andaman, Andaman & Nicobar Island. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by Lal Ji Singh in Rheedia 23(2): 110.2013.

**मेजस सैल्सियोडिस हैंड.-मैज. (सक्रोफुलेरिऐसी)**

पूर्वतः चीन से ज्ञात इसजाति का पता भारत में प्रथम बार टाटो से मेछुका के मध्य, वेस्ट सिंयांग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से 1600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे., 37(4):417.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Mazus celsiodes Hand.-Mazz. (SCROPHULARIACEAE)**

This species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Tato to Mechukha, West Siang district of Arunachal Pradesh at 1600m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For., 37(4):417.2014.

**मिलियूसा एम्पलेक्सीकॉलिस रिडिल. (एन्नोनेसी)**

पूर्वतः थाईलैंड एवं मलेशिया प्रायद्वीप से ज्ञात इस लघु वृक्ष जाति का पता भारत में प्रथम बार लाफुल, ग्रेट निकोबार द्वीप, अंडमान एवं निकोबार से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे एस. प्रभु एवं सी. मुरुगन के द्वारा इंडी. ज. फारे 36(4):516.2013 में प्रकाशित किया गया है।

**Milusa amplexicaulis Ridl. (ANNONACEAE)**

This small tree species earlier known from Thailand & Peninsular Malaysia has been reported for the first time from India based on the collection made from Laful, Great Nicobar Island, Andaman & Nicobar. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by S. Prabhu & C. Murugan in Indian J. For. 36(4): 516.2013.

**ओरेऑरकिस पैटेन्स लिन्डले (आर्किडसी)**



पूर्वतः रूस, दक्षिण कोरिया, चीन एवं ताईवान से ज्ञात इस शाकीय जाति का पता भारत में प्रथम बार त्रियुगीनारायण, रुद्रप्रयाग जनपद, उत्तराखंड से 2200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे दिनेश के. अग्रवाल, एच. जे. चौधरी एवं विकास कुमार के द्वारा रिचर्डियाना 268.2013 में प्रकाशित किया गया है।

**Oreorchis patens** Lindley (ORCHIDACEAE)

This herbaceous species earlier known from Russia, South Korea, Japan, China and Taiwan has been reported for the first time from India based on the collection made from Triyuginarayan, Rudraprayag district of Uttarakhand at 2200m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). It has been published by Dinesh K. Agarwala, H.J. Chowdhery and Vikas Kumar in Richardiana 268.2013.

**ओरमोसिया पिन्नाटा (लौर) मेर (फेबेसी)**

पूर्वतः चीन, थाईलैंड एवं वियतनाम से ज्ञात इस वृक्ष जाति का पता भारत में प्रथम बार फुलेरताल वन क्षेत्र, काचर, असम से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसे दुर्गेश वर्मा एवं दिलीप कुमार रॉय के द्वारा रिडिया 24(2): 128.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Ormosia pinnata** (Lour.) Merr., (FABACEAE)

This tree species earlier known from China, Thailand and Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from Phulertal forest, Cacher of Assam. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by Durgesh Verma and Dilip Kumar Roy in Rheedea 24(2): 128.2014.

**पोगोनिया जैपोनिका रिश्ब. (आर्किडसी)**

पूर्वतः चीन, जापान एवं कोरिया से ज्ञात इस वार्षिक शाकीय जाति का पता भारत में प्रथम बार मेछुका, वेस्ट सियांग जनपद अरुणाचल प्रदेश से 1850मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे. 37(3): 302.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Pogonia japonica** Rchb. (ORCHIDACEAE)

This annual herbaceous species earlier known from China, Japan and Korea has been reported for the first time from India based on the collection made from Mechukha, West Siang district of Arunachal Pradesh at 1850m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For. 37(3): 302.2014.

**टेरेनोपिटेलम ग्रैसिल्लिमम (एच. वॉल्फ) हैन्ड-मैज. (एपीऐसी)**

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार लमांग, लोल्ला दर्रे, वेस्ट सियांग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से 3700मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे., 37(4):416.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Pternopetalum gracillimum** (H. Wolff) Hand-Mazz. (APIACEAE)

This species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Lamang-Lolla Pass, West Siang district of Arunachal Pradesh at 3700m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For., 37(4):416.2014.

**टेरिजिएल्ला बार्तीश्चीयोडिस** हैन्ड.-मैज. (आर्किडेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस वार्षिक शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार मोबो पहाड़ी के शिखर से टाटो के निकट, वेस्ट सियांग जनपद अरुणाचल प्रदेश से 3600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे. 37(3): 299.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Pterygiella bartschioides** Hand—Mazz. (ORCHIDACEAE)

This annual herb species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Mobo Mountain top near Tato, West Siang district of Arunachal Pradesh at 3600m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For. 37(3): 299.2014.

**साइसैन्ड्रा इनकारनेटा** स्टैफ. (सिशेन्ड्रेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस बहुवर्षीय काष्ठीय आरोही जाति का पता भारत में प्रथम बार नाईंग से डेटुंग शिविर, मानीगोंग, वेस्ट सियांग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से 3600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे. 37(4): 414.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Schisandra incarnata** Stapf. (SCHISANDRACEAE)

This perennial woody climber earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Nying to Detung Camp, Manigong, West Siang district of Arunachal Pradesh at 3600m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For., 37(4):414.2014.

**स्माईलैक्स डेविडियाना** ए. डीसी (स्माईलाकेसी)

पूर्वतः चीन एवं जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार माव फलांग, ईस्ट खासी हिल्स, मेघालय से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, फाउन्डेशन फॉर रिवाइटलाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ एंड ट्राडिशन (एफआरएलएच), बंगलुरु में संग्रहित किया गया है। इसे बालचंद्रन एन. एवं के. रविकुमार के द्वारा रिहिडिया 24(2):126. 2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Smilax davidiana** A.DC (SMILACACEAE)

This herb species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Maw Phlang, East Khasi Hills of Meghalaya. The specimen is deposited in the Herbarium, Foundation for Revitalisation of Local Health and Traditions (FRLH), Bangalore. It has been published by Balachandran N. and K. Ravikumar in Rheedea 24(2): 126.2014.

**स्माईलैक्स ओर्कीएटा** ए. डीसी., (स्माईलाकेसी)

पूर्वतः चीन, भूटान, नेपाल, म्यांमार, बांग्लादेश एवं वियतनाम से ज्ञात इस क्षुप जाति का पता भारत में प्रथम बार हैन्गुम, नार्थ काचर हिल्स, असम से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी (जीयूबीएच) में संग्रहित किया गया है। इसे एस. बरूवा एवं एस. के. बोरठाकुर के द्वारा ज. इकोन. टैक्सॉन. बॉट. 38(2): 228.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Smilax ocreata** A. DC., (SMILACACEAE)

This shrub species earlier known from China, Bhutan, Nepal, Myanmar, Bangladesh and Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from Hangrum, North Cacher Hills of Assam. The specimen is deposited in the Herbarium of Botany department, Gauhati University, Guwahati (GUBH). It has been published by S. Baruah and S. K. Borthakur in J. Econ. Taxon. Bot. 38(2):228.2014.

**स्माईलैक्स जिलेनिका लि. (स्माईलाकेसी)**

पूर्वतः म्यांमार से ज्ञात इस आरोही क्षुप जाति का पता भारत में प्रथम बार लिखाबली, धीमाजी जनपद, असम से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी (जीयूबीएच) में संग्रहित किया गया है। इसे एस. बरुवा एवं एस. के. बोरठाकुर के द्वारा ज. इकोन. टैक्सॉन. बॉट. 38(2): 228.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Smilax zeylanica L., (SMILACACEAE)**

This climbing species earlier known from Myanmar has been reported for the first time from India based on the collection made from Likhali, Dhemaji district of Assam. The specimen is deposited in the Herbarium of Botany department, Gauhati University, Guwahati (GUBH). It has been published by S. Baruah and S. K. Borthakur in J. Econ. Taxon. Bot. 38(2):228.2014.

**सोलिडागो दाहुरीका (किताग.) किताग. एक्स जूज. (एस्ट्रेसी)**

पूर्वतः चीन, कजाकिस्तान, क्रिगीस्तान, नेपाल, रूस एवं उजबेकिस्तान से ज्ञात इस बहुवर्षीय शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार चितकुल, किन्नौर, हिमाचल प्रदेश से 3430 मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इसे प्रशांत के. पुसालकर, डी. के. सिंह एवं एस. के. श्रीवास्तव के द्वारा एन्नलस. फॉरे. 22(1): 53.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Solidago dahurica (Kitag.) Kitag. Ex Juz. (ASTERACEAE)**

This perennial herb species earlier known from China, Kazakhstan, Kyrgyzstan, Mongolia, Nepal, Russia and Uzbekistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Chitkul, Kinnaur of Himanchal Pradesh at 3430m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun (BSD). It has been published by Prashant K. Pusalkar, D. K. Singh and S. K. Srivastava in Ann. For. 22(1):53.2014.

**सोन्नेरेशिया लेंशियोलाटा ब्लूम (लायथ्रेसी)**

पूर्वतः आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया एवं पापुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार गालाथिया खाड़ी, ग्रेट अंडमान द्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे पाडीस्वामी राघवन एवं अन्य के द्वारा बायोडायवर्सिटास 15(2):416.2014 में प्रकाशित किया गया है।



**Sonneratia lanceolata Blume (LYTHRACEAE)**

This tree species earlier known from Australia, Indonesia and Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on the collection made from Galathea Bay, Great Nicobar Island of Andaman and Nicobar. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by Padisamy Ragavan & al. in Biodiversitas 15(2):416.2014.



**स्वर्टिया हैन्डेलियाना** हैरी स्म. (जेन्शीयानेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार माबो पहाड़ी शीर्ष निकट टाटो, वेस्ट सिंगांग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से 3600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारायण के द्वारा इंडियन ज. फारे., 37(4):416.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Swertia handeliana** Harry Sm. (GENTIANACEAE)

This perennial herb species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Mobo mountain top near Tato, West Siang district of Arunachal Pradesh at 3600m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar (ARUN). It has been published by M. Bhoumik and P. Satyanarayana in Indian J. For., 37(4):416.2014.

**वेन्डेल्लिया डिफ्यूसा** लि. (लिन्डरनिऐसी)

पूर्वतः अफ्रीका से ज्ञात इस सर्पिल शाक जाति का पता भारत में प्रथम बार वालिकावु-चिंगानौर, अल्लापुझा जनपद, केरल से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) में संग्रहित किया गया है। इसे मंगावयाल गोविंदन प्रसाद एवं अन्य के द्वारा फायटोटैक्सा 163(1): 55. 2014 में प्रकाशित किया गया है।



**Vandellia diffusa** L. (LINDERNIACEAE)

This creeping herb species earlier known from Africa has been reported for the first time from India based on the collection made from Vallikavu-Chengannore, Alappuzha district of Kerala. The specimen is deposited in the Herbarium, Deptt. of Botany, Calicut University, Calicut (CALI). It has been published by Mangavayal Govindan Prasad & all in Phytotaxa 163(1):55.2014.



पर्णाग/PTERIDOPHYTES

Courtesy : B.S. Kholia

### पर्णांग/FERNS AND FERN-ALLIES

पर्णांग (टेरिडोफाइट्स) प्रायः विभिन्न प्रकार के प्राकृत वासों में पाये जाते हैं, ऐसे प्रतिकूल पर्यावरणीय प्राकृत वासों में भी, जहां सामान्यतः पुष्पीय पौधे नहीं पाये जाते हैं, ये सफलतापूर्वक उगते हैं। भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा पर्णांगों का है। हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारत में पर्णांगों की लगभग 1274 जातियां हैं। एवं अनेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में सिक्किम हिमालय से

1 नवीन जाति, 2 प्रभेद एवं 1 रूप (फोर्मा) भारतीय पर्णांग वनस्पतिजात के लिये नये अन्वेषित किये गये हैं एवं गोवा तथा सिक्किम में प्रत्येक से 1 नवीन वितरणपरक अभिलेख को भारतीय वनस्पतिजात में सम्मिलित किया गया है।

Ferns and Fern-allies ( Pteridophytes) live in a wide variety of habitats and often succeed in places where environmental factors discourage growth of flowering plants.

The Indian ferns account for about 2 per cent of the total Indian flora.

In the present state of our knowledge India has about 1274 species of ferns and fern-allies. Many more are yet to be identified and described.

The collated information presented here includes one species, two varieties and one form been described from Sikkim as new to Indian Pteridophytic flora, while one species from Goa and one species from Sikkim has been recorded as new distributional record for Indian pteridophytic flora.

पिचिसेरमोल्लोडिस फ्रेसर-जेकिन्साई खोलिया, फर्न एंड फर्न एलाइज ऑफ सिक्किम : ए पिक्टोरियल हैन्डबुक पार्ट- II, 137. 2014. (पोलिपोडिऐसी)



इस नवीन पर्णांग जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम सिंग्बा रोडोडेन्ड्रॉन अभयारण्य से 2600 मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूल प्ररूप एवं समप्ररूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक (बीएसएचसी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण सी. आर. फ्रेसर-जेन्कींस के सम्मान में उनके द्वारा भारतीय पर्णांगों पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

**Pichisermollodes frasaer-jenkinsii** Kholia in Ferns and fern-allies of Sikkim: A Pictorial Handbook Part-II, 137. 2014. (POLYPODIACEAE)

This new fern species has been discovered and described based on the collections made from Singba Rhododendron Sanctuary, Sikkim, India at 2600m altitude. The holotype and isotypes are deposited in the Herbarium of Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok (BSHC). The species is named after C. R. Fraser- Jenkins for his contribution in Indian ferns.

#### नवीन प्रभेद / रूप / New Variety/Forma

टेक्टारिया कॉडूनाटा (वॉल. एक्स हुक. एवं ग्रेव.) सी. चर. प्रभेद इलोन्गोटा खोलिया, फर्न एंड फर्न एलाइज ऑफ सिक्किम : ए पिक्टोरियल हैन्डबुक पार्ट- II, 90.2014. (झायोप्टेरिडेसी)



इस नवीन पर्णांग प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम के साउथ जनपद के बरमेल्लाई एवं मानेभांगयांग क्षेत्र से 1500मी. की ऊँचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूल प्ररूप एवं समप्ररूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक (बीएसएचसी) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसकी पत्तियों के दीर्घकृत भालाकार संरचना पर आधारित है।

**Tectaria coadunata** (Wall. ex Hook. & Grev.) C. Chr. var. **elongata** Kholia in Ferns and fern-allies of Sikkim: A Pictorial Handbook Part-II, 90. 2014. (DRYOPTERIDACEAE)

This new fern variety has been discovered and described based on the collections made from Bermellii and Manebhangyang area of South district of Sikkim, India at 1500m altitude. The holotype and isotypes are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok (BSHC). The varietal epithet refers to its elongated lanceolate leaves.





**पॉलिस्टाईकम थॉम्सोनाई** (हुक. एफ.) रूप **हिमालाईकम** खोलिया, फर्न एंड फर्न एलाइज ऑफ सिक्किम : ए पिक्टोरियल हैन्डबुक पार्ट- II, 85.2014. (झायोप्टेरिडेसी)

इस नवीन पर्णांग का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम के तालम, क्यांगनोसला, लाचेन एवं काटाव से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूल प्ररूप एवं समप्ररूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक (बीएसएचसी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसकी प्राप्ति हिमालय क्षेत्र में होने पर आधारित है।



**Polystichum thomsonii** (Hook. f.) forma **himalaicum** Kholia in Ferns and fern-alleis of Sikkim: A Pictorial Handbook Part-II, 85. 2014. (DRYOPTERIDACEAE)

This new fern has been discovered and described based on the collections made from Talam, Kyangnosla, Lachen and Kataw in Sikkim. The holotype and isotypes are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok (BSHC). The forma name is refers to Himalaya where it occurs.

**थेलिप्टेरिस (स्टेग्नोग्रामा) मोल्लिसिमा** प्रभेद **ट्रनकाटा** खोलिया, फर्न एंड फर्न एलाइज ऑफ सिक्किम : ए पिक्टोरियल हैन्डबुक पार्ट-II, 196.2014. (थेलिप्टेरिडेसी)

इस नवीन पर्णांग प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम के बोन्साई क्षेत्र, उत्तर सिक्किम से 2000मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक (बीएसएचसी) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके पर्णांग पत्रक के आधार भाग के खण्डित संरचना पर आधारित है।



**Thelypteris (Stegnogramma) mollissima** var. **truncata** Kholia in Ferns and fern-alleis of Sikkim: A Pictorial Handbook Part-II, 196. 2014. (THELYPTERIDACEAE)

This new fern variety has been discovered and described based on the collections made from Bansoi area of North Sikkim, at 2000m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok (BSHC). The varietal epithet refers to its truncated base of fronds.

### एडिऐन्टम टेनेरम स्वार्टज् (एडिऐन्टेसी)

पूर्वतः श्रीलंका, पेरू, मैक्सिको एवं वेस्ट इंडीयन द्वीप से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार गोवा के बोन्डला वन क्षेत्र से 30मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर में संग्रहित किया गया है। इसे एम. आर. निरंजना एवं अन्य के द्वारा इंडीयन फर्न ज. 30:119. 2014 में प्रकाशित किया गया है।

### *Adiantum tenerum* Swartz (ADIANTACEAE)

This species earlier known from Sri Lanka, Peru, Mexico and West Indian Island has been reported first time from India based on the collection made from Bondla Forest Region, Goa at 30m altitude. The specimen is deposited in Herbarium, Deptt. of Botany, Shivaji University. It has been published by M.R. Niranjana & all, in Indian Fern J. 30:1 | 9.2014.

### चैइलेन्थस तिब्बेतिका फ्रेजर-जेंक. एवं वांग्डी (टेरिडेसी)

पूर्वतः चीन एवं भूटान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम के लाचुंग, कटाव मार्ग से 2700मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक (बीएसएचसी) में संग्रहित किया गया है। इसे बी. एस. खोलिया के द्वारा पुस्तक फर्न एंड फर्न एलाइज ऑफ सिक्किम : ए पिक्टोरियल हैन्डबुक पार्ट-II, 155.2014 में प्रकाशित किया गया है।



### *Cheilanthes tibetica* Fraser-Jenk. & Wangdi (PTERIDACEAE)

This species earlier known from China and Bhutan has been reported first time from India based on the collection made from Lachung Kataw Road, Sikkim, India at 2700m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok (BSHC). It has been published by B. S. Kholia in Ferns and fern-allies of Sikkim: A Pictorial Handbook Part-II, 155. 2014.





हरितोद्भिद/BRYOPHYTES

Courtesy : Taxon

### हरितोद्भिद/BRYOPHYTES

वनस्पतिजात में उभयचर के रूप में ज्ञात, हरितोद्भिद हरित पादपों में आवृतबीजी वर्ग के बाद दूसरा सबसे बड़ा समूह तथा जैव-विविधता का रोचक संघटक हैं। ये पादप लगभग सभी जलवायु परिस्थितियों में व्याप्त हैं तथा अंटार्कटिका महाद्वीप में पाये जाने वाले पादप समूहों में से एक हैं।

भारत के कुल वनस्पतिजात में हरितोद्भिदों का लगभग 5.39 प्रतिशत हिस्सा है।

हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय हरितोद्भिदों की लगभग 2,531 जातियाँ ज्ञात हैं। इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में भारत से 02 नयी जातियाँ (जिसमें कर्नाटक एवं उत्तराखंड में प्रत्येक से 01 जाति) एवं भारत के लिये 06 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित किये गये हैं।

Bryophytes, the amphibians of the 'Plant Kingdom', and the second largest group of green plants next only to the angiosperms constitute a fascinating component of biodiversity and are widely spread in almost all climatic conditions. They are among the very few groups of plants found in Antarctica.

The Indian bryophytes account for about 5.39 per cent of the total plant species of India.

In the present state of our knowledge India has about 2,531 species of bryophytes. Many more are yet to be identified and described.

The collated information presented here includes

02 new species from India

(01 species each from Karnataka and Uttarakhand);  
and 06 new distributional records from India.

**लिथोकोलिया इंडिका** गीता अस्थाना, नेशल. एकेड. साइ. लिट. 37(6):535.2014. (एक्रोबोलबेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तराखण्ड राज्य के पौड़ी गढ़वाल जनपद से 1788मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (एलडब्ल्यू) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्राप्ति राष्ट्र के नाम पर आधारित है।

**Lethocolea indica** Geeta Asthana, Natl. Acad. Sci. Lett. 37(6):535.2014. (ACROBOLBACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Pauri Garhwal district of Uttarakhand, India at 1788m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium Deptt. of Botany, Lucknow University (LWU). The specific epithet refers to the country of its origin.

**फाइकोलेपिडोजिया इंडिका** ग्राडेस्ट., जे. पी. फ्राहम. एवं यू. स्वार्टज. टैक्सॉन 63(3):498.2014. (फायकोलिपिडोजिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कर्नाटक राज्य के कुर्ग जनपद से माउंट तांडीअंडमोल शिखर के निचले भाग से 1610मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय, सिस्टेमैटिक इट इवोल्यूशन विभाग, नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम, पेरिस (पीसी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण जाति के प्राप्ति राष्ट्र के नाम पर आधारित है।



**Phycolepidozia indica** Gradst., J.-P.Frahm & U. Schwarz, Taxon 63(3):498.2014. (PHYCOLEPIDOZIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made on way to Mount Tandiamol, Coorg district of Karnataka, India at 1610m altitude. The holotype is deposited in herbarium Deptt. Systématique et Evolution, Museum National d'Histoire Naturelle, Paris (PC) and isotypes are in herbarium National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The specific epithet refers to the country of its origin.

#### नवीन वितरणपरक अभिलेख/New Distributional Record

**बाज्जानिया भूटानिका** एन. किताग. एवं ग्रोल्ली (लेपिडोजिएसी)

पूर्वतः भूटान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के केयिंग, टाटो मार्ग, वेस्ट सियांग जनपद से 680मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे सिद्धार्थ सिंह देव एवं डी. के. सिंह के द्वारा लिन्डबर्जिया 37:42. 2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Bazzania bhutanica** N. Kitag. & Grolle (LEPIDOZIACEAE)

This species earlier known from Bhutan has been reported first time for India based on the collection made from Keying, on way to Tato, West Siang district of Arunachal Pradesh at 680m altitude. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by Siddhartha Singh Deo and D. K. Singh in Lindbergia 37: 42. 2014.

**किलोलेज्यूनिया ओसूमेन्सिस** (एस. हट्ट.) मेजूट. (लेज्यूनिएसी)

पूर्वतः चीन एवं जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के अंजाव जनपद एवं सिक्किम के दक्षिण सिक्किम जनपद से 1650मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इसे डी. के. सिंह, शुभदीप मजुमदार एवं देवेन्द्र सिंह के द्वारा निलूम्बो 56.259.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Cheilolejeunea osumiensis** (S. Hatt.) Mizut. (LEJUENIACEAE)

This species earlier known from China and Japan has been reported first time for India based on the collection made from Anjaw district of Arunachal Pradesh and South Sikkim district of Sikkim at 1650m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by D. K. Singh, Shuvadeep Majumdar & Devendra Singh in Nelumbo 56.259.2014.

**लेज्यूनिया एक्वेटिका** होरिक. (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के लोहाघाट, मायावटी मार्ग से 1520मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूयू) में संग्रहित किया गया है। इसे विनय साहू एवं ए. के. अस्थाना के द्वारा इंडियन फारेस्टर 140(4):391.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Lejeunea aquatica** Horik. (LEJUENIACEAE)

This species earlier known from Japan has been reported first time for India based on the collection made on way to Mayawati, Lohaghat of Uttarakhand, at 1520m altitude. The specimen is deposited in National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Vinay Sahu and A. K. Asthana in Indian Forester 140 (4): 391. 2014.

**प्लेजियोकाइला जिम्नोक्लेडा** सैन्डी. लैक. (प्लेजियोकाइलेसी)

पूर्वतः चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, न्यू क्लेडोनिया, पापुआ न्यू ग्वेना, फिलिपींस, श्रीलंका एवं ताईवान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट सियांग जनपद के शिखर से यापिक मार्ग पर 1500मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसे सिद्धार्थ सिंह देव एवं डी. के. सिंह के द्वारा निलूम्बो 56.268.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Plagiochila gymnoclada** Sande Lac. (PLAGIOCHILACEAE)

This species earlier known China, Indonesia, Malaysia, New Caledonia, Papua New Guina, Philippines, Sri Lanka and Taiwan has been reported first time for India based on the collection made on way to Yapik from Shikar, West Siang district of Arunachal Pradesh, India at 1500m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). It has been published by Siddhartha Singh Deo & D. K. Singh in Nelumbo 56.268.2014.

**स्यूडोलेपिकोलिया फ्रेयाई** (पेर्स) ग्रोल्ली एवं एंडो (स्यूडोलेपिकोलिऐसी)

पूर्वतः रूस एवं उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड के चमोली जनपद से हेमकुंड साहिब मार्ग पर 3343मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित किया गया है। इसे देवेन्द्र सिंह, शुभदीप मजुमदार एवं डी. के. सिंह के द्वारा ताइवानिया 59(10):41.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Pseudolepicolea fryei** (Pers.) Grolle & Ando (PSEUDOLEPICOLEACEAE)

This species earlier known from Russia and North America has been reported first time for India based on the collection made from on way to Hemkund Sahib, Chamoli district of Uttarakhand at 3343m altitude. The specimen is deposited in herbarium National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Devendra Singh, Shuvadeep Majumdar and D. K. Singh in Taiwania 59(1):41.2014.

**स्यूडोसीम्बलिफेरिस सबदूरीउस्कूला** (मुल्ल. हल.) पी. सी. चैन

पूर्वतः चीन, इंडोनेशिया, म्यांमार एवं फिलिपींस से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार केरल राज्य के कोल्लम जनपद में इन्निपाड़ा, सेन्दुरुनी वन्य जीव अभयारण्य से 950मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे ए. ई. डी. डेनियल एवं के. सी. करियप्पा के द्वारा निलूम्बो 56.265.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Pseudosymblypharis subduriuscula** (Mull. Hal.) P. C. Chen

This species earlier known from China, Indonesia, Myanmar & Philippines has been reported first time for India based on the collection made from Eanippara, Shendurney Wild Life Sanctuary, Kollam district of Kerala, India at 950m altitude. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by A.E.D. Daniels & K.C. Kariyappa in Nelumbo 56.265.2014.



Courtesy : Pushpi Singh

शैवाक/LICHENS



## शैवाक/LICHENS

शैवाक, कवक एवं सामान्यतः हरे शैवालों अथवा सायनोजीवाणु जैसे प्रकाश संश्लेषी सहयोगी के साथ सहजीवी संबंध बनाते हैं। शैवाक वैसे तो व्यापक रूप में पाये जाते हैं फिर भी इनकी कई जातियाँ पर्यावरणीय विक्षोभों के प्रति संवेदनशील होती हैं, जिसके फलस्वरूप इनका उपयोग वायु प्रदूषण प्रभाव के आंकलन में किया जा सकता है।

भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 5.09 प्रतिशत हिस्सा शैवाकों का है।

हमारी अब तक की जानकारी के अनुसार भारतीय शैवाक की लगभग 2434 जातियाँ हैं। इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में भारत की 13 नयी जातियाँ, जिनमें

(09 जातियाँ अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से, 02 जातियाँ मणिपुर से, उत्तराखण्ड एवं पश्चिम बंगाल में प्रत्येक से 01 जाति) नवीन अन्वेषित की गई है,

तथा भारत से 02 नए वंश अभिलेखों के साथ 17 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित किये गये हैं।

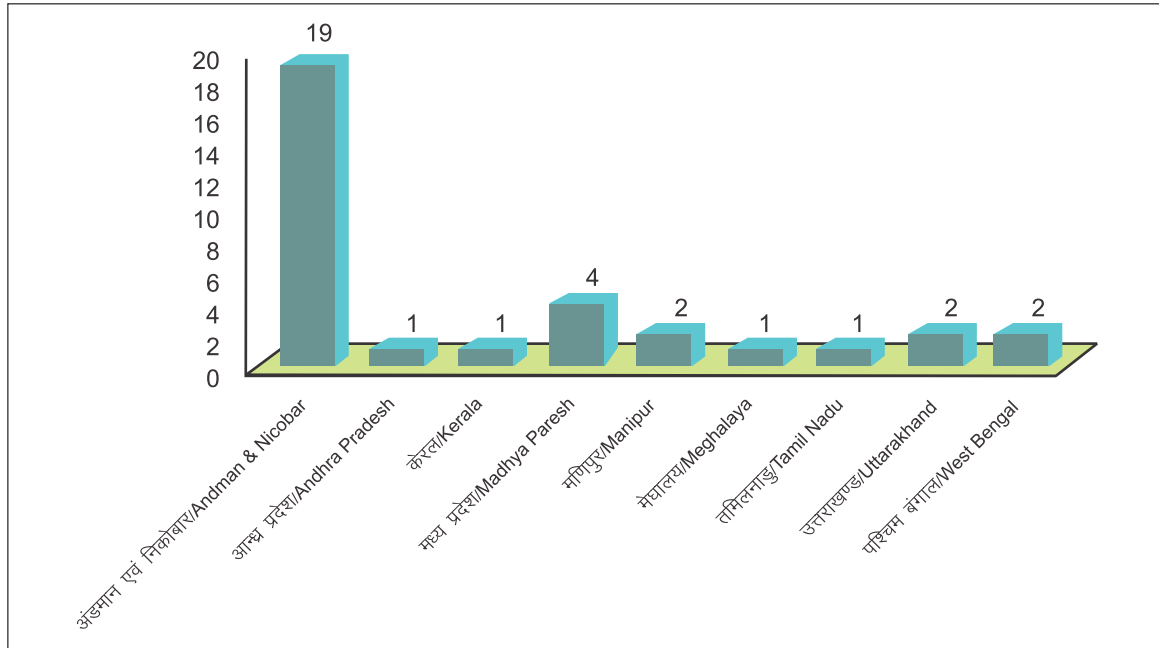
Lichens are symbiotic association of a fungus with a photosynthetic partner usually a green alga or cyanobacterium. Lichens are widespread, however many species are sensitive to environmental disturbances and may be useful in assessing the effect of air pollution. Lichens have also been used in making dyes and perfumes as well as in traditional medicines.

The Indian lichens account for about 5.09 per cent of the total plant species of the India.

In the present state of our knowledge India has about 2434 species of lichens.

Many more are yet to be Identified and described.

The collated information presented here includes 13 new species (09 species from Andaman & Nicobar islands, 02 species from Manipur, and 01 each from Uttarakhand and West Bengal); 02 genera record, 17 new distributional records of lichens from India

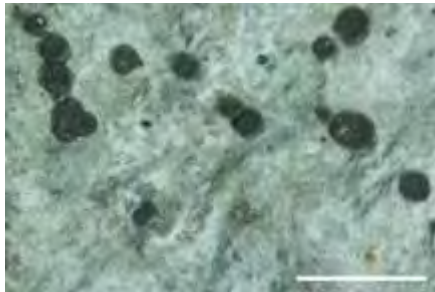


विभिन्न राज्यों से अन्वेषित शैवाक

LICHENS DISCOVERED FROM DIFFERENT STATES

**बैक्ट्रोस्पोरा लिट्टोरैलिस** जगदीश, फायटोटैक्सा 177(3):156.2014. (रोसिल्लासी)

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के उत्तरी अंडमान, लामिया खाड़ी समुद्रतट से समुद्र तल से 10मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। जाति का नाम इसके आवास पर आधारित है।

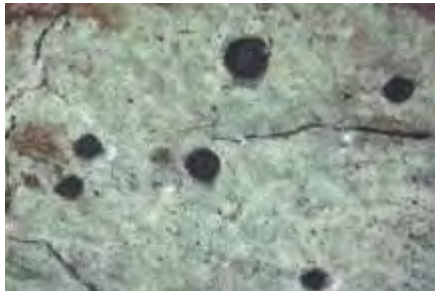


**Bactrospora littoralis** Jagadeesh, Phytotaxa 177 (3): 156. 2014.  
(ROCCELLACEAE)

This new lichen species has been discovered and described based on the collections made from the Andaman Islands, North Andaman, Lamia Bay seashore forest, at 10m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and the isotype are in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The species epithet refers to its habitat.

**बैक्ट्रोस्पोरा मेडियन्स** जगदीश, फायटोटैक्सा 177(3):156.2014. (रोसिल्लासी)

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के उत्तरी अंडमान, रिफ द्वीप वन्यजीव अभयारण्य एवं हेनरी लॉरेंस द्वीप दक्षिणी अंडमान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। जाति का नाम इसके मध्यमाकार के एस्कोस्पोर्स पर आधारित है।

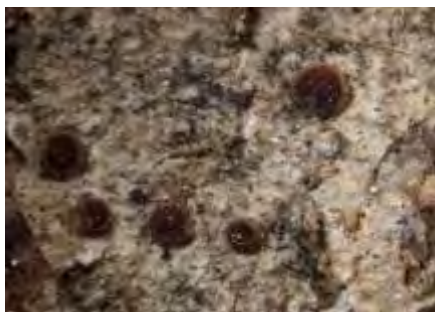


**Bactrospora medians** Jagadeesh, Phytotaxa 177 (3): 156. 2014.  
(ROCCELLACEAE)

This new species of lichen has been discovered and described on the collections made from the Andaman Islands, North Andaman, Reef Island Wildlife Sanctuary and Henry Lawrence Island of South Andaman. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and the isotypes are in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The species is named after its intermediate size of ascospores.

**कैलोप्लाका इंडिका** वाई जोशी, जगदीश एवं जी. पी. सिन्हा, नेश. एकाद. साइं. लिट. 37(6):517.2014. (टिलोस्चिस्टेसी)

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन पश्चिम बंगाल राज्य के दार्जिलिंग जनपद, कालिमपोंग, न्यौरा घाटी राष्ट्रीय उद्यान, आलूबाड़ी एवं अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट कामेंग, दोरान सेंग से समुद्रतल से 2306–2454 मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद (बीएसए) एवं समप्ररूप पादपालय राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम भारत पर आधारित है।

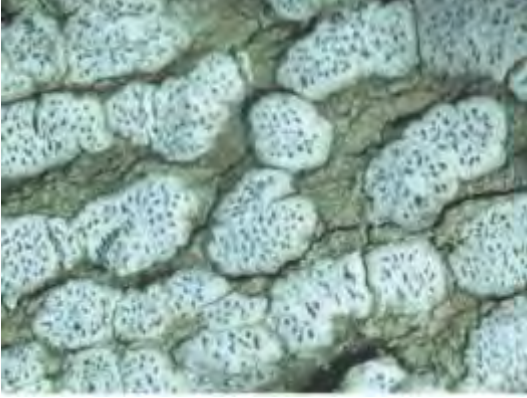


**Caloplaca indica** Y. Joshi, Jagadeesh & G.P. Sinha, Natl. Acad. Sci. Lett. 37(6): 517. 2014. (TELOSCHISTACEAE)

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from West Bengal, Darjeeling district, Kalimpong, Neora Valley National Park, Aloorbari and Arunachal Pradesh, West Kameng, Doran Sange, at 2306–2454 m altitude. The holotype is deposited in the Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA) and the isotype is in the Herbarium, National Botanical Research Institute, Lucknow (LWVG). The species is named after the country India.

**कियोडैक्टॉन अंडमानिकम** जगदीश, फायटोटैक्सा 177(3):157.2014. (रोसिल्लासी)

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के उत्तरी अंडमान, जॉन लारेंस द्वीप के मैन्गूव वनों में समुद्र तल से 5मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण अंडमान द्वीप के नाम पर आधारित है।

**Chiodecton andamanicum** Jagadeesh, Phytotaxa 177 (3): 157. 2014. (ROCCELLACEAE)

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from Andaman Islands, South Andaman, John Lawrence Island, Mangrove forest, at 5 m altitude. The holotype was deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and the isotype is in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The species is named after the Andaman Islands.

**ग्रैफिस मणिपुरेन्सिस** पुष्पी सिंह एवं कृ. पी. सिंह, माइकोस्फीयर 5(4):505.2014.

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मणिपुर राज्य के चादेल जनपद, तेंगनोपाल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है।

**Graphis manipurensis** Pushpi Singh & Kr. P. Singh, Mycosphere 5 (4): 505. 2014.

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from Chandel district, Tengnoupal, Manipur India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species epithet refers to the state of its occurrence.

**ग्रैफिस सिरोहीयेन्सिस** पुष्पी सिंह एवं कृ. पी. सिंह, माइकोस्फीयर 5(4):507.2014.

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मणिपुर राज्य के उखरूल जनपद में सिरोही हिल मार्ग में वृक्ष की छाल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थान 'सिरोही हिल' के नाम पर आधारित है।

**Graphis sirohiensis** Pushpi Singh & Kr. P. Mycosphere 5 (4): 507. 2014

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made on way to Sirohi hill, on the bark of tree, Ukhruil district, Manipur India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species epithet refers to the type locality 'Sirohi Hill'.

**हियोमासिया पाल्लेसेन्स** जगदीश, लाइकेनोलॉजिस्ट 46(1):46.2014. (ग्रेफिडेसी)

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से लिटिल अंडमान, नन्जप्पा नगर, हट खाड़ी में सदाबहार वनों में श्वेत जल प्रपात में समुद्र तल से 70मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके थैलस के रंग पर आधारित है।

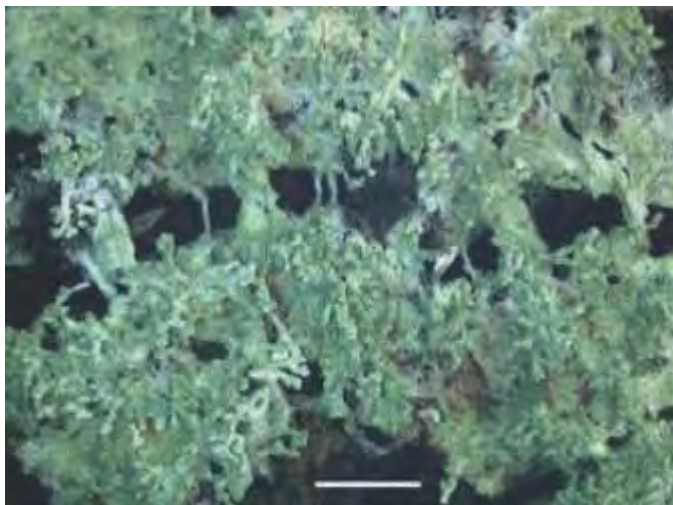


**Heiomasia pallescens** Jagadeesh, Lichenologist 46(1): 46. 2014. (GRAPHIDACEAE)

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from Little Andaman Island. Hut Bay, Nanjappa Nagar, Evergreen forests around White Surf Waterfall, at 70 m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and the isotype are in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). the species is name after colour of its thallus.

**हर्पोथैलोन कोरेलॉइडिस** जगदीश, लाइकेनोलॉजिस्ट 46(1):40.2014. (अर्थोनिऐसी)

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के बारातांग द्वीप, नया डेरा के मैन्ग्रूव वनों में राइजोफोरा मुक्रोनाटा से समुद्र तल से 10मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसमें केंद्रीय थैलस स्यूडोशिया के कोरेलॉयड होने पर आधारित है।



**Herpothallon coralloides** Jagadeesh, Lichenologist 46(1): 40. 2014. (ARTHONIAACEAE)

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from Andaman Islands, Baratang Island, Naya Dera, on *Rhizophora mucronata* in Mangrove forest, at 10m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and the isotypes are in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The species is named after its coralloid central thallus.



**हर्पोथैलोन ग्लोबुलिफेरम** जगदीश, लाइकेनोलॉजिस्ट 46(1):42.2014. (अर्थोनिएसी)



इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के बारातांग द्वीप, नया डेरा के मैन्ग्रूव वनों में *हेरेटीरिया लिट्टोरेलिस* की पत्तियों से समुद्र तल से 10मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके केंद्रीय थैलस पर आधारित है।

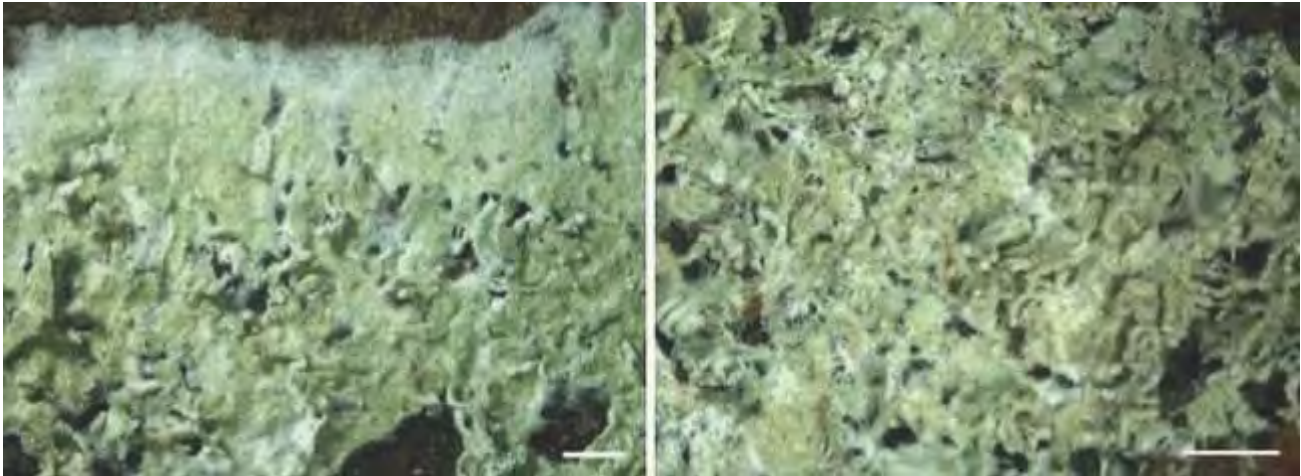
**Herpothallon globuliferum** Jagadeesh, Lichenologist 46(1): 42. 2014. (ARTHONIAEAE)

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made on leaves of *Heritiera littoralis* in Mangrove forest, Naya Dera, Baratang Island, Andaman Islands, India at 10m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and the isotypes are in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The species is named after its globular thallus.



**हर्पोथैलोन ल्यूटिसेन्स** जगदीश, लाइकेनोलॉजिस्ट 46(1):43.2014. (अर्थोनिएसी)

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिटिल अंडमान द्वीप से समुद्र तल से 120मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके थैलस के रंग पर आधारित है।

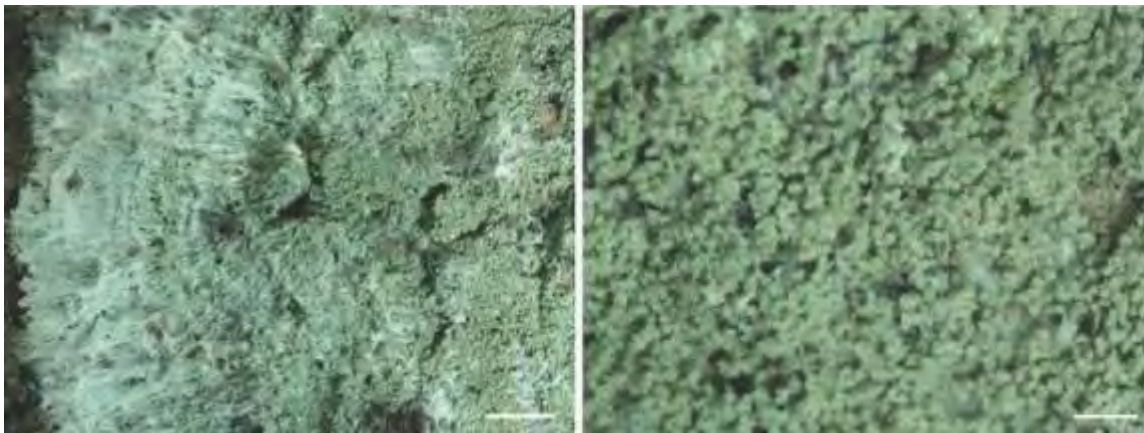


**Herpothallon lutescens** Jagadeesh, Lichenologist 46(1): 43. 2014. (ARTHONIAEAE)

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from inland forests of Little Andaman Island at 120 m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The species is named after the colour of its thallus.

**हर्पोथैलोन माईन्यूटम** जगदीश, लाइकेनोलॉजिस्ट 46(1):45.2014. (अर्थोनिएसी)

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से समुद्री निक्षेप क्षेत्र से समुद्र तल से 10मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके सूक्ष्म आकार के थैलस पर आधारित है।



**Herpothallon minutum** Jagadeesh, Lichenologist 46(1): 45. 2014. (ARTHONIAEAE)

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from seashore and inland forests of the Andaman Islands at 10m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The species epithet refers to its minute thallus.

**हेटरोडर्मिया उप्रेताई** वाई जोशी, एस. उपाध्याय एवं के. चंद्रा, फायटोटैक्सा 175(2):117.2014. (फायसिएसी)

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तराखंड राज्य के चंपावत जनपद स्थित बाणासुर किले से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप पादपालय राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) एवं समप्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, एस. एस. जे. कैंपस, कूमाऊँ विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा (एएलएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम प्रसिद्ध शैवाकविद् डॉ. डी. के. उप्रेती के सम्मान में किया गया है।

**Heterodermia upretii** Y. Joshi, S. Upadhyay & K. Chandra, Phytotaxa 175 (2): 117.2014. (PHYSIACEAE)

This new species of lichen has been discovered and described based on the collections made from Banasur Fort, Champawat district, Uttarakhand. The holotype is deposited in the Herbarium, National Botanical Research Laboratory, Lucknow (LWG) and isotypes are in Lichenology Division, Department of Botany, S.S.J. Campus, Kumaun University, Almora (ALM). The species epithet refers to renowned lichenologist Dr. D.K. Upretii.

**सेगेनिडियोप्सिस एट्रोएल्बा** जगदीश, फायटोटैक्सा 177 (3):160.2014. (रोसेल्लेसी)

इस नवीन शैवाक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से दक्षिण अंडमान, माउंट हैरिट राष्ट्रीय उद्यान के सदाबहार वनों में समुद्र तल से 35मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके सफेद हायफी से ढके काले रंग के एपोथिसिया थैलस के रंग पर आधारित है।

**Sageniopsis atroalba** Jagadeesh, Phytotaxa 177 (3): 160. 2014. (ROCCELLACEAE)

This new species of lichen has been discovered and described on the collections made from Andaman Islands, South Andaman, Mount Harriet National Park, Evergreen forest, at 35 m altitude. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and the isotypes are in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). The species is named after its black apothecia covered with dense whitish hyphae.

**वंश/Genera****डिक्टियोनेमा** सी. अगरदा एक्स कुन्थ (हायग्रोफोरेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस शैवाक वंश का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के ग्रेट निकोबार द्वीप, कैंपबेल खाड़ी, गोविंद नगर से समुद्र तल से 6मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। यह भारत में अभिलेखित किया गया प्रथम बेसिडियोलाईकेन वंश है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम के द्वारा इंडियन ज. फारे. 37(30):361.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Dictyonema** C. Agardh ex Kunth (HYGROPHORACEAE)

This genus, earlier known from China, has been reported for the first time for India based on collections made from Great Nicobar Island, Campbell Bay, Govind Nagar, at 6m altitude. This is a first basidiolichen report from India. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 37(3): 361. 2014.

**इम्मरसेरिया** रैम्बोल्ड एवं पिस्टेचम. (पोरपिडिऐसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस शैवाक वंश का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के सतारा जनपद में पंचगणी पठार से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय आधारकर अनुसंधान संस्थान, पूणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इसे जी. एस. पंडित के द्वारा करंट रिसर्च इन्च्यार. एंड एप्लाइड माइकोलॉजी 4(1):137.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Immersaria** Rambold & Pietschm (PORPIDIACEAE)

This genus earlier known from Europe has been reported for the first time for India based on collections made from the Panchgani plateau, Satara district, Maharashtra. The specimens are deposited in Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). It has been published by G.S. Pandit in Curr. Res. Environ. & App. Mycol. 4 (1): 137.2014.

**कोयब्रेइल्ला** स्टेन (पोरपिडिऐसी)

पूर्वतः उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी यूरोप एवं पूर्वी एशिया से ज्ञात इस शैवाक वंश का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के कास पठार से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय आधारकर अनुसंधान संस्थान, पूणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इसे जी. एस. पंडित के द्वारा करंट रिसर्च इन्च्यार. एंड एप्लाइड माइकोलॉजी 4(1):138.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Koerberiella** Stein (PORPIDIACEAE)

This genus earlier known from North-America, Western Europe and Eastern Asia has been reported for the first time for India based on collections made from the Kas plateau of Maharashtra. The specimens are deposited in Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). It has been published by G.S. Pandit, in Curr. Res. Environ. & App. Mycol. 4 (1): 138. 2014.

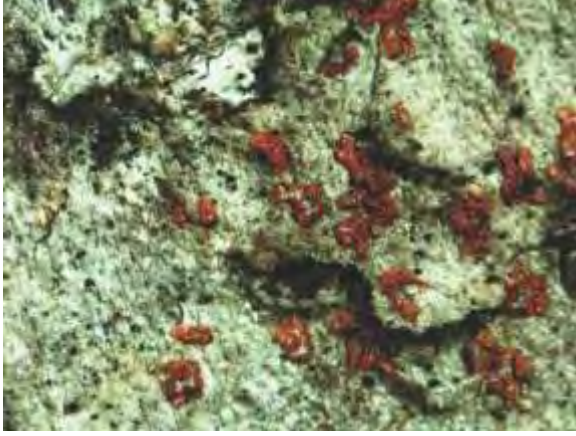
**जातिपरक अभिलेख/Species****एनिसोमेरिडियम पोलिपोराई** (इल्लिस एवं इवराह.) एम. ई. बर्. (फायसिऐसी)

पूर्वतः यूरोप, अफ्रिका, अमेरिका एवं आस्ट्रेलिया से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के अल्मोड़ा जनपद के कोसी कटारमल सूर्य मंदिर एवं स्याही देवी से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, लाइकेनोलॉजी प्रभाग, वनस्पति विज्ञान विभाग, एस. एस. जे. कैंपस, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा (एएलएम) में संग्रहित किया गया है। इसे योगेश जोशी, कृष्णा चंद्र एवं मनीष त्रिपाठी के द्वारा फायटोटैक्सा 170(1):49.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Anisomeridium polypori** (Ellis & Everh.) M.E. Barr (PHYSICIACEAE)

This species earlier Europe, Africa, America, Australia has been reported for the first time for India based on collections made from Syahi Devi and Kosi Katarmal Sun Temples, Almora district of Uttarakhand. The specimens are deposited in Herbarium, Lichenology Division, Department of Botany, S.S.J. Campus, Kumaun University, Almora (ALM). It has been published by Yogesh Joshi, Krishna Chandra & Manish Tripathi in Phytotaxa 170(1):49.2014.

**अर्थोनिया रेडिन्गेरी गुवे. (अर्थोनिएसी)**



अब तक भारत से अज्ञात इस शैवाक जाति का पता प्रथम बार मेघालय राज्य के ईस्ट खासी जनपद से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह के द्वारा इंडियन ज. फारे., 37(4):409.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Arthonia reidngerii** Grube. (ARTHONIACEAE)

This species earlier not known from India has been reported for the first time based on collections made East Khasi district, Meghalaya. The specimens are deposited in Herbarium, Central Regional Central, Botanical Survey of India, Allahabad (BSA). It has been published by Puspi Singh, in Indian J. For. 37 (4): 409. 2014.

**बैक्ट्रोस्पोरा एसीक्यूलैरिस (डोदगे) इजिया एवं टोरेन्टे (रोसेल्लेसी)**

पूर्वतः चीली से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के दार्जिलिंग स्थित टाईगर हिल में वृक्ष के ऊपर से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित किया गया है। इसे ए. आर. लोगेश, संतोश जोशी, कोमल के इंग्ले एवं दिलीप के उप्रेती के द्वारा ट्रॉपिकल प्ल. रिसर्. 1(1):1.2014 में प्रकाशित किया गया है।

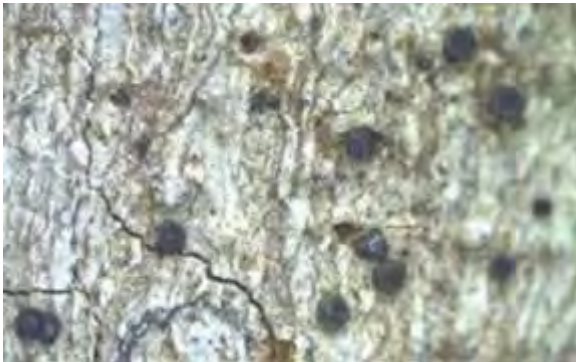


**Bactrospora acicularis** (Dodge) Egea & Torrente  
(ROCCELLACEAE)

This species earlier known from Chile has been reported for the first time for India based on collections made from a tree in Tiger hill area of Darjeeling district in West Bengal. The specimens are deposited in Herbarium, National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by A. R. Logesh, Santosh Joshi, Komal K. Ingle and Dalip K. Upreti in Tropical Pl. Res. 1(1):1.2014.

**बैक्ट्रोस्पोरा इंटरमिडिया इजिया एवं टोरेन्टे (रोसेल्लेसी)**

पूर्वतः चीली से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार केरल राज्य के वल्ली कुन्नू, मल्लापुरम् जनपद में *विटेरिया* जाति के वृक्ष की छाल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित किया गया है। इसे ए. आर. लोगेश, संतोश जोशी, कोमल के इंग्ले एवं दिलीप के उप्रेती के द्वारा ट्रॉपिकल प्ल. रिसर्. 1(1):2.2014 में प्रकाशित किया गया है।



**Bactrospora intermedia** Egea & Torrente (ROCCELLACEAE)

This species earlier known from Chile has been reported for the first time for India based on collections made from barks of *Vetaria* spp. from Valli Kunnu, Malapuram district, Kerala. The specimens are deposited in Herbarium, National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by A. R. Logesh, Santosh Joshi, Komal K. Ingle and Dalip K. Upreti in Tropical Pl. Res. 1(1): 2.2014.



**बैक्ट्रोस्पोरा कैरोलिनेन्सीस** (इलिस एवं एवरह) आर. सी. हैरिस (रोसेल्लेसी)

पूर्वतः फ्लोरिडा एवं संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिण कैरोलिना से ज्ञात इस शैवाक वंश का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह लोंग द्वीप में नारियल के पेड़ के तने से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम के द्वारा फाइटोटैक्सा 177(3):160.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Bactrospora carolinensis** (Ellis & Everh.) R.C. Harris (ROCCELLACEAE)

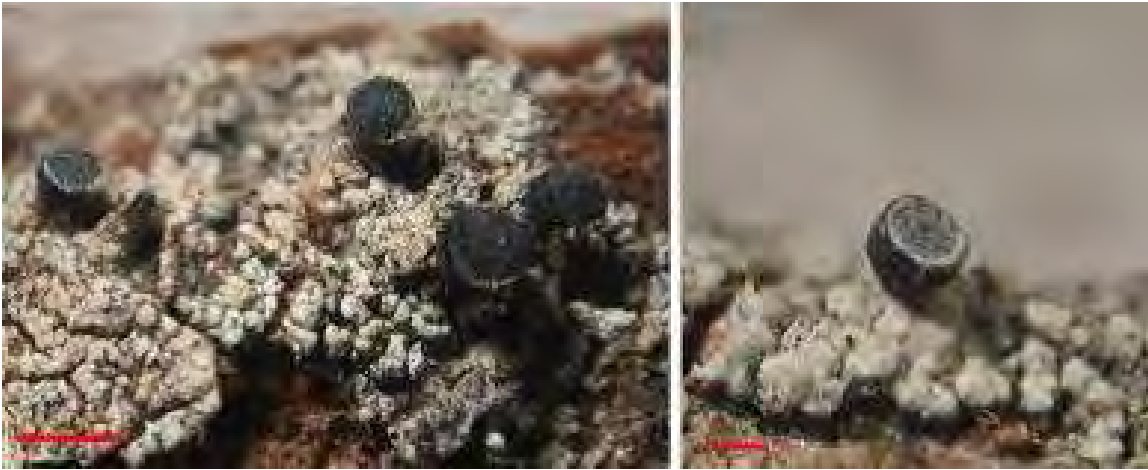
This species, earlier known from Florida and South Carolina of USA, has been reported for the first time for India based on collections made from trunk of Coconut tree at Long Island, Andaman Islands. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Phytotaxa 177 (3): 160. 2014.

**सायफोलियम इन्क्यूनैन्स** (स्म.) ट्रीविजन

पूर्वतः आस्ट्रेलेशिया, उत्तरी अमेरिका एवं दक्षिणी अमेरिका भारत से अज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के लोहित जनपद, जाचुप पैदल मार्ग पर तप्त जलप्रपात से एबीस जाति के वृक्ष की छाल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इसे पुष्पी सिंह एवं के. पी सिंह के द्वारा चेक लिस्ट 10(1):178.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Cyphelium inquinans** (Sm.) Trevison

This species earlier known from Australasia, North America & South America has been reported for the first time for India based on collections made from the barks of *Abies* spp. on the Jachup foot tract, hot spring, Lohit district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad (BSA). It has been published by Pusp Singh and K.P.singh in Check list 10(1):178.2014.

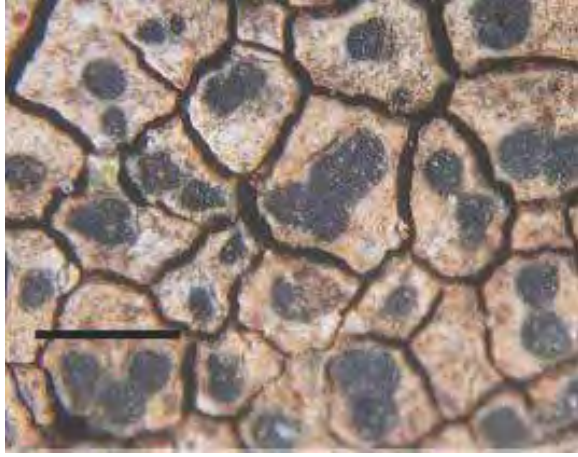
**डिक्टीयोनेमा इरिगेटम** (ब्रेक. एवं एम. ए. कूर्टिस) लुकिंग (हायग्रोफोरेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के ग्रेट निकोबार द्वीप, कैंपबेल खाड़ी, गोविंद नगर से समुद्र तल से 6मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम के द्वारा इंडियन ज. फारे. 37(30):361.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Dictyonema irrigatum** (Berk. & M. A. Curtis) Lücking. (HYGROPHORACEAE)

This species earlier known from China, has been reported for the first time for India based on collections made from Great Nicobar Island, Campbell Bay, Govind Nagar, at 6 m altitude. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. For. 37(3): 361. 2014.

**इम्मरसेरिया रूप ओलिवासिया कालाटायूड एवं रैमबोल्ड (पोरपिडिऐसी)**

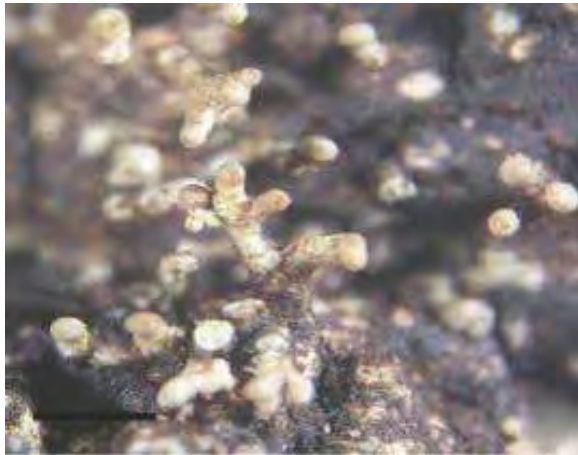


पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के सतारा जनपद में पंचगणी पठार से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय आधारकर अनुसंधान संस्थान, पूणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इसे जी. एस. पंडित के द्वारा करंट रिसर्च इन्वायर. एंड एप्लाइड माइकोलॉजी 4(1):138.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Immersaria cf. olivacea** Calatayud & Rambold (PORPIDIACEAE)

This species earlier known from Europe, has been reported for the first time for India based on collections made from the Panchgani plateau, Satara District, Maharashtra. The specimens are deposited in herbarium of Agharkar Research Institute, Pune (AMH). It has been published by G.S. Pandit, in Curr. Res. Environ. & App. Mycol. 4 (1): 138. 2014.

**कोयब्रेइल्ला विम्मेरियाना (कोरवर) बी. स्टेन (पोरपिडिऐसी)**



पूर्वतः उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी यूरोप एवं पूर्वी एशिया से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के कास पठार से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय आधारकर अनुसंधान संस्थान, पूणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इसे जी. एस. पंडित के द्वारा करंट रिसर्च इन्वायर. एंड एप्लाइड माइकोलॉजी 4(1):138.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Koerberiella wimmeriana** (Körber) B. Stein (PORPIDIACEAE)

This species earlier known from North-America, Western Europe and Eastern Asia has been reported for the first time for India based on collections made from the Kas plateau of Maharashtra. The specimens are deposited in herbarium of Agharkar Research Institute, Pune (AMH). It has been published by G.S. Pandit, in Curr. Res. Environ. & App. Mycol. 4 (1): 138. 2014.

**ओपेग्राफा एपोमिलाइना ए. मास्साल (रोसेल्लेसी)**

पूर्वतः आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, केन्या, पापुआ न्यू ग्वेना, रवांडा, तंजानिया, द शेसेल्स, सेलोमन द्वीप, थाईलैंड एवं जाम्बिया से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह उत्तरी अंडमान में रिफ द्वीप एवं दक्षिणी अंडमान में हेनरी द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम के द्वारा फाइटोटैक्सा 177(3):161.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Opegrapha apomelaena** A. Massal. (ROCELLACEAE)

This species earlier known from Australia, Indonesia, Kenya, Papua New Guinea, Rwanda, Tanzania, the Seychelles, the Solomon Islands, Thailand and Zambia, has been reported for the first time for India based on collections made from Reef Island of North Andaman and Henry Lawrence Island of South Andaman. The specimens are deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Phytotaxa 177 (3): 161. 2014.

**ओपेग्राफा डेकेस्लाई ईर्टज (रोसेल्लेसी)**

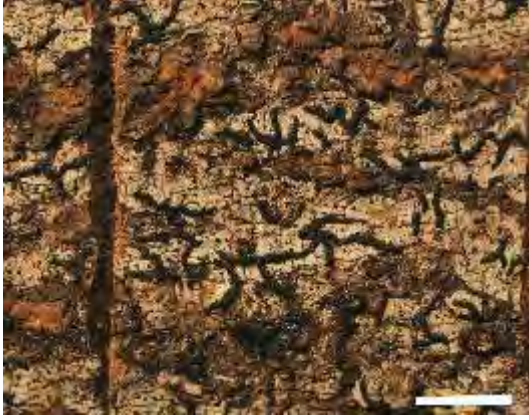
पूर्वतः अंगोला, बेनीन, नाईजीरिया पापुआ न्यू ग्वेना एवं थाईलैंड से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के अंडमान द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम के द्वारा फाइटोटैक्सा 177(3):161.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Opegrapha dekeselii* Ertz (ROCCELLACEAE)**

This species earlier known from Angola, Bénin, Nigeria, Papua New Guinea and Thailand, has been reported for the first time for India based on collections made from the Andaman Islands. The specimens are deposited in herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Phytotaxa 177 (3): 161. 2014.

**ओपेग्राफा इरोसीना वेन. (रोसेल्लेसी)**

पूर्वतः बेनीन, गैबोन, पापुआ न्यू ग्वेना फिलिपिंस, सिंगापुर एवं सेलोमन द्वीप से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के जॉन लोरेन्स द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को



पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम के द्वारा फाइटोटैक्सा 177(3):161.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Opegrapha irosina* Vain. (ROCCELLACEAE)**

This species earlier known from Bénin, Gabon, Papua New Guinea, the Philippines, Singapore and the Solomon Islands has been reported for the first time for India based on collections made from John Lawrence Island of Andaman. The specimens are deposited in herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Phytotaxa 177 (3): 161. 2014.

**ओपेग्राफा रोबुस्टा वेन. (रोसेल्लेसी)**

पूर्वतः आस्ट्रेलिया, गैबोन, इंडोनेशिया, मलेशिया, पापुआ न्यू ग्वेना, सेलोमन द्वीप, थाईलैंड एवं जाइरे से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के अंडमान द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इसे टी. ए. एम. जगदीश राम के द्वारा फाइटोटैक्सा 177(3):161.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Opegrapha robusta* Vain. (ROCCELLACEAE)**

This species earlier known from Australia, Gabon, Indonesia, Malaysia, Papua New Guinea, Solomon Islands, Thailand and Zaire has been reported for the first time for India based on collections made from Andaman Islands. The specimens are deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram in Phytotaxa 177 (3): 161. 2014.

**पॉलीमेरिडियम सबसिनेरियम (नायल.) आर. सी. हैरिस (ट्रायपिथेलिएसी)**

पूर्वतः पैन्ट्रोपिकल एशिया से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान द्वीप समूह से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय आधारकर अनुसंधान संस्थान, पूणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इसे पी. के. सेठी, जी. एस. पंडित एवं बी. ओ. शर्मा के द्वारा पारिपैक्स-इंडि. ज. रिस. 3(9):8.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Polymeridium subcinereum* (Nyl.) R. C. Harris (TRYPETHELIACEAE)**

This species earlier known from Pantropical Asia has been reported for the first time for India based on collections made from Andaman group of Islands. The specimens are deposited in herbarium of Agharkar Mycological Herbarium (AMH). It has been published by P.K. Sethy, G.S. Pandit & B.O.Sharma in Paripex-Ind. J. Res. 3(9): 8.2014.

**पेरिनुला माइक्रोकार्पा** मुल्ल. अर्ग (पायरेनुलेसी)

पूर्वतः पैन्ट्रोपिकल एशिया से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान द्वीप समूह से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय आधारकर अनुसंधान संस्थान, पूणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इसे पी. के. सेठी, जी. एस. पंडित एवं बी. ओ. शर्मा के द्वारा पारिपैक्स-इंडि. ज. रिस. 3(9):8.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Pyrenula microcarpa** Müll. Arg. (PYRENULACEAE)

This species was earlier known from Pantropical Asia has been reported for the first time for India based on collections made from Andaman group of Islands. The specimens are deposited in Herbarium of Agharkar Mycological Herbarium (AMH). It has been published by P.K. Sethy, G.S. Pandit & B.O. Sharma in Paripex-Ind. J. Res. 3(9):8.2014.

**पेरिनुला पायरजिल्लोस्पोरा** एफ्ट्रोटा (पायरेनुलेसी)

पूर्वतः पापुआ न्यू ग्वेना से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान द्वीप समूह से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय आधारकर अनुसंधान संस्थान, पूणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इसे पी. के. सेठी, जी. एस. पंडित एवं बी. ओ. शर्मा के द्वारा पारिपैक्स-इंडि. ज. रिस. 3(9):9.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Pyrenula pyrgillospora** Aptroot (PYRENULACEAE)

This species earlier known from Papua New Guinea has been reported for the first time for India based on collections made Andaman group of Islands. The specimens are deposited in herbarium of Agharkar Mycological Herbarium (AMH). It has been published by P.K. Sethy, G.S. Pandit & B.O. Sharma in Paripex-Ind. J. Res. 3(9):8.2014.

**सिगरिडिया क्लोरोल्यूका** (मुल्ल. अर्ग.) तेहलर (रोसेल्लेसी)

पूर्वतः वेनेजुएला से ज्ञात इस शैवाक जाति का पता भारत में प्रथम बार तमिलनाडु राज्य के सालेम जनपद पलामलाई हिल के शुष्क पर्णपाती वन क्षेत्र में फिकस जाति के वृक्ष से समुद्र तल से 700मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित किया गया है। इसे ए. आर. लोगेश, संतोश जोशी, कोमल के इंग्ले एवं दिलीप के उप्रेती के द्वारा ट्रॉपिकल प्ल. रिस. 1(1):3.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Sigridea chloroleuca** (Mull. Arg.) Tehler (ROCCELLACEAE)

This species was earlier known from Venezuela has been reported for the first time for India based on collections made from Ficus trees at the dry deciduous forests of Palamalai Hills, Salem district of Tamil Nadu, India at 700m altitude. The specimens are deposited in herbarium National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by A. R. Logesh, Santosh Joshi, Komal K. Ingle and Dalip K. Upreti in Tropical Pl. Res. 1(1): 3.2014.





कवक/FUNGI

Courtesy : M. Kaur

## कवक/FUNGI

दुनियाभर में व्याप्त कवक कार्बनिक पदार्थों के विघटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा पोषण चक्र के लिए अरिहार्य हैं। लंबे समय से इनका उपयोग एक खाद्य स्रोत के रूप में तथा विभिन्न खाद्य सामग्रियों को किण्वित करने में होता रहा है, अब ये प्रतिजैविक के रूप में भी महत्वपूर्ण स्रोत बन गये हैं।

भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 31 प्रतिशत हिस्सा कवकों का है।

हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय कवकों की लगभग 14,936 जातियाँ हैं।

इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में भारत से 01 नए वंश (महाराष्ट्र से) एवं

21 नयी जातियाँ, जिनमें (महाराष्ट्र से 13 जातियाँ, केरल एवं उत्तर प्रदेश में प्रत्येक से

03, सिक्किम एवं हिमाचल प्रदेश में प्रत्येक से 01 जाति)

05 नवीन अवजातीय प्रभेद (02 जातियाँ महाराष्ट्र एवं 03 जातियाँ पंजाब) से नयी अन्वेषित की गई हैं तथा भारत के लिये 26 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित किये गये हैं।

Fungi distributed worldwide, perform an essential role in nature by decomposing organic matter and are indispensable in nutrient cycling.

They have long been used as source of food and in fermentation of various food products and now they are an important source of antibiotics.

The Indian fungi account for about 31 per cent of the total plant species of the India.

In the present state of our knowledge India has about 14,936 species of fungi.

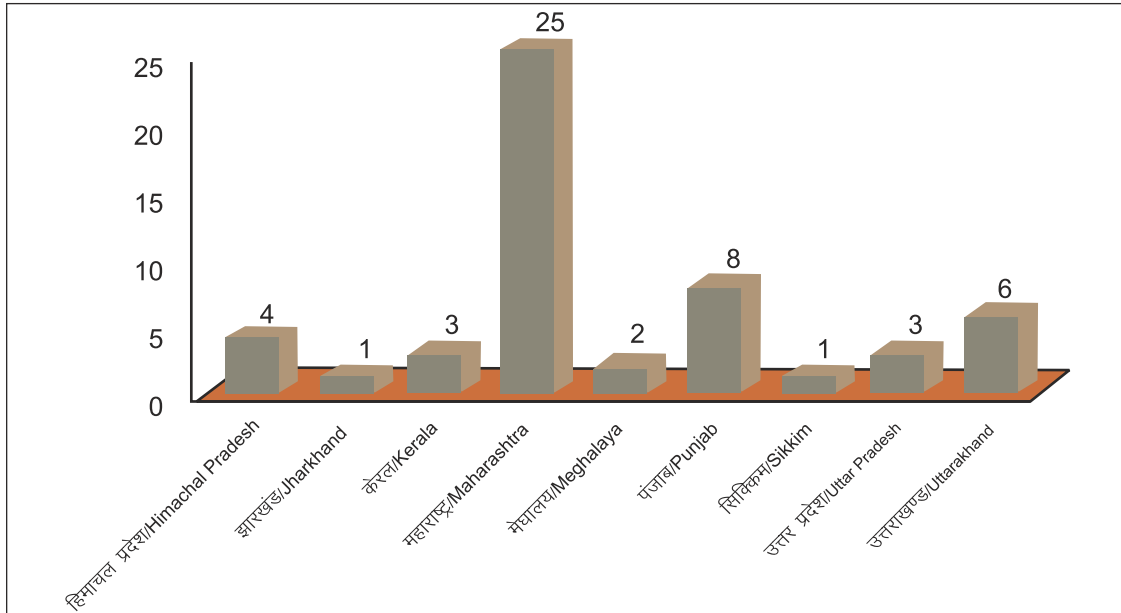
Many more are yet to be identified and described.

The collated information presented here includes 01 new genus (from Maharashtra)

21 new species (13 species from Maharashtra, 03 species each from Kerala and Uttar Pradesh, 01 species each from Himachal Pradesh and Sikkim) from India;

05 new varieties (02 from Maharashtra and 03 from Punjab) and

26 new distributional records for India.



विभिन्न राज्यों से अन्वेषित कवक  
FUNGI DISCOVERED FROM DIFFERENT STATES

**शिथनेमा** दुबे एवं मुन्नाम्बेथ, ज. थ्रिटन. टैक्सा, 6(12):6550.2014. (स्टिल्लबेल्लासी)

इस नवीन कवक वंश का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के सिंधुदुर्ग जनपद, सावंतवाड़ी तहसील से *पैन्डेनस टेक्टोरियस* सोल. एक्स पार्क के वायुवीय भागों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप आधारकर कवक-पादपालय, पुणे (एएमएच) एवं समप्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस वंश का नामकरण इसमें सिमैटस प्रकार की सतह (शीथ) की उपस्थिति के आधार पर किया गया है।

**Sheathnema** Dubey and Moonnambeth, J. Threat. Taxa, 6(12): 6550. 2014. (STILLBELLACEAE)

This new genus of synematal fungus discovered and described based on the collection made from the aerial parts of *Pandanus tectorius* Sol. ex Park., from Sawantwadi Taluka, Sindhudurg district of Maharashtra, India at 111m altitude. The holotype is deposited in Agharkar Research Institute, Pune (AMH) and isotype in herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The genus name refers to the sheath of synematous form.

### नवीन जाति / New Species

**अथ्रिनियम जैट्रोफाई** रोहित शर्मा, मायकोसाइंस 55.119.2014. (एपियोस्पोरेसी)



इस नवीन अंतःपरजीवी कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के पुणे (पिंपरी) से *जैट्रोफा पोडाग्रिका* हुक. के स्वस्थ पेटिओल से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप आधारकर कवक-पादपालय, पुणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे *जैट्रोफा पोडाग्रिका* के नाम पर किया गया है।

**Arthrimum jatrophae** Rohit Sharma, Mycoscience 55.119.2014. (APIOSPORACEAE)

This new endophytic fungal species has been discovered and described based on the collection made from healthy petiole of *Jatropha podagrica* Hook., from Pune (Pimpri), Maharashtra, India. The holotype is deposited in Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The species epithet refers to the host plant *Jatropha podagrica*.

**एस्टराईना लेन्सीयोलेटाई** पाटिल, भीसे एवं पाटिल, करंट रिसर्च इन इनवोरमेन्टल एंड एप्लाइड मायकोलॉजी 4(1):81.2014. (एस्टराईनेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के कोल्हापुर जनपद के पाटगांव से *सिजाइजियम लेन्सीयोलाटम* की स्वस्थ पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय क्रिप्टोगेमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे की जाति के नाम पर आधारित है।

**Asterina lanceolatae** Patil, Bhise & Patil, Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (1): 81.2014. (ASTERINACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Syzygium lanceolatum*, from Patgaon, Kolhapur district of Maharashtra, India. The holotype is deposited in Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO). The species name refers to the species epithet of host plant.





**एस्टराईना लेटिफोलियाई** पाटिल, भीसे एवं पाटिल, करंट रिसर्च इन इनवोरमेन्टल एंड एप्लाइड मायकोलॉजी 4(1):81.2014. (एस्टराईनेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के चंडोली वन्य जीव अभयारण्य, सांगली, पेटलॉड से *इलिग्नेस कोन्फेरेटा* की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय क्रिप्टोगेमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे के नाम पर आधारित है।

**Asterina latifoliae** Patil, Bhise & Patil, Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (1): 81.2014. (ASTERINACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Elaeagnus conferta*, from Chandoli Wildlife Sanctuary Sangli, Petlond of Maharashtra, India. The holotype is deposited in Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO). The species name refers to the host plant.

**एस्टराईना मिर्तासियारम** भीसे एवं पाटिल, फायटोटैक्सा 184(5):283.2014. (एस्टराईनेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के महाबलेश्वर के रिनोशी वन क्षेत्र में *सिजाईजियम कैरियोफायलेटम* की पत्तियों से 676मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय क्रिप्टोगेमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे के कुल मिर्तेसी पर आधारित है।

**Asterina myrtacearum** Bhise & Patil, Phytotaxa 184(5):283.2014. (ASTERINACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Syzygium caryophyllatum*, from Renoshi forest, Mahabaleshwar, Maharashtra, India at 676m altitude. The holotype is deposited in Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO). The species epithet refers to the host family Myrtaceae.

**कम्पानेला केरलेन्सिस** वी. ए. फारुख एवं मानिम, करंट रिसर्च इन इनवोरमेन्टल एंड एप्लाइड मायकोलॉजी 4(2):158.2014. (मारस्मीऐसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के पलक्कड़ जनपद, सायलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान में साईरेन्धी वर्ग के वन क्षेत्र में द्विबीजपत्री पेड़ की छाल से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय रॉयल वनस्पति उद्यान, क्यू (के) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है।



**Campanella keralensis** V.A. Farook & Manim, Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (2): 158.2014. (MARASMIACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from bark of a dicotyledonous tree from Silent Valley National Park, Sairandhri Section, Palakkad district of Kerala, India. The holotype is deposited in herbarium of Royal Botanical Garden, Kew (K). The specific epithet refers to the state of its occurrence.

**कोरनिस्पोरा मोरासिना** अर्चना सिंह, शाम. कुमार, आर. सिंह एवं दुबे, करंट रिसर्च इन इनवोरमेन्टल एंड एप्लाइड मायकोलॉजी 4(2):150.2014.

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तर प्रदेश के सोनभद्र से *फाइकस हिस्पीडा* की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप क्रिप्टोगेमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) एवं समग्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस (बीएचयू) के पादपालयोंमें संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे के कुल मोरेसी के नाम पर आधारित है।

**Corynespora moracina** Archana Singh, Sham. Kumar, R. Singh & Dubey, Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (2):150.2014.

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Ficus hispida* L., from Sonebhadra, Uttar Pradesh, India. The holotype is deposited in herbaria of Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO) and isotypes are in Deptt. of Botany, Banaras Hindu University, Banaras (BHU). The species name refers to the family of host plant Moraceae.

**कस्टींगोफोरा रत्नागीरियेन्सीस** दुबे एवं मुन्नाम्बेथ, नी-बायो, इंटरने. ज. इन्वॉन. बायोडायव. 4(6):31.2013.

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के रत्नागिरी के पनवल से *जिजिफस ओनोप्लीया* (लि.) मिल्ल. की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप की प्राप्ति रत्नागिरी में होने पर आधारित है।

**Custingophora ratnagiriensis** Dubey & Moonnambeth, NeBIO –Interl. J. Environ. Biodiver. 4(6):31. 2013.

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Zizyphus oenoplia* (L.) Mill. from Panval, Ratnagiri of Maharashtra, India. The holotype is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species is named after the type location in Ratnagiri.

**डरमोलोमा इंडिकम** के. एन. ए. राज एवं मानिम, फायटोटैक्सा 177(4):239.2014. (एगेरिकेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के थ्रिसूर जनपद के पीची वन से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय रॉयल वनस्पति उद्यान, क्यू (के) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश के नाम पर आधारित है।



**Dermoloma indicum** K.N.A. Raj & Manim, Phytotaxa 177(4):239.2014.  
(AGARICACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Peechi forest, Thrissur district of Kerala, India. The holotype is deposited in herbarium of Royal Botanical Garden, Kew (K). The species epithet is based on the country of its occurrence.

**डरमोलोमा केरलेन्से** के. एन. ए. राज एवं मानिम, फायटोटैक्सा 177(4):241.2014. (एगेरिकेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के कोल्लम जनपद केथिनमाला सेन्दुरुनी वन प्रभाग से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय रॉयल वनस्पति उद्यान, क्यू (के) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य केरल के नाम पर आधारित है।



**Dermoloma keralense** K.N.A. Raj & Manim, Phytotaxa 177(4):241.2014.  
(AGARICACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Thenmala Shenduruni forest division, Kollam district of Kerala, India. The holotype is deposited in herbarium of Royal Botanical Garden, Kew (K). The species is named after state of its occurrence.

**गोसियोमायसिस बैम्बूसिकोला** दुबे एवं मुन्नाम्बेथ, करंट रिसर्च इन् इनवोरमेन्टल एंड एप्लाइड मायकोलॉजी 4(2):212.2014.

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के रत्नागिरी के कुरने लांजा से *बैम्बूसा एरुडिनासिया* (रिट्ज.) विल्लड. के तने एवं पेटिओल से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप आधारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) एवं समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे के वंश पर आधारित है।

**Goosiomyces bambusicola** Dubey and Moonnambeth, Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4(2): 212. 2014.

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from stems and petioles of *Bambusa arundinacea* (Retz.) Willd, from Kurne Lanja, Ratnagiri of Maharashtra, India. The holotype is deposited in herbarium of Agharkar Research Institute, Pune (AMH) and isotype are in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species name refers to the host plant genus.



**लैक्टेरियस वेस्टरहोल्टाई** के. दास एवं डी. चक्रब., माइकोटैक्सॉन 129(2):478.2014. (रुस्सूलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम राज्य के नार्थ जनपद के बनसोई से 2323मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ जॉन वेस्टरहोल्ट (डेनमार्क) के सम्मान में उनके द्वारा रुस्सूलेसी कुल पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।



**Lactarius vesterholtii** K. Das & D. Chakr., Mycotaxon 129(2): 478. 2014. (RUSSULACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Bansoi, North district of Sikkim, India at 2323m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named in honour of Dr. Jan Vesterholt (Denmark) for his contribution to the family Russulaceae.

**लेम्बोसिया महाबलेश्वरेन्सीस** भीसे एवं पाटिल, फायटोटैक्सॉन 184(5):286.2014. (एस्टराईनेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के महाबलेश्वर के प्रतापगढ़ में *सिजाईजियम रुबिकुंडम* की जीवित पत्तियों से 829मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय क्रिप्टोगेमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थान के नाम पर आधारित है।

**Lembosia mahabaleshwariensis** Bhise & Patil, Phytotaxa 184(5):286.2014. (ASTERINACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Syzygium rubicundum*, from Pratapgad, Mahabaleshwar of Maharashtra, India at 829m altitude. The holotype is deposited in Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO). The species epithet refers to the type locality.

**मेलिओला डायोइकाई** भीसे एवं पाटिल, इंटर. ज. लाइफ साइंसेज 2(4):306.2014. (मिलियोलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के महाबलेश्वर के पर-वाड़ा में *ओलिया डायोका* राक्ब., की पत्तियों से 762मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय क्रिप्टोगेमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे की जाति के नाम पर आधारित है।

**Meliola dioicae** Bhise & Patil, Int. J. of Life Sciences 2(4):306.2014. (MELIOLACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Olea dioica* Roxb., from Par-Wada, Mahabaleshwar of Maharashtra, India at 762m altitude. The holotype is deposited in Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO). The species name is based on name of the host plant species.

**सारसिनेल्ला लिगूस्ट्राई** भीसे एवं पाटिल, इंटर. ज. लाइफ साइंसेज 2(4):309.2014. (सिपफनेरूलासी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के महाबलेश्वर में *लिगूस्ट्रम पेरोटियाई* ए. डीसी., की जीवित पत्तियों से 1339मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय क्रिप्टोगोमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे के वंश के नाम पर आधारित है।

**Sarcinella ligustri** Bhise & Patil, int. J. of Life Sciences 2(4):309.2014. (SCHIFFNERULACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Ligustrum perrotetti* A.DC., from old Mahabaleshwar of Maharashtra, India 1339m altitude. The holotype is deposited in Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO). The species epithet refers its host genus name.

**शिथनेमा इंडिकम** दुबे एवं मुन्नाम्बेंथ, ज. थ्रिटन. टैक्सा, 6(12):6550.2014. (स्टिलबेल्लासी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के सिंधुदुर्ग जनपद, सावंतवाड़ी तहसील से *पैन्डेनस टेक्टोरियस* सोल. एक्स पार्क के वायुवीय भागों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप अगरकर कवक-पादपालय, पुणे (एएमएच) एवं समप्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश के नाम पर आधारित है।

**Sheathnema indicum** Dubey and Moonnambeth, J. Threat. Taxa, 6(12): 6550. 2014. (STILLBELLACEAE)

This new species of synematal fungus discovered and described based on the collection made on aerial parts of *Panadanus tectorius* Sol. ex Park., from Sawantwadi Taluka, Sindhudurg District of Maharashtra, India at 111m altitude. The holotype is deposited in Agharkar Research Institute, Pune (AMH) and isotype in Herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species is named after the country of its occurrence.

**सुईल्लस ट्रायसिकुलेरिस** बी. वर्मा एवं एम. एस. रेड्डी, फायटोटैक्सा 162(3):158.2014. (सुल्लेसी)

इस नवीन एक्टोमायकोराइजल कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन हिमाचल प्रदेश के कारसोग, *पाइनस रॉक्सबुर्घाई* वृक्ष के नीचे से 1404मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके त्रिपर्णी चीड़ जाति के साथ पाये जाने के आधार पर ट्रायएकुलेरिस किया गया है।

**Suillus triacicularis** B. Verma & M.S. Reddy, Phytotaxa 162(3):158.2014. (SUILLACEAE)

This new ectomycorrhizal species of fungus discovered and described based on the collection made under the *Pinus roxburghii*, from Karsog, Himachal Pradesh, India at 1404m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Deptt. of Botany, Punjab University (PAN). The species epithet refers to the occurrence of new species with three-needle pine.

**वर्मिकुलेरियोपसेल्ला पपाई** दुबे, इंटर. ज. साइं. रिस. 3(6):35.2014. (हेलमेन्थोस्फेरिऐसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के पुणे स्थित भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, के उद्यान में *कैरिका पपाया* लि. के मृत तने से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे के नाम पर आधारित है।

**Vermiculariopsiella papaye** Dubey. Inter. J. Sci. Res., 3(6):35.2014. (HELMINTHOSPHAERIAACEAE)

This new fungusspecies discovered and described based on the collection made from dead stems of *Carica papaya* L., BSI garden, Pune, Maharashtra. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species is named after the host plant.



**जैसमिडियम डायोस्कोरिनम** अर्चना सिंह, आर. सिंह, शाम. कुमार, उपाध्याय एवं आर. एफ. कस्तानेडा, नोवा हेडविजिया 98(1-2):258.2014.

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर, बंसी से *डायोस्कोरिया अपोजिटिफोलिया* लि. की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप मूल प्ररूप पादपालय क्रिप्टोगेमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) एवं समप्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (जीपीयू) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे के वंश के नाम पर आधारित है।

**Zasmidium dioscorinum** Archana Singh, R.Singh, Sham. Kumar, Upadhyaya & R.F. Castañeda. Nova Hedwigia 98(1-2):258.2014.

This new fungus species discovered and described based on the collection made from leaves of *Dioscorea oppositifolia* L., from Bansi, Siddharthnagar, Uttar Pradesh, India. The holotype is deposited in Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO) and isotypes are in Deptt. of Botany, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur (GPU). The species is named after genus of host plant.

**जैसमिडियम रोबुस्टम** अर्चना सिंह, आर. सिंह, शाम. कुमार, उपाध्याय एवं आर. एफ. कस्तानेडा, नोवा हेडविजिया 98(1-2):260.2014.

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, कुसुम्ही वन क्षेत्र से *प्रूनस* लि. की जीवित पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय क्रिप्टोगेमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) एवं समप्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (जीपीयू) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके खुरदुरे एवं अपरिष्कृत रूप पर आधारित है।

**Zasmidium robustum** Archana Singh, R. Singh, Sham. Kumar, Upadhyaya & R.F. Castañeda. Nova Hedwigia 98(1-2):260.2014.

This new fungus species discovered and described based on the collection made from living leaves of *Prunus* L., from Kusumhi Forest, Gorakhpur, Uttar Pradesh, India. The holotype is deposited in Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO) and isotypes are in Deptt. of Botany, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur (GPU). The species epithet refers to its rough nature.

**जायगोस्पोरियम कोकोस दुबे एवं मुन्नाम्बेंथ, इंडियन. ज. फॉरेस्ट्री. 37(2):165.2014.**

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के पुणे स्थित भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, के उद्यान में *कोकोस न्यूसिफेरा* लि. से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे के वंश के नाम पर आधारित है।

**Zygosporium cocos** Dubey & Moonnambeth, Indian. J. Forest. 37(2):165.2014.

This new fungus species discovered and described based on the collection made from dead stems of *Cocos nucifera* L. BSI garden, Pune, Maharashtra. The holotype is deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). Species epithet refers to the genus of host plant.

**जायगोस्पोरियम डेलिनियाई दुबे एवं मुन्नाम्बेंथ, इंडियन. ज. फॉरे. 37(2):166.2014.**

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के सावंतवाड़ी से *डैलेनिया पेन्टागयाना* रॉक्सब. की जीवित पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे के वंश के नाम पर आधारित है।

**Zygosporium dilleniae** Dubey & Moonnambeth, Indian. J. Forest. 37(2):166.2014.

This new fungus species discovered and described based on the collection made from living leaves of *Dellenia pentagyna* Roxb., from Sawantwadi of Maharashtra, India. The holotype is deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species epithet named after the host plant genus.

**एस्टेरिडेल्ला वेबस्तेरी** होसाग. प्रभेद **ओलियाई** भीसे एवं पाटिल, इंटर. ज. लाइफ साइंसेज 2(4):302.2014. (मिलियोलेसी)

इस नवीन कवक प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के महाबलेश्वर के पर-वाड़ा में *ओलिया डायोका* राकब., की जीवित पत्तियों से 762मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय क्रिप्टोगेमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके पोषक पौधे के वंश के नाम पर आधारित है।

**Asteridiella websteri** Hosag. var. **oleae** Bhise and Patil, Int. J. Life Sciences 2(4):302.2014. (MELIOLACEAE)

This new fungal variety has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Olea dioica* Roxb., from Par-Wada, Mahabaleshwar of Maharashtra, India at 762m altitude. The holotype is deposited in Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO). The varietal epithet is based on name of the host genus.

**एस्टराईना डिस्सीलेनस** (सिडोव) डोइडगे प्रभेद **सिलेस्ट्राई** पाटिल, भीसे एवं पाटिल, करंट रिसर्च इन इनवोरमेन्टल एंड एप्लाइड मायकोलॉजी 4(1):84.2014. (एस्टराईनेसी)

इस नवीन कवक प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के सतारा, महाबलेश्वर से *मायटिनस प्यूबरुला* की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय क्रिप्टोगेमाई इंडियाई आरियंटेलिस, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके पोषक पौधे के कुल सिलेस्ट्रेसी के नाम पर आधारित है।

**Asterina dissiliens** (Sydow) Doidge var. **celastrii** Patil, Bhise & Patil, Curr. Res. Environ. Appl. Mycol. 4 (1): 84.2014. (ASTERINACEAE)

This new fungal variety has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Maytenus puberula*, from Satara, Mahabaleshwar of Maharashtra, India. The holotype is deposited in Cryptogamiae Indiae Orientalis, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO). The variety name refers to the host family Celastraceae.

**कोप्रीनोप्सीस कोथूरनाटा** (गोडे) रेडहेड, विलगेलिस एवं मोनकाल्वो. प्रभेद **इक्वीस्ट्रेका** अत्री, ए. कौर एवं एम. कौर, मायकोस्फीयर 5(1):18.2014.

इस नवीन कवक प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन पंजाब राज्य के बरनाला, सलेमपुर में घोड़े के लीद से 228मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण घोड़े के जंतु वैज्ञानिक नाम पर आधारित है।

**Coprinopsis cothurnata** (Godey) Redhead, Vilgalys and Moncalvo var. **equisterca** Atri, A. Kaur & M. Kaur, in Mycosphere 5 (1):18 .2014.

This new fungal variety has been discovered and described based on the collection made from growing in groups on horse dung from Barnala, Salempur of Punjab, India at 228m altitude. The holotype is deposited in herbarium, Deptt. of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The varietal epithet derived from the scientific name for horse.

**कोप्रीनोप्सीस राडिऐटा** (बोल्टोन:फ्र) रेडहेड, विलगेलिस एवं मोनकाल्वो. प्रभेद **मैक्रोकार्पा** अत्री, ए. कौर एवं एम. कौर, मायकोस्फीयर 5(1):15.2014.

इस नवीन कवक प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन पंजाब राज्य के भसौर, संगरूर में भैंस के गोबर से 231मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके वृहत कारपोफोर्स पर आधारित है।



**Coprinopsis radiata** (Bolton: Fr.) Redhead, Vilgalys and Moncalvo var. **macrocarpa** Atri, A. Kaur & M. Kaur, Mycosphere 5 (1):15.2014.

This new fungal variety has been discovered and described based on the collection made from buffalo dung from Bhasaur, Sangrur of Punjab, India at 231m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Deptt. of Botany, Punjabi University, Patiala(PUN). The varietal epithet refers large size of carpophores.



**लेपिओटा ह्यूमेई** मुरिल्ल, लायडिया प्रभेद **माइक्रोस्पोरा** एम. कौर एवं एन. कौर, ज. न्यू बायो. रिपो. 3(2):80.2014.(एगोरिकेसी)

इस नवीन कवक प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन पंजाब राज्य के नदामपुर ग्राम, संगरूर में गोबर से 231मी० की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति का मूल प्ररूप पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय,



पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके सूक्ष्माकार बीजाणु संरचना पर आधारित है।

**Lepiota humei** Murill, Lloydia var. **microspora** M. Kaur and N. Kaur, J. New Biol. Rep. 3(2): 80.2014. (AGARICACEAE)

This new fungal variety has been discovered and described based on the collection made from dung at Nadampur Village, Sangrur of Punjab, India at 231 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Deptt. of Botany, Punjabi University, Patiala(PUN). The varietal epithet refers to smaller size of its spores.

### नवीन वितरणपरक अभिलेख / New Distribution Records

#### वंश / Genus

**एकारोसायबील्लिना** (मतसुश.) शुबराम.

पूर्वतः पेरू, क्यूबा, न्यूजीलैंड एवं जापान से ज्ञात इस वंश का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के सिंधुदुर्ग जनपद सावंतवाड़ी तहसील से *कोकस न्यूसिफेरा* लि. के स्पाईडैक्स से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के पादपालय (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इसे रश्मि दुबे एवं नीलिमा ए. मुन्नाम्बेथ के द्वारा इंडियन फायटोपैथ.66(3):326.2013 में प्रकाशित किया गया है।

**Acarocybellina** (Matsush.) Subram.

This genus of fungi earlier known from Peru, Cuba, New Zealand and Japan, has been reported for the first time from India based on the collection made from growing on spadix of *Cocos nucifera* L., from Sawantwadi forest in Sindhudurg district of Maharashtra. The specimens are deposited in Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO) and Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species has been published by Rashmi Dubey and Neelima A. Moonnambethin Indian Phytopath. 66 (3): 326. 2013.

#### जातिपरक/Species

**एकारोसायबील्लिना ऐरेन्गे** (मतसुश.) शुबराम.

पूर्वतः पेरू, क्यूबा, न्यूजीलैंड एवं जापान से ज्ञात इस वंश का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के सिंधुदुर्ग जनपद सावंतवाड़ी तहसील से *कोकस न्यूसिफेरा* लि. के स्पाईडैक्स से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के पादपालय (एचसीआईओ) में संग्रहित किया गया है। इसे रश्मि दुबे एवं नीलिमा ए. मुन्नाम्बेथ के द्वारा इंडियन फायटोपैथ 66(3):326.2013 में प्रकाशित किया गया है।

**Acarocybellina arengae** (Matsush.) Subram.

This species earlier known from Peru, Cuba, New Zealand and Japan, has been reported for the first time from India based on the collection made from growing on spadix of *Cocos nucifera* L., from Sawantwadi forest in Sindhudurg district of Maharashtra. The specimens are deposited in Indian Agricultural Research Institute, New Delhi (HCIO) and Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species has been published by Rashmi Dubey and Neelima A. Moonnambethin Indian Phytopath. 66 (3): 326. 2013.

**अल्बट्रेल्लस ओविनस कोल्ट. एवं पोज.**

पूर्वतः नार्वे, फिन्लैंड एवं यूरोप से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के नैनीताल जनपद में मृदा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इसे ललिता एवं आई. बी. पराशर के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(3):182.2014 में प्रकाशित किया गया है।



**Albatrellus ovinus** Kotl. & Pouz.

This species earlier known from Norway, Finland and Europe has been first time reported for India based on the collection made from soil, Nainital district of Uttarakhand. The specimens are deposited in herbarium of Botany Deptt, Panjab University, Chandigarh (PAN). The species has been published by Lalita and I. B Prasher in J. New Biol. Reports 3(3):182.2014.

**बोरोफुटस ढाकानुस होसेन एवं ज्यू एल. यांग (बोलिटेसी)**

पूर्वतः बांग्लादेश से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार झारखंड राज्य के कोडरमा वन्य जीव अभयारण्य, छातरबाड़ से 380मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसे अरविंद परिहार, एम. ई. हेम्ब्रम एवं कनद दास के द्वारा निलूम्बो 56.342.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Borofutus dhakanus** Hosen & Zhu L. Yang (BOLETACEAE)

This species earlier known from Bangladesh has been first time reported for India based on the collection made from Chatarbar, Koderma Wild life Sanctuary, Jharkhand at 380m. altitude. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species has been published by Arvind Parihar, M.E. Hembrom and Kanad Das in Nelumbo 56.342.2014.

**कैटेनुलेरिया क्यूबेन्सिस होल-जेच (किटोस्फेरिऐसी)**

पूर्वतः क्यूबा से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के पुणे में नारियल कोकस न्यूसिफेरा लि. की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इसे रश्मि दुबे एवं नीलिमा ए. मुन्नाम्बेथ के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(3):200. 2014. में प्रकाशित किया गया है।

**Catenularia cubensis** Hol-Jech (CHAETOSPHARIACEAE)

This species earlier known from Cuba is reported for the first time for India based on collection made from leaf sheath of *Cocos nucifera* L. The specimens are deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species has been published by Rashmi Dubey and Neelima A. Moonnambeth in J. New Biol. Reports 3(3): 200. 2014.

**क्लोरोफायलम स्फेरोस्पोरम जे. डब्ल्यू. गी एवं ज्यू एल. यांग (एगेरिकेसी)**

इस मशरूम जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब राज्य के पटियाला स्थित पंजाबी विश्वविद्यालय के कैंपस में ह्यूमिकोलस मृदा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे मुनरुची कौर, नरेन्द्रजीत कौर एवं नसीमा अकबर के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(2):81.2014. में प्रकाशित किया गया है।



**Chlorophyllum sphaerosporum** Z.W.Ge & Zhu L. Yang (AGARICACEAE)

This mushroom species is reported for the first time for India based on the collection made from humicolous soil, Punjabi University Campus, Patiala, Punjab. The specimens are deposited in herbarium Deptt. of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Munruchi Kaur, Narinderjit Kaur and Naseema Aqbarin J. New Biol. Reports 3(2):81. 2014.



**कोप्रीनोप्सिस स्फूडोनिविया** (बेन्डर एंड उल्जे.) रेडहेड, विलगैलिस एवं मोनक्लावो

पूर्वतः नीदरलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब राज्य के संगरूर, लैन्ग्रीयन से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे के. अमनदीप, एन. एस. अत्री, एवं के. मुनरूची के द्वारा मायकोस्फीयर 5(1):22.2014. में प्रकाशित किया गया है।

**Coprinopsis pseudonivea** (Bender and Uljé) Redhead, Vilgalys and Moncalvo

This species, earlier known from Netherland has been reported for the first time for India based on the collection made from Sangrur, Langrian of Punjab. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, Punjabi University (PUN). The species has been published by K. Amandeep, N.S. Atri and K. Munruchi in Mycosphere 5(1):22.2014.

**कोप्रीनोप्सिस वर्मीकुलिफेरा** (जोसः डेन्सिस) रेडहेड, विलगैलिस एवं मोनक्लावो

पूर्वतः यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण जार्जिया, संयुक्त राज्य, आस्ट्रेलिया एवं इटली से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब राज्य के गृहशंकर, होशियारपुर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे के. अमनदीप, एन.एस.अत्री, एवं के. मुनरूची के द्वारा मायकोस्फीयर 5(1):3.2014. में प्रकाशित किया गया है।

**Coprinopsis vermiculifera** (Joss.: Dennis) Redhead, Vilgalys and Moncalvo

This species, earlier known from Europe, Africa, South Georgia, United Kingdom, Australia and Italy has been reported for the first time on India based on the collection from Garhshankar, Hoshiarpur of Punjab at 295m altitude. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by K. Amandeep, N.S. Atri and K. Munruchi in Mycosphere 5(1):3.2014.

**कुकुरबिडोथीस पिथियोफिला** (सिमिड्ट एवं कुजे) पेटर.

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार *ड्रासेना फ्रेगेन्स* लि. की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इसे रश्मि दुबे एवं नीलिमा ए. मुन्नाम्बेथ के द्वारा ज. मायकोल. प्लांट. पैथोलॉजी 43(4):489.2013 में प्रकाशित किया गया है।

**Cucurbitodithis pithyophila** (Schmidt and Kunze) Petr.

This species has been first time reported from India based on the collection made from leaves of *Dracena fragans* L. The specimens are deposited in herbarium, Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species has been published by Rashmi Dubey and Neelima A Moonnambethin J. Mycol. Plant Pathol., 43(4):489. 2013.

**सायक्लोमायसिस फुसकुस** फेर. (हायमिनोकिटेसी)

पूर्वतः जापान एवं ताइवान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मेघालय राज्य से 1900 मी० की ऊंचाई पर मावफलांग के पवित्र वन में कठोर काष्ठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को माइक्रोबियल इकोलॉजिकल लैबोरेटरी, वनस्पति विज्ञान विभाग, नार्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग (एनईएचयू) में संग्रहित किया गया है। इसे अरोमा लिंगदोह एवं ममताज एस दखार के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(1):25.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Cyclomyces fuscus** Fr. (HYMENOCHAETACEAE)

This species, earlier known from Japan and Taiwan has been reported from India based on the collection made from log of hardwood, in Mawphlang sacred grove, Meghalaya, India at 1900m altitude. The specimens are deposited in Microbial Ecology Laboratory, Deptt. of Botany, North Eastern Hill University, Shillong (NEHU). The species has been published by Aroma Lyngdoh and Mamtaj S. Dkhar in J. New Biol. Reports 3(1):25.2014.

**डिप्लोमिटोपोरस क्रुस्टूलाइनस** (ब्रेस.) डोमनेस्की (फोमिटोप्सीडसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के रुद्रप्रयाग जनपद से अनाबृतबीजी काष्ठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसे ललिता एवं आई. बी. पराशर के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(1):31.2014. में प्रकाशित किया गया है।



**Diplomitoporus crustulinus** (Bres.) Domanski  
(FOMITOPSIDACEAE)

This species has been first time reported from India based on the collection made from gymnospermic log, from Rudarprayag district of Uttarakhand. The specimens are deposited in herbarium, Botany Deptt. Panjab University, Chandigarh (PAN). The species has been published by Lalita and I. B Prasher in J. New Biol. Reports 3(1):31.2014.

**फोमिटोप्सीस लिलासीनोजिल्वा** (बेर्क) जे. ई. राइट एवं जे. आर. डिसचैम्प (फोमिटोप्सीडसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार हिमाचल प्रदेश के मंडी जनपद के धौतू से *सिड्रस देवदारा* की काष्ठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इसे दिपाली अशोक एवं आई. बी. पराशर के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(1):4. 2014 में प्रकाशित किया गया है।



**Fomitopsis lilacinogilva** (Berk.) J.E. Wright & J.R. Deschamps  
(FOMITOPSIDACEAE)

This species has been first time reported from India based on the collection made from *Cedrus deodara* log, from Dhnotu, Mandi district of Himachal Pradesh. The specimens are deposited in herbarium of Botany Deptt. Panjab University, Chandigarh (PAN). The species has been published by Deepali Ashok and I. B. Prasher in J. New Biol. Reports 3(1):4.2014.

**हेमिबेल्ट्रानिया नेक्ट्रान्डाई** (बटिस्टा एवं माइया) पिरोजायनेस्की

इस फोलिकोलस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के लोनावला से *लिट्सिया स्टोक्सई* की जीवित पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इसे रश्मि दुबे एवं नीलिमा ए. मुन्नाम्बेथ के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(3):200.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Hemibeltrania nectandrae** (Batista & Maia) Pirozynski

This species of follicolous fungi is reported for the first time from India based on collection made from living leaves of *Litsea stocksii*, Lonavala of Maharashtra. The specimens are deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). It has been published by Rashmi Dubey and Neelima A. Moonnambeth in J. New Biol. Reports 3(3): 200. 2014.

**हुमफ्रेया कॉफिेटम (ब्रेक.) स्टीएर्ट (गैनोडर्मिटेसी)**

पूर्वतः ब्राजील, बोलिविया, क्यूबा एवं पुर्टो रिको से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मेघालय राज्य से 1900 मी० की ऊंचाई पर मावफलांग के पवित्र वन में *इलियोकार्पस लैंसिफोलियस* वृक्ष के तन से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को माइक्रोबियल इकोलॉजिकल लैबोरेटरी, वनस्पति विज्ञान विभाग, नार्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग (एनईएचयू) में संग्रहित किया गया है। इसे अरोमा लिंगदोह एवं ममताज एस दखार के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(1):26.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Humphreya coffeatum (Berk.) Steyaert (GANODERMATACEAE)**

This species, earlier known from Brazil, Bolivia, Cuba and Puerto Rico has been first time reported from India based on the collection made from living tree of *Elaeocarpus lancifolius*, in Mawphlang sacred grove, Meghalaya, India at 1900m altitude. The specimens are deposited in Microbial Ecology Laboratory, Deptt. of Botany, North Eastern Hill University, Shillong (NEHU). The species has been published by Aroma Lyngdoh and Mamtaj S. Dkhar in J. New Biol. Reports 3(1):26.2014

**हायफोडोन्टीया बारबाजोबीस (बुल्ल.) जे. इरिकिस (फोमिटोप्सीडसी)**

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार हिमाचल प्रदेश के सिरमौर, रेणुका झील के समीप आवृतबीजी की काष्ठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इसे दिपाली अशोक एवं आई. बी. पराशर के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(1):7. 2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Hyphodontia barbajovis (Bull.) J. Erikss (FOMITOPSIDACEAE)**

This species has been first time reported from India based on from the collection made from angiospermic log, Near Renuka Lake, Sirmour of Himachal Pradesh. The specimens are deposited in herbarium of Botany Department, Panjab University, Chandigarh (PAN). The species has been published by Deepali Ashok and I. B. Prasher in J. New Biol. Reports 3(1):7.2014.

**इड्रीएल्ला लुनाटा पी. ई. नेल्सन एवं एस. वेलहम (हिलोटिऐसी)**

इस फोलिकोलस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के सतारा जनपद, कोयना से *एल्लोफायलस कोब्बी* की जीवित पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इसे रश्मि दुबे एवं नीलिमा ए. मुन्नाम्बेंथ के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(3):201.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Idriella lunata P. E. Nelson & S. Wilhelm (HELOTIACEAE)**

This species of follicolous fungi is reported for the first time from India based on collection made from living leaves of *Allophylus cobbe*, Koyna, Satara, Maharashtra, India. The specimens are deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species has been published by Rashmi Dubey and Neelima A. Moonambeth in J. New Biol. Reports 3(3): 201. 2014.

**लेपिओटा ब्रुनियोइनकारनाटा चोडट एवं सी. मार्टिन (एगोरिकेसी)**



इस हल्के बीजाणुक मशरूम जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाब राज्य के पटियाला स्थित पंजाबी विश्वविद्यालय के कैंपस में ह्यूमिकोलस मृदा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इसे मुनरूची कौर, नरेन्द्रजीत कौर एवं नसीमा अकबर के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(2):81.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Lepiota brunneoincarnata** Chodat & C. Martin (AGARICACEAE)

This light spored mushroomspecies is reported for the first time from India based on collection made from humicolous soil, Punjabi University Campus, Patiala, Punjab. The specimens are deposited in herbarium Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). The species has been published by Munruchi Kaur, Narinderjit Kaur and Naseema Aqbarin J. New Biol. Reports 3(2):81. 2014.

**मायकोवेल्लोसिएल्ला सोलानी-टोर्वी (फ्राग. एवं सिफ.) डिघटन (मायकोस्फेरिलेसी)**

इस फोलिकोलस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के सावंतवाड़ी तहसील से वाइटैक्स ट्राईफोलिया की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इसे रश्मि दुबे एवं नीलिमा ए. मुन्नाम्बेथ के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(3):201. 2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Mycovellosiella solani-torvi** (Frag. & Cif.) Deighton (MYCOSPHERACEAE)

This species of follicolous fungi is reported for the first time from India based on collection made from leaves of *Vitex trifolia* L.f. from Sawantwadi Taluka, Maharashtra, India. The specimens are deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species has been published by Rashmi Dubey and Neelima A. Moonambeth in J. New Biol. Reports 3(3): 201. 2014.

**पेरेन्नीपोरिया फ्रैक्सिनोफिला (पेक) रायवरदान (फोमिटोप्सीडेसी)**

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार हिमाचल प्रदेश के मंडी जनपद, नैर चौक के समीप से आवृतबीजी काष्ठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इसे दिपाली अशोक एवं आई. बी. पराशर के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(1):6.2014 में प्रकाशित किया गया है।



**Perenniporia fraxinophila** (Peck) Ryvarden  
(FOMITOPSIDACEAE)

This species has been first time reported from India based from the collection made from angiospermic log, Ner Chowk, Mandi district of Himachal Pradesh. The specimens are deposited in herbarium of Botany Department, Panjab University, Chandigarh (PAN). The species has been published by Deepali Ashok and I. B. Prasher in J. New Biol. Reports 3(1):6.2014.

**पेरिकोनिऐल्ला टिलोपियाई (हैन्सेफ.) एम. बी. इल्लिस (मायकोस्फेरिलेसी)**

इस फोलिकोलस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के सावंतवाड़ी तहसील से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इसे रश्मि दुबे एवं नीलिमा ए. मुन्नाम्बेंथ के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(3):201.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Periconiella telopeae (Hansf.) M. B. Ellis (MYCOSPHAERELLACEAE)**

This species of follicolous fungi is reported for the first time for India based on collection made from Sawantwadi Taluka, Maharashtra, India. The species has been published by Rashmi Dubey and Neelima A. Moonnambeth in J. New Biol. Reports 3(3): 201.2014.

**फ्रागमोस्पाथुला ब्रैचेस्पाथुलाटा मेरकाडो**

इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के पुणे स्थित भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र पुणे के वानस्पतिक उद्यान में *रोस्टोनिया रेजिया* (कुन्थ) ओ. एफ. कुक की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूपों को आधारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे एवं पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इसे रश्मि दुबे एवं नीलिमा ए. मुन्नाम्बेंथ के द्वारा नीबायो, इंटर. ज. इंवायर. बायोडाय. 5(1):25.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Phragmospathula brachyspathula Mercado**

This species of fungi is reported for the first time from India based on collection made from leaves of *Roystonea regia* (Kunth) O.F. Cook at Garden of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra. The specimens are deposited in herbaria of Agharkar Research Institute, Pune (AMH) and Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI) respectively. The species has been published by Rashmi Dubey and Neelima A. Moonnambeth in NeBio Interl. J. Environ. Biodiver. 5(1):25.2014.

**फायसोपेल्ला हिराटसूकाई (सिड.) कुम्मीनिस एवं रामचंद्र. (फाकोप्सोरेसी)**

इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र राज्य के थाणे जनपद, मालसेज घाट, *बैम्बूसा अरुंडीनासिया* वाइल्ड की पत्तियों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इसे रश्मि दुबे एवं नीलिमा ए. मुन्नाम्बेंथ के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 2(2):124. 2013 में प्रकाशित किया गया है।

**Physopella hiratsuke (Syd.) Cummins & Ramachar. (PHAKOPSORACEAE)**

This species of fungi is reported for the first time from India based on collection made from living leaves of *Bambusa arundinacea* Willd, from Malshej Ghat, Thane district of Maharashtra, India. The specimens are deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune (BSI). The species has been published by Rashmi Dubey and Neelima A. Moonnambeth in J. New Biol. Reports 2(2): 124. 2013.

**पोस्तीया सेरीफ्लूआ** (बेरक. एवं एम. ए. कूर्टिस) जुलिच (फोमिटोप्सीडसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के देहरादून जनपद, मसूरी के लाल टिब्बा से *पाइनस* जाति के अनाबृतबीजी काष्ठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इसे ललिता एवं आई. बी. पराशर के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(1):29.2014 में प्रकाशित किया गया है।



**Postia ceriflua** (Berk. & M.A. Curtis) Jülich  
(FOMITOPSIDACEAE)

This species has been first time reported from India based on the collection made from decaying *Pinus* sp. log, from Lal Tibba, Mussoorie, Dehradun district of Uttarakhand. The specimens are deposited in herbarium of Botany Deptt. Panjab University, Chandigarh(PAN). The species has been published by Lalita and I. B Prasher in J. New Biol. Reports 3(1):29.2014.

**वर्टिसिलियम टेन्यूइसिमम** कोर्डा (प्लेक्टोस्फेरिल्लासी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के देहरादून जनपद स्थित वन अनुसंधान संस्थान में चीड़ वन प्रभाग से लिये गये मृदा संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को नेशनल टाइप कल्चर, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (डीडी) में संग्रहित किया गया है। इसे ज्योति बिष्ट, एन. एस. के. हर्ष, एल. एम. एस. पालिनी एवं वी. पांडे के द्वारा इंडियन फॉरेस्टर 140(1):547.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Verticillium tenuissimum** Corda. (PLECTOSPHAERELLACEAE)

This species has been first time reported from India based on the collection made from soil samples collected from Pine forest at Forest Research Institute, Dehradun district of Uttarakhand. The specimens are deposited in National type Culture Collection, Forest Pathology Division, Forest Research Institute, Dehradun (DD). The species has been published by Jyoti Bisht, N.S.K. Harsh, L.M.S. Palini and V. Pande in Indian Forester 140 (1):547.2014.

**जैन्थोपोरस पेकियानस** (कुक) ओडेल

पूर्वतः चीन, जापान एवं यूरोप से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के देहरादून जनपद, मसूरी में *सिड्रस देवदारा* (देवदार वृक्ष) की काष्ठ से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इसे ललिता एवं आई. बी. पराशर के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(3):185.2014 में प्रकाशित किया गया है।



**Xanthoporus peckianus** (Cooke) Audel

This species earlier known from China, Japan and Europe has been first time reported for India based on the collection made on log of *Cedrus deodara* from Mussoorie, Dehradun district of Uttarakhand. The specimens are deposited in herbarium of Botany Deptt. Panjab University, Chandigarh (PAN). The species has been published by Lalita and I. B Prasher in J. New Biol. Reports 3(3):185.2014.



**जेनेस्मा तुलास्नेल्लोयडियम** (होन. एवं लिट्श्च.) डोंक (जेनास्माटेसी)

इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के चमोली जनपद, कर्णप्रयाग से गलित आवृतबीजी टहनी से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इसे ललिता एवं आई. बी. पराशर के द्वारा ज. न्यू बायो. रिपोर्ट्स 3(1):35.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Xenasma tulasnelloideum**(Höhn. & Litsch.) Donk (XENASMATACEAE)

This species has been first time reported from India based on the collection made from decaying angiospermic twig, from Karanpayag, Chamoli district of Uttarakhand. The specimens are deposited in herbarium of Botany Deptt. Panjab University, Chandigarh (PAN). The species has been published by Lalita and I. B Prasher in J. New Biol. Reports 3(1):35.2014.



शैवाल/ALGAE

Courtesy : Bast



## शैवाल/ALGAE

शैवाल एककोशीय से बहुकोशीय संरचना वाले सरल, प्ररूपी तौर पर स्वपोषी पादपों का विशाल एवं विविधतापूर्ण समूह है।

विश्व स्तर पर शैवालों का अत्यधिक दोहन होने के साथ ही भारत में भी शैवालों के बारे में जानकारी में लगातार गुणात्मक वृद्धि हो रही है।

भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 15.29 प्रतिशत हिस्सा शैवालों का है।

हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय शैवालों की लगभग 7,309 जातियाँ हैं।

इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में भारत से 1 नया वंश एवं

09 नयी जातियाँ, जिनमें (गोवा, महाराष्ट्र एवं राजस्थान में प्रत्येक से 02, आंध्र प्रदेश, झारखण्ड एवं पश्चिम बंगाल में प्रत्येक से 01) तथा भारत के लिये 15 जातियों के नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित किये गये हैं।

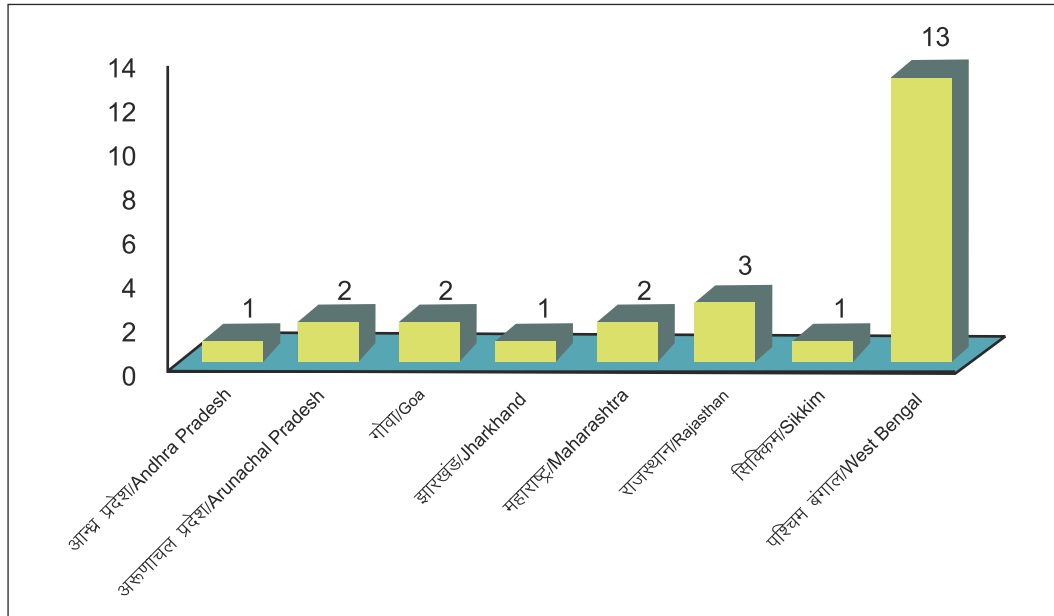
Algae are large and diverse group of simple, typically autotrophic organisms from unicellular to multicellular forms.

Though algae are becoming more and more open to exploitation worldwide, knowledge on algae in India increasing tremendously in recent times.

The Indian algae account for about 15.29 per cent of the total species of the India.

In the present state of our knowledge India has about 7,309 species of algae. Many more are yet to be Identified and described.

The collated information presented here includes 01 genus from Rajasthan, 09 new species (02 species each from Goa , Maharashtra and Rajasthan, 01 species each from Andhra Pradesh, Jharkhand and West Bengal); and 15 species as new distributional records for India.



विभिन्न राज्यों से अन्वेषित शैवाल  
ALGAE DISCOVERED FROM DIFFERENT STATES

**डेजर्टीफिल्लम दधीच एवं क्रैनिट्ज फाइकोलॉजिया 51(3):261.2012. (ओसिलोटेरीऐसी)**

इस नवीन सायनोबैक्टेरियल शैवाल वंश का अन्वेषण एवं वर्णन राजस्थान के थार मरुस्थल में जैविक छाल से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप को पादपालय बॉटनीकल म्यूजियम, बर्लिन, जर्मनी (बी) एवं समप्ररूप क्रमशः कल्चर कलेक्शन ऑफ एल्गी एंड प्रोटोजोआ, यूके (सीसीएपी) एवं बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, जयपुर (बीआईएसआर) में संग्रहित किया गया है। वंश का नामकरण इसके मरुस्थली होने पर आधारित है।

**Desertifilum** Dadheech & Krienitz, Phycologia 51(3):261.2012. (OCCILOTARIACEAE)

This new genus of cyanobacterial algae is discovered and described based on the collection made from the Desert biological crust, Thar Desert, Rajasthan, India. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Museum, Berlin, Dahlem, Germany (B) and isotypes are in herbaria of Culture Collection of Algae and Protozoa, UK (CCAP) and Birla Institute of Scientific Research, Jaipur (BISR). The generic epithet refers to the condition of habitat (desert) of its occurrence.

**नवीन जाति / New Species**

**बैजियोप्सीस फ्रैंकलियोटाई** जे. ए. वेस्ट, दी गोर एवं जुकारलो, एल्गी 29(2):106.2014. (स्टाईलोनिमाटोफायसी)

इस नवीन लाल शैवाल का अन्वेषण एवं वर्णन विशाखापट्टनम्, आंध्र प्रदेश एवं सैंडी पूल, केप ट्रिब्यूलेशन, क्वीनसलैंड आस्ट्रेलिया से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप को नेशनल हरबेरियम ऑफ विक्टोरिया, रॉयल वनस्पति उद्यान, बर्डवुड इव, आस्ट्रेलिया में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण प्रसिद्ध अमेरिकी शैवाल विज्ञानी फ्रैंकलाइन डी. ओट्ट के सम्मान में किया गया है।



**Bangiopsis franklynottii** J. A. West, de Goer and Zuccarello, Algae 29(2): 106.2014. (STYLONEMATOPHYCEAE)

This new red algae species is discovered and described based on the collection made from Vishakhapatnam coast, Andhra Pradesh, India and from sandy pool at Cape tribulation, Queensland, Australia. The culture collection is deposited in National Centre for Marine Algae & Microbiota, USA (NCMA) and isotype is deposited in the National Herbarium of Victoria, Royal Botanic Garden, Birdwood Ave, Australia. The species is named in honour of renowned American algologist Franklyn D. Ott.

**डेजर्टीफिल्लम थारेन्से** दधीच एवं क्रैनिट्ज फाइकोलॉजिया 51(3):261.2012. (ओसिलोटेरीऐसी)

इस नवीन सायनोबैक्टेरियल शैवाल का अन्वेषण एवं वर्णन राजस्थान के थार मरुस्थल में जैविक छाल से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप को पादपालय बॉटनीकल म्यूजियम, बर्लिन, जर्मनी (बी) एवं समप्ररूप क्रमशः कल्चर कलेक्शन ऑफ एल्गी एंड प्रोटोजोआ, यूके (सीसीएपी) एवं बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, जयपुर (बीआईएसआर) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण थार मरुस्थल, राजस्थान के नाम पर आधारित है।

**Desertifilum tharense** Dadheech & Krienitz, Phycologia 51(3):261.2012. (OCCILOTARIACEAE)

This new cyanobacterial algae species is discovered and described based on the collection made from Thar Deserts of Rajasthan, India. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Museum, Berlin, Dahlem, Germany (B) and isotypes are in herbaria of Culture Collection of Algae and Protozoa, UK (CCAP) and Birla Institute of Scientific Research, Jaipur (BISR). The species epithet refers to its geographic origin, the Thar Deserts, Rajasthan.



**जॉन्नेसबापटिस्टीया देसिकाचाराई** राज. के. गुप्ता एवं सुदिप्तो के. दास, निलुम्बो 56:283.2014. (इंटोफायसैलिडेसी)

इस नवीन शैवाल का अन्वेषण एवं वर्णन झारखंड राज्य के जमतारा में करमदाह घाट के समीप स्वच्छ जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप को क्रिप्टोगैमिक प्रभाग, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण स्व. प्रो. टी. वी. देसिकाचारी के सम्मान में उनके द्वारा भारतीय शैवालों पर दिये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

**Johannesbaptistia desikacharyi** Raj. K. Gupta & Sudipta K. Das, Nelumbo 56: 283. 2014. (ENTOPHYSALEDACEAE)

This new algae species has been discovered and described based on collections made from freshwater lotic water body adjacent to Karamdah Ghat, Jamtara, Jharkhand. The holotype is deposited, Cryptogamic section, Central National Herbarium, (CAL). This species has been named after late Prof. T.V. Desikachary as a tribute to his invaluable contribution to Indian algae.

**मायकोनैस्टीस पुष्पाई** क्रेनिट्ज, सी. बोक, दधिच एवं प्रोस्होल्ड, फाइकोलॉजिया 50(1):103.2011. (क्लोरोफायसी)

इस नवीन समुद्री शैवाल का अन्वेषण एवं वर्णन राजस्थान राज्य के जयपुर स्थित अंबर किले के नीचे की लघु पहाड़ी पर बने तालाब से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप को कल्चर कलेक्शन ऑफ एल्गी एंड प्रोटोजोआ, यूके (सीसीएपी) एवं समप्ररूप को बॉटनीकल म्यूजियम, बर्लिन, जर्मनी (बी) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण प्रसिद्ध भारतीय शैवालविद् डा. पुष्पा श्रीवास्तव के सम्मान में किया गया है।

**Mychonastes pushpae** Krienitz, C. Bock, Dadheech & Proschold, Phycologia 50 (1):103.2011. (CHLOROPHYCEAE)

This new algae species is discovered and described based on the collection made from a Pond in the foothills of the Amber Fort, Jaipur, Rajasthan, India. The holotype of the strain is cryopreserved at Culture Collection of Algae and Protozoa, Oban, Scotland (CCAP) and isotypes are in Botanical Museum at Berlin-Dahlem, Germany (B). The species is named in honour of Indian Phycologist Dr. Pushpa Srivastava, Jaipur.

**निश्चिया कोशियोलैकाई** अलकनंदा, बी. कार्तिक, जे. सी. टेलर एवं पी. बी. हैम्लिटन, फाइकोलॉ. रिस. 2.2014. (बेसिलेरियोफॉयसी)

इस नवीन शैवाल का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के बुल्दाना जनपद के कमलजा देवी मंदिर प्रांगण में पक्षी जलाशय से 563मी. की ऊंचाई पर प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप पादपालय, अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) एवं समप्ररूप को क्रमशः वनस्पति विज्ञान विभाग, नार्थ वेस्ट विश्वविद्यालय, पोर्टसीफस्ट्रोम, दक्षिण अफ्रिका (एनडब्ल्यूयू) एवं कनाडा नेशनल पादपालय, कनेडियन म्यूजियम ऑफ नेचर, ओट्टावा, कनाडा (सीएएनए) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण प्रो. जे. पैट्रिक कोचियोलैक, कोलेरेडो विश्वविद्यालय, के सम्मान में किया गया है।

**Nitzschia kocioleki** Alakananda, B. Karthick, J.C. Taylor & P.B. Hamilton Phycol. Res. 2. 2014. (BACILLARIOPHYCEAE)

This new algae species is discovered and described based on the collection made from Bird feeding pond in Kamalja Devi Temple, Buldana district of Maharashtra, India at 563m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, (AMH) and isotypes are in herbaria of Deptt. of Botany, North West University Potchefstroom, South Africa (NWU) and National Herbarium of Canada, Canadian Museum of Nature, Ottawa, Canada (CANADA). This species is named after Professor J. Patrick Kociolek, University of Colorado, USA.

**निश्चिया ट्राईपुडो** अलकनंदा, बी. कार्तिक, जे. सी. टेलर एवं पी. बी. हैम्लिटन, फाइकोलॉ. रिस. 6.2014. (बेसिलेरियोफॉयसी)

इस नवीन शैवाल का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के बुल्दाना जनपद के कमलजा देवी मंदिर प्रांगण में पक्षी जलाशय से 563मी. की ऊंचाई पर प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप पादपालय, आधारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसके एरिओल की संरचना पर आधारित है।

**Nitzschia tripudium** Alakananda, B. Karthick, J.C. Taylor & P.B. Hamilton, Phycol. Res.6. 2014. (BACILLARIOPHYCEAE)

This new algae species is discovered and described based on the collection made from Bird feeding pond in Kamalja Devi Temple, Buldana district of Maharashtra, India at 563m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Agharkar Research Institute, Pune, (AMH). This species tripudium refers to the structure of the areolae.

**ओडोगोनियम सागरेन्से** सलिल के साहु, बी के दत्ता एवं प्राणजीत शर्मा, एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.11.2014. (ओडोगोनिएसी)  
इस नवीन हरे शैवाल का अन्वेषण एवं वर्णन पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप, सुंदरवन से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप अभिरंजक को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्धमान विश्वविद्यालय, बर्धमान (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण सुंदरवन के सागरद्वीप के नाम पर आधारित है।

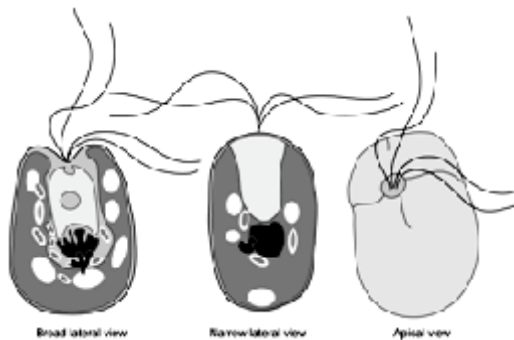
**Oedogonium sagarensis**, Salil K. Sahoo, B. K. Datta & Pranjit Sarma, *Algol. Stud.* 144 .11.2014. (OEDOGONIACEAE)

This new green algae species is discovered and described based on the collection made from rice fields of Sagar Island, Sundarbans of West Bengal, India. The holotype is deposited in the Department of Botany, The University of Burdwan, West Bengal (BURD). The species is named after the Sagardwip (Sagar Island) of Sundarban.

**टेट्रोसेल्मीस इंडिका** अरोड़ा एवं अनिल, यूरो. ज. फायको., 48(1):68.2013. (क्लोरोडेंड्रोफायसी)

इस नवीन शैवाल का अन्वेषण एवं वर्णन गोवा के पणजी, मंडोवी पुल के निकट खारे पानी के स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप को नेशनल फैंकेल्टी फॉर मैरिन सायनोबैक्टीरिया, भारतिदासन विश्वविद्यालय,

तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु (बीडीयू) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश के आंग्लभाषा नाम 'इंडिया' पर आधारित है।



**Tetraselmis indica** Arora & Anil, *Eur. J. Phycol.*, 48(1): 68.2013. (CHLORODENDROPHYCEAE)

This new algae species is discovered and described based on the collection made from Salt pan near Mandovi Bridge, Panaji, Goa, India. The holotype is deposited in the National Facility for Marine Cyanobacteria, Bharathidasan University, Tiruchirappalli, Tamil Nadu (BDU). The species is named after the country India.

**अल्वा पश्चिमा** बास्ट, प्लोस वन, 9(10):6.2014.2014. (अल्वोफायसी)



इस नवीन हरे समुद्री घास शैवाल का अन्वेषण एवं वर्णन गोवा के अंजुना समुद्रतट, परासियो-डी-गोवा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। जाति के मूलप्ररूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण भारतीय पश्चिमी तट के संस्कृत नाम पर आधारित है।

**Ulva paschima** Bast, *PLOS ONE*, 9(10):6.2014. (ULVOPHYCEAE)

This new green seaweed algae species is discovered and described based on the collection made from Paraiso de Goa, Anjuna Beach, Goa, India. The holotype is deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in Punjab Central University Herbarium (PUN). The specific epithet refers to West coast of India.

**क्लोरोकोकम इलिप्सोइडियम डियेसन एवं एच. सी. बोल्ड**

पूर्वतः टैक्सास से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम के ईस्ट सिक्किम जनपद स्थित मान्सू लेक से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस शैवाल के प्रयोगिक अभिरंजक को सीसीएएलए एवं प्रतिरूप को विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, बोलपुर में अभिरंजक संख्या सुदिप्तो 2012/9 के साथ संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्तो के. दास के द्वारा निलम्बो 56:286.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Chlorococcum ellipsoideum* Deason & H. C. Bold**

This species of algae earlier known from Texas is reported from India for the first time based on the collection made from Manshu lake, East Sikkim, India. The cultured strain of the alga is deposited at CCALA and Vishwa Bharti University, Santiniketan, Bolpur s strain number Sudipta 2012/9. It has been published by Sudipta K. Das in Nelumbo 56:286.2014.

**डिक्टोक्लोरोप्सीस स्पेन्डीडा ग्वेटलर**

पूर्वतः टैक्सास से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के तवांग जनपद स्थित नागूला लेक से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस शैवाल के प्रयोगिक अभिरंजक को सीसीएएलए एवं प्रतिरूप को विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, बोलपुर में अभिरंजक संख्या सुदिप्तो 2012/9 के साथ संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्तो के. दास के द्वारा निलम्बो 56:289.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Dictyochloropsis splendida* Guitler**

This species of algae earlier known from Texas is reported from India for the first time based on the collection made from Nagula lake, Tawang district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the Cultured strain of the alga was deposited at CCALA and Visva Bharati University, Shantiniketan as strain number Sudipta 2012/9. It has been published by Sudipta K. Das in Nelumbo 56:289.2014.

**नियोस्पोन्नीओकोकम जिलेटिनोसम (पी. ए. आर्चीवालड एवं एच. सी. बोल्ड) एच. इट्टल एवं जी. गार्टनर**

पूर्वतः टैक्सास से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के तवांग जनपद स्थित पैराडाईज लेक से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस शैवाल के प्रयोगिक अभिरंजक को सीसीएएलए एवं प्रतिरूप को विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, बोलपुर में अभिरंजक संख्या सुदिप्तो 2012/9 के साथ संग्रहित किया गया है। इसे सुदिप्तो के. दास के द्वारा निलम्बो 56:289.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Neosporogococcum gelatinosum* (P.A. Archibald & H.C. Bold) H. Ettl & G. Gartner**

This species of algae earlier known from Texas is reported from India for the first time based on the collection made from Paradise lake, Tawang district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the Cultured strain of the algae was deposited at CCALA and Visva Bharati University, Santiniketan as strain number Sudipta 2012/9. It has been published by Sudipta K. Das in Nelumbo 56:289.2014.

**ओडोगोनियम ओटूम्नाले प्रभेद सबरूपेस्ट्रे जाओ (ओडोगोनिऐसी)**

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.5.2014 में प्रकाशित किया गया है।

***Oedogonium autumnale* var. *subrupestre* Jao (OEDOGONIACEAE)**

This species of algae earlier known from China is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in the Department of Botany, University of Burdwan, Burdwan, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.5.2014.

**ओडोगोनियम किटाफोरम** होफ़. (ओडोगोनिऐसी)

पूर्वतः लक्सेमबोर्ग से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.7.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Oedogonium chaetophorum** Hoff. (OEDOGONIACEAE)

This species of algae earlier known from Luxembourg is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.7.2014.

**ओडोगोनियम गुन्नाई** प्रभेद **ब्रेवियारेटिकुलेटम** जाओ (ओडोगोनिऐसी)

पूर्वतः बांग्लादेश एवं चीन से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.7.2014. में प्रकाशित किया गया है।

**Oedogonium gunnii** var. **breviarticulatum** Jao (OEDOGONIACEAE)

This species of algae earlier known from China & Bangladesh is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.7.2014.

**ओडोगोनियम कोज्मीनस्काई** प्रभेद **तारगाओनेन्स** इस्ल. एवं शर्मा (ओडोगोनिऐसी)

पूर्वतः बांग्लादेश से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.7.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Oedogonium kozminskii** var. **targaonense** Isl. & Sarma (OEDOGONIACEAE)

This species of algae earlier known from Bangladesh is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.7.2014.

**ओडोगोनियम लोंगेटम** कुट्ज. एक्स हिर्न (ओडोगोनिऐसी)

पूर्वतः यूरोप एवं यू.एस.ए से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.8.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Oedogonium longatum** Kutz.ex Him (OEDOGONIACEAE)

This species of algae earlier known from Europe & USA is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.8.2014.

**ओडोगोनियम ओबलॉगेल्लम प्रभेद माइनस जाओ (ओडोगोनिऐसी)**

पूर्वतः यू.एस.ए. से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.8.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Oedogonium oblongellum var. minus (Taft) Mrozinska (OEDOGONIACEAE)**

This species of algae earlier known from USA is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.8.2014.

**ओडोगोनियम औचीटेनम् ताफ्ट (ओडोगोनिऐसी)**

पूर्वतः यू.एस.ए. से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.8.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Oedogonium ouchitanum Taft (OEDOGONIACEAE)**

This species of algae earlier known from USA is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.8.2014.

**ओडोगोनियम पोलिस्ट्रेन्डियम जाओ (ओडोगोनिऐसी)**

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.11.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Oedogonium polistandrium Jao (OEDOGONIACEAE)**

This species of algae earlier known from China is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.11.2014.

**ओडोगोनियम रिजिडम रूप अफ्रीकेनम गौथ.–लिव. (ओडोगोनिऐसी)**

पूर्वतः अफ्रीका से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.11.2014 में प्रकाशित किया गया है।

**Oedogonium rigidum f. africanum Gauth. –Liev. (OEDOGONIACEAE)**

This species of algae earlier known from Africa is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.11.2014.

### ओडोगोनियम स्पाइरिपेन्नाटम जाओ (ओडोगोनिऐसी)

पूर्वतः न्यूजीलैंड से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.13.2014 में प्रकाशित किया गया है।

### *Oedogonium spiripennatum* Jao (OEDOGONIACEAE)

This species of algae earlier known from New Zealand is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.13.2014.

### ओडोगोनियम स्पूरियम हिर्न (ओडोगोनिऐसी)

पूर्वतः यू.एस.ए से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.15.2014 में प्रकाशित किया गया है।

### *Oedogonium spurium* Hirn (OEDOGONIACEAE)

This species of algae earlier known from USA is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.15.2014.

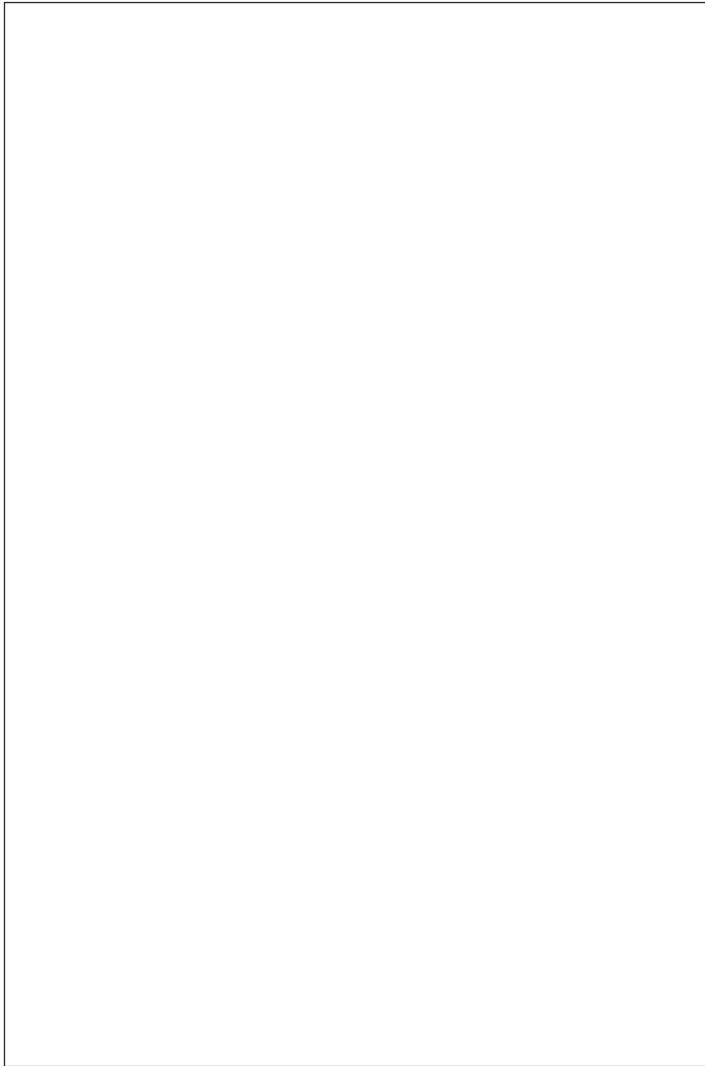
### ओडोगोनियम सबआर्बिकुलेरे प्रभेद कमालापुरेन्स इस्ल. (ओडोगोनिऐसी)

पूर्वतः बांग्लादेश से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के सागर द्वीप में जलीय स्रोत से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। जाति के प्रतिरूप को वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इसे सलिल के. साहू, बी. के. दत्ता एवं प्रांजीत शर्मा के द्वारा एल्गोलॉजिकल स्टडीज 144.15.2014 में प्रकाशित किया गया है।

### *Oedogonium suborbiculare* var. *kamalapurense* Isl. (OEDOGONIACEAE)

This species of algae earlier known from Bangladesh is reported from India for the first time based on the collection made from a water body from Sagar Island, West Bengal. The specimens are deposited in Deptt. of Botany, University of Burdwan, Burdman, West Bengal (BURD). It has been published by Salil K. Sahoo, B.K. Dutta & Pranjit Sharma in Algological Studies 144.15.2014.







## जीवाणु/MICROBES

## जीवाणु/MICROBES

जीवाणु तथा आर्किया की विश्वभर में अनुमानित 50,000–3,000,000 जातियों में

लगभग 8050 जातियों के वर्णन किये जा चुके हैं।

भारत से लगभग 1071 जातियों को पृथक किया गया है।

भारतीय पर्यावरण में जीवाणुओं तथा आर्किया विविधता एवं उनकी भूमिका को समझना बहुत आवश्यक है।  
हमारी अब तक की जानकारी के अनुसार भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 2.25 प्रतिशत हिस्सा भारतीय जीवाणुओं का है।

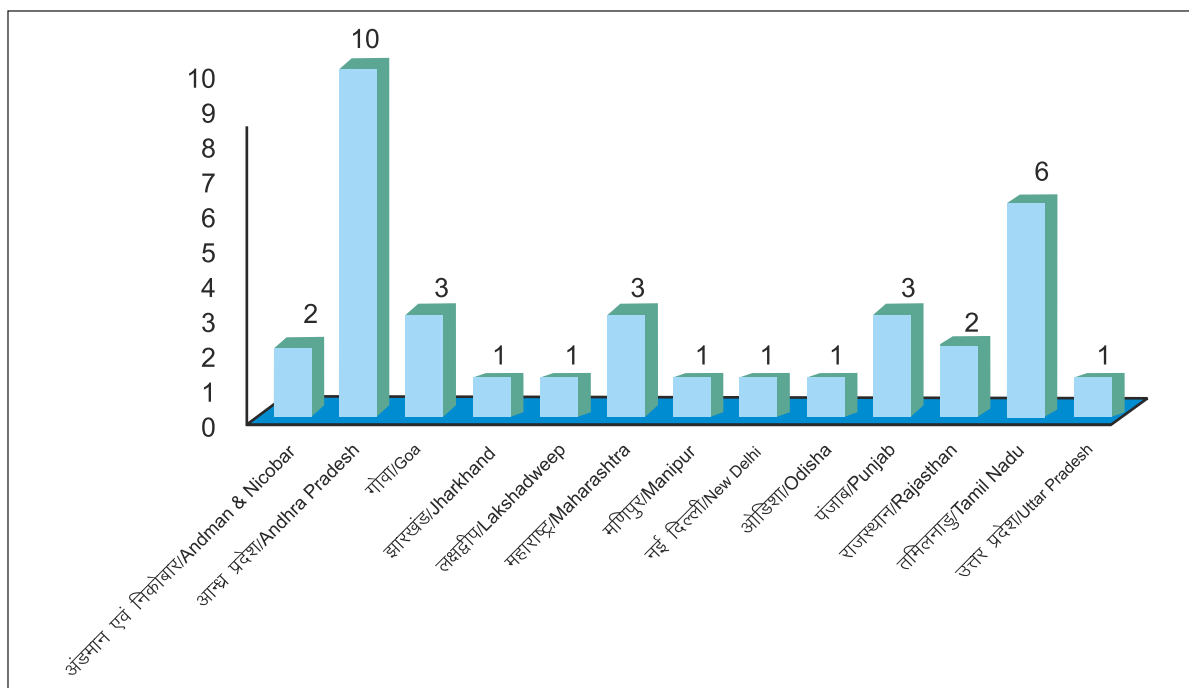
इस क्रमवार सूचना में भारत का 2 नवीन वंश 33 नयी जातियाँ, जिनमें  
(आंध्र प्रदेश से 10, तमिलनाडु से 06, महाराष्ट्र एवं पंजाब में प्रत्येक से 03, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में प्रत्येक से 02,  
झारखण्ड, लक्षद्वीप, मणिपुर, दिल्ली, ओडिशा एवं उत्तर प्रदेश में प्रत्येक से 01 जातियाँ) अन्वेषित की गई हैं।

Out of the estimated 50,000 -3,000,000 species of bacteria and archaea, only about 8050 species have been described globally. About 1071 species have been isolated from India. It is necessary to understand the diversity of bacteria and archaea present in a great variety of Indian environments, and understand their role in nature.

In the present state of our knowledge, Indian microbes represent about 2.24 per cent of the total plant species of India.

The collated information presented here includes 02 new genera

33 new species of microbes from India (10 from Andhra Pradesh, 06 species from Tamil Nadu, 03 each from Goa, Maharashtra and Punjab, 02 each from Andaman & Nicobar Islands and Rajasthan, 01 each from Jharkhand, Lakshadweep, Manipur, Delhi, Odisha and Uttar Pradesh)



विभिन्न राज्यों से अन्वेषित जीवाणु  
MICROBES DISCOVERED FROM DIFFERENT STATES

**हंगाटेल्ला** सुखप्रीत कौर, मीर यावर, पी. अनिल कुमार एवं के. सुरेश, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(3):710.2014. (क्लोस्ट्रीडीऐसी)

यू बी-बी 2टी नामक इस ग्राम रंजक ग्राही, दंडाकार, बीजाणुकारक एवं पूर्णतः अवायुवीय बैक्टीरिया को कारखानों से निस्तारण के नमूने से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन वंश का प्ररूप अभिरंजक यू बी-बी 2<sup>टी</sup> (=एमटीसीसी 11101<sup>टी</sup>=डी एस एम 24995<sup>टी</sup>) रखा गया है।

**Hungatella** Sukhpreet Kaur, Mir Yawar, P. Anil Kumar and K. Suresh, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(3):710.2014. (CLOSTRIDIACEAE)

This gram-stain-positive, rod-shaped, spore-forming and strictly anaerobic bacterium of the new genus, designated as UB-B.2<sup>T</sup>, was isolated from an industrial effluent anaerobic digester sample. The type stain of this novel genus is UB-B.2<sup>T</sup> (=MTCC 11101<sup>T</sup> = DSM 24995<sup>T</sup>).

**पैराग्लैसीकोला** सिंथी शिवाजी एवं गुंडापल्ली सत्यानारायणा रेड्डी, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(9):3264.2014. (अल्ट्रोमोनाडेसी)

16 एस आर. आर. एन. ए. जीन एवं जी वाई आर बी प्रोटीन क्रमों के आधार पर निकले निष्कर्षों के अनुसार ग्लैसीकोला वंश की 7 जातियों को समेकित करने हेतु नवीन वंश *पैराग्लैसीकोला* को प्रतिपादित किया गया है। ग्लैसीकोला जाति अपनी अन्य जातियों से अलग है। वंश पैराग्लैसीकोला के लिये प्ररूप अभिरंजक 162 जेड-12टी (=के सी टी सी 32337टी=एल एम जी 27453टी) दिया गया है।

**Paraglaciecola** Sisinthy Shivaji and Gundlapally Sathyannarayana Reddy, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(9):3264.2014. (ALTEROMONADACEAE)

Based on results obtained from 16S rRNA gene and GyrB protein sequences, this new genus *Paraglaciecola* is proposed to accommodate the seven species of genus *Glaciecola* which are considerable differs from all its other known species. The type stain of *Paraglaciecola* is 162Z-12<sup>T</sup> (=KCTC 32337<sup>T</sup>=LMG 27453<sup>T</sup>).

### नवीन जाति / New Species

**एलकैनैवोराक्स जीनोम्यूटेन्स** के. राहुल, चौ. शशिकला, एल. तुषा, आर. देबाद्रिता एवं चौ. वी. रमन, इंटरने., जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(10):3553 2014 (एन्कानैवोराकेसी)

जेसी109<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही चलित, दंडाकार जीवाणु अभिरंजक को तमिलनाडु राज्य के कृषिगत तालाब के निक्षेपों से प्राप्त किये गये नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेसी109<sup>टी</sup> (=केसीटीसी 23751<sup>टी</sup> एनबीआरसी 108843<sup>टी</sup>) दिया गया है। जेसी109<sup>टी</sup>/इएमबीएल/डीडीबीजे अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचई601937 है।

**Alcanivorax xenomutans** K. Rahul, Ch. Sasikala, L. Tusha, R. Debadrita and Ch. V. Ramana Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(10):3553.2014. (ALCANIVORACEAE)

This Gram-stain-negative, motile rods shaped bacterial stains JCI09<sup>T</sup> was isolated from a sediment sample collected from a shrimp cultivation pond in Tamil Nadu (India). The type stain of the new species is JCI09<sup>T</sup> (=KCTC 23751<sup>T</sup>=NBRC 108843<sup>T</sup>). The GenBank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequences of stains JCI09<sup>T</sup> is HE601937.



**एलाईग्लासिकोला कोरिंगेन्सिस** वसुंधरा गुप्ता, गुंजन शर्मा, टी. एन. आर. श्रीनिवास, पी. अनिल कुमार, ऐटोनी वॉन ल्यूवैनहॉक 106(6):1097.2014. (एल्टरोमोनाडेसी)

एके49<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही चलित, दंडाकार, चलायमान, वायुजीवी जीवाणु अभिरंजक को आंध्र प्रदेश के कोरिंगा ग्राम में स्थित मैन्ग्रूव वन क्षेत्र के जलीय नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एके49<sup>टी</sup> (=एमटीसीसी 12003<sup>टी</sup> = जेसीएम19197<sup>टी</sup>) दिया गया है।

**Aliiglaciecola coringensis** Vasundhera Gupta, Gunjan Sharma, T. N. R. Srinivas, P. Anil Kumar Antonie van Leeuwenhoek 106(6):1097.2014. (ALTEROMONADACEAE)

A Gram-negative, rod shaped, motile, aerobic bacterium, designated as stain AK49<sup>T</sup> was isolated from a water sample from a mangrove forest in Coringa village, Andhra Pradesh, India. The type stain of this new species is AK49<sup>T</sup> (=MTCC 12003<sup>T</sup> = JCM19197<sup>T</sup>).

**बेसिलस लूटीयस** वाई सुभाष, चौ० शशिकला एवं चौ० वी. रमन, इंटरने., ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ. 64(5):1580.2014. (बेसीलेसी)

जेसी167<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम ग्राही, अंडाकार, जीवाणु अभिरंजक को तमिलनाडु राज्य के मंडपम से मृदा नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेसी167<sup>टी</sup> (=केसीटीसी33100<sup>टी</sup> =एलएमजी 27257<sup>टी</sup>) दिया गया है।

**Bacillus luteus** Y. Subhash, Ch. Sasikala and Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(5):1580.2014. (BACILLACEAE)

This new gram-stain-positive, oval shaped bacterial stains designated as JCI 167<sup>T</sup> was isolated from a soil sample collected from Mandpam, Tamil Nadu, the type stain is of this new species is JCI 167<sup>T</sup> (=KCTC 33100<sup>T</sup>=LMG 27257<sup>T</sup>) proposed.

**डोमीबेसिलस सेन्कनेन्सिस** विद्या वी. सोनकर, राहुल मावलांकर, श्रीनिवासन कृष्णामूर्ति, शांग-कुंग तांग एवं सैयद डी दस्तागर, इंटरने., ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 66(12):4098.2014 (बेसीलेसी)

एनआईओ-1016<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम ग्राही, पूर्णतः वायुजीवी, गतिशील लाल रंजकयुक्त, जीवाणु अभिरंजक को भारत के चोराव द्वीप से निक्षेपों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एनआईओ-1016<sup>टी</sup> (=डीएसएम25145<sup>टी</sup> =एनसीआइएम 5462<sup>टी</sup> =सीसीटीसीसी एबी 2011121<sup>टी</sup>) दिया गया है।

**Domibacillu senclensis** Vidya V. Sonalkar, Rahul Mawlankar, Srinivasan Krishnamurthi, Shan-Kun Tang and Syed G. Dastager, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(12):4098.2014. (BACILLACEAE)

This novel gram-positive, strictly aerobic, motile red-pigmented bacterial stain was isolated from a sediment sample from Chora Island, Goa, India. The designated type stain is of this new species is NIO-1016<sup>T</sup> (=DSM 25145<sup>T</sup>=NCIM 5462<sup>T</sup> =CCTCC AB 2011121<sup>T</sup>).

**डोमीबेसिलस इंडिकस** अविनाश शर्मा, सुनील कुमार धर, ओम प्रकाश, वेंकट रमन, वेमुलूरी विशल थीटे एवं योगेश एस. साउचे, इंटरने., ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(9):3010.2014. (बेसीलेसी)

एसडी111<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम ग्राही, बीजाणु निर्माणी, वायुजीवी, अगतिशील, दंडाकार, लाल रंजक कालोनी बनाने वाले जीवाणु अभिरंजक को भारत के लक्षद्वीप से समुद्री निक्षेपों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एसडी111<sup>टी</sup> (=एमसीसी2255<sup>टी</sup> =डीएसएम28032<sup>टी</sup>) दिया गया है।

**Domibacillus indicus** Avinash Sharma, Sunil Kumar Dhar, Om Prakash, Venkata Ramana, Vemuluri Vishal Thite and Yogesh S. Shouche, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(9):3010.2014. (BACILLACEAE)

This novel gram-positive, spore-forming, aerobic, non-motile, rod-shaped bacterium that forms red-pigmented colonies was isolated from a marine sediment sample from Lakshadweep, India. The type stain of this novel species is SD111<sup>T</sup> (=MCC 2255<sup>T</sup>=DSM 28032<sup>T</sup>).

**हुंगाटेल्ला इफ्लूवाई** सुखप्रीत कौर, मीर यावर, पी. अनिल कुमार एवं के. सुरेश, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(3):710.2014. (क्लोस्ट्रीडिऐसी)

यूबी-बी2<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम ग्राही, दंडाकार, बीजाणु निर्माणी, एवं पूर्णतः वायुजीवी जीवाणु अभिरंजक को भारत के कारखानों से निस्तारित नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक यूबी-बी2<sup>टी</sup> (=एमटीसीसी 11101<sup>टी</sup> =डीएसएम 24995<sup>टी</sup>) दिया गया है।

**Hungatella effluvii** Sukhpreet Kaur, Mir Yawar, P. Anil Kumar and K. Suresh, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(3):710.2014. (CLOSTRIDIACEAE)

This gram-stain-positive, rod-shaped, spore-forming and strictly anaerobic bacterium designated as UB-B.2<sup>T</sup>, was isolated from an industrial effluent anaerobic digester sample. The type stain of this novel species is UB-B.2<sup>T</sup> (=MTCC 11101<sup>T</sup> =DSM 24995<sup>T</sup>).

**हायमेनोबैक्टर रोजेस** वाई. सुभाष, चौ० शशिकला एवं चौ० वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ. 64(12):4129. 2014. (फ्लेक्सीबैक्टेरेसी)

जेसी245<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, गहरे गुलाबी रंग वाले जीवाणु अभिरंजक को भारत आंध्र प्रदेश से प्राप्त मृदा नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेसी245<sup>टी</sup> (=केसीटीसी42090<sup>टी</sup> =एलएमजी28260<sup>टी</sup>) दिया गया है। जेसी245<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीबीजे अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचजी965772 है।

**Hymenobacter roseus** Y. Subhash Ch. Sasikala and Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(12):4129.2014. (FLEXIBACTERACEAE)

This gram-stain-negative, dark pink coloured novel stain designated as JC245<sup>T</sup> isolated from a sand sample from Hyderabad, Andhra Pradesh. The type stain of this novel species is JC245<sup>T</sup> (=KCTC 42090<sup>T</sup> =LMG 28260<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDJB accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain JC245<sup>T</sup> is HG965772.

**आयसोप्टेरिकोला राइजोफिला** नवजोत कौर, माथन कुमार राजेंद्रन, गुरुवीन्द्र कौर, मयालीराज शणमुगम, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक 106(2):302.2014. (प्रोमाइक्रोमोनोस्पोरेसी)

बीकेएस3-46<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम-ग्राही, पीले रंग वाले जीवाणु अभिरंजक को भारत के ओडीशा राज्य में स्थित भीतरकणिका मैन्ग्रूव वन क्षेत्र में *फाइकस बेंघालेन्सिस* (वट वृक्ष) के राइजोस्फीयर से प्राप्त मृदा नमूनों से बहुचरणीय वर्गिकी अध्ययन के बाद संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक बीकेएस 3-46<sup>टी</sup> (=एमटीसीसी 11080<sup>टी</sup> =जेसीएम 19252<sup>टी</sup>) दिया गया है।

**Isoptericola rhizophila** Navjot Kaur, Mathan Kumar Rajendran, Gurwinder Kaur, Mayilraj Shanmugam, Antonie van Leeuwenhoek 106(2):302.2014. (PROMICROMONOSPORACEAE)

This novel gram-positive, yellow pigmented stain, BKS 3-46<sup>T</sup> was isolated from a soil sample collected from the rhizosphere of *Ficus benghalensis* (banyan tree) in Bhitarkanika mangrove forest, in the Indian state of Odisha, and subjected to polyphasic taxonomic study. The type stain of this novel species is BKS 3-46<sup>T</sup> (=MTCC 11080<sup>T</sup> =JCM 19252<sup>T</sup>).

**कोकूरिया इंडिका** सैयद जी. दस्तागर, शान-कुन तांग, कृष्णामूर्ति श्रीनिवासन, जे-चांन ली एवं वेन-जून ली, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ. 64(12):4129.2014. (माइक्रोकोकेसी)

एनआईओ-1021<sup>टी</sup> नामक इस नवीन एक्टिनोबैक्टेरियल, ग्राम-ग्राही, वायुवीय, अगतिशील, कोक्वायड जीवाणु अभिरंजक को भारत के गोवा प्रांत में चोराव द्वीप से प्राप्त समुद्री निक्षेपों के नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एनआईओ-1021<sup>टी</sup> (=एनसीआईएम 5455<sup>टी</sup> =डीसीएम 25126<sup>टी</sup> =सीसीटीसीसी एए 209050<sup>टी</sup>) दिया गया है। एनआईओ-1021<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीबीजे अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचक्यू858010 है।

**Kocuria indica** Syed G. Dastager, Shan-Kun Tang, Krishnamurthi Srinivasan, Jae-Chan Lee and Wen-Jun Li, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(3):869.2014. (MICROCOCCACEAE)

This actinobacterial Gram-stain positive, aerobic, non-motile and coccoid stain designated as NIO-1021<sup>T</sup>, was isolated from a sediment sample from Chorao Island, in Goa province, India. The type stain of this novel species is NIO-1021<sup>T</sup> (=NCIM 5455<sup>T</sup> =DSM 25126<sup>T</sup> =CCTCC AA 209050<sup>T</sup>) as the type stain. The GenBank/EMBL/DDJB accession number for the 16S rRNA gene sequence of *Kocuria indica* NIO-1021<sup>T</sup> is HQ858010.



**मैरिनोमोनास फंगीआई** प्रभा कुमारी, अभिजीत पोद्दार एवं सुब्रता के. दास, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ. 64(2):487. 2014. (ओसिएनोस्पारिल्लेसी)

एएन44<sup>टी</sup> नामक इस नवीन वायुजीवी, ग्राम-अग्राही, गतिशील, एवं दंडाकार समुद्री जीवाणु अभिरंजक को भारत के अंडमान समुद्र से कोरल रीफ *फंजिया इकिनाटा* से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एएन44<sup>टी</sup> (जेसीएम 18476<sup>टी</sup> एलएमजी 27065<sup>टी</sup>) दिया गया है। एएन44<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास जेक्यू409370 है।

**Marinomonas fungiae** Prabla Kumari, Abhijit Poddar and Subrata K. Das, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(2):487.2014. (OCEANOSPIRILLACEAE)

This novel aerobic gram-negative, motile and rod-shaped marine bacterium, stain AN44<sup>T</sup>, was isolated from the coral *Fungia echinata* sampled from the Andaman Sea, India. The type strain of this novel species is AN44<sup>T</sup> (=JCM 18476<sup>T</sup>=LMG 27065<sup>T</sup>). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of strain AN44<sup>T</sup> is JQ409370.

**मेगास्फेरा इंडिका** वी. बी. लाजेंकर, एन. पी. माराठे, वी. वेंकट रमन, वाई. एस. साउचे एवं डी. आर. रनाडे. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ. 64(2):2250.2014. (वेल्लियोनेसेसी)

एनएमबीएच-10<sup>टी</sup> नामक इस नवीन कोकोयड, अगतिशील, आद्य वायुजीवी, ग्राम-अग्राही, जीवाणु अभिरंजक को भारत के दो स्वस्थ स्वयंसेवकों जिनकी आयु 26 एवं 56 वर्ष की थी के मल से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एनएमबीएच-10<sup>टी</sup> (=डीएसएम25563<sup>टी</sup>=एमसीसी2481<sup>टी</sup>) दिया गया है। एनएमबीएच-10<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचएम990965 है।

**Megasphaera indica** V. B. Lanjekar, N. P. Marathe, V. Venkata Ramana, Y. S. Shouche and D. R. Ranade, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 64(7):2250.2014. (VEILLONELLACEAE)

This coccoid, non-motile, obligate anaerobic, Gram-stain-negative bacteria, designated NMBHI-10<sup>T</sup> was isolated from the faces of two healthy human volunteers, aged 26 and 56 years from Pune, India. The type strain is NMBHI-10<sup>T</sup> (=DSM 25563<sup>T</sup>=MCC 2481<sup>T</sup>). The GenBank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequences of stains NMBHI-10<sup>T</sup> is HM990965.

**मिथाइलोबैक्टेरियम फाइलोस्टैचिओस** मुनुसामी माधीयान एवं सेल्वाराज पुंगुझाली, ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ. 64(7):2377. 2014. (मिथाइलोबैक्टेरिएसी)

बीएल47<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, मिथाइलोट्रॉपिक, वायुजीवी, गतिशील, गुलाबी रंजक युक्त, अबीजाणुजनक, दंडाकार जीवाणु अभिरंजक को भारत के तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर में बांस की पत्तियों की सतह से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक बीएल47<sup>टी</sup> =एनबीआरसी 105206<sup>टी</sup> =आईसीएमपी 17619<sup>टी</sup> दिया गया है।

**Methylobacterium phyllostachyos** Munusamy Madhaiyan and Selvaraj Poonguzhali, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(7):2377.2014. (METHYLOBACTERIACEAE).

This Gram-negative, methylotrophic bacteria, aerobic, motile, pink-pigmented, non-spore-forming rod shaped stain designated as BL47<sup>T</sup> isolated from bamboo leaf surfaces in Tamil Nadu Agricultural University, Coimbatore. The type strain of this novel species is BL47<sup>T</sup> =NBRC 105206<sup>T</sup> =ICMP 17619<sup>T</sup>.

**मिथाइलोबैक्टेरियम स्यूडोससिकोला** मुनुसामी माधीयान एवं सेल्वाराज पुंगुझाली, ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ. 64(7):2376. 2014. (मिथाइलोबैक्टेरिऐसी)

बीएल36<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम-अग्राही, मिथइलोट्रॉपिक, वायुजीवी, गतिशील, गुलाबी रंजक युक्त, दंडाकार जीवाणु अभिरंजक को भारत के तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर में बांस की पत्तियों की सतह से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक बीएल36<sup>टी</sup> = एनबीआरसी105203<sup>टी</sup> = आईसीएमपी17621<sup>टी</sup> दिया गया है। बीएल36<sup>टी</sup> के एमएक्सए एफजीन एवं अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास ईयू912439 एवं ईयू912444 है।

**Methylobacterium pseudosasicola** Munusamy Madhaiyan and Selvaraj Poonguzhali, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(7):2376.2014. (METHYLOBACTERIACEAE).

This Gram-negative, methylotrophic bacteria, aerobic, motile, pink-pigmented, non-spore-forming rod shaped stain designated as BL36<sup>T</sup> isolated from bamboo leaf surfaces in Tamil Nadu Agricultural University, Coimbatore. The type stain of this novel species is BL36<sup>T</sup> = NBRC 105203<sup>T</sup> = ICMP 17621<sup>T</sup>. The Gen Bank accession numbers for the 16S rRNA and mxa F gene sequences of stains are BL36<sup>T</sup> is EU912439 and EU912444.

**माइक्रोकोकस एलोयविराई** ओम प्रकाश, योगेश, निमोंकार, हितेन्द्र मुनोत, अविनाश शर्मा, वेंकट रमन वेमूलूरी, महेश एस. चवादार एवं योगेश एस. साउचे, ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(10):3427.2014. (माइक्रोकोकेसी)

एई-6<sup>टी</sup> नामक इस नवीन पीले रंजक युक्त, ग्राम-ग्राही, अगतिशील, अबीजाणुजनक, स्फेरिकल इंडोफायटिक एक्टिनोबैक्टेरियम जीवाणु अभिरंजक को भारत के महाराष्ट्र राज्य के पुणे से *एलोय बारबाडेन्सिस* (एलो वेरा) की पत्तियों की आन्तरिक सतह से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एई-6<sup>टी</sup> (= एमसीसी2184<sup>टी</sup> = डीएसएम27472<sup>टी</sup>) दिया गया है। एई-6<sup>टी</sup> का जीनबैंक संग्रहण संख्या एवं एमएक्सए एफजीन एवं अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास केएफ524364 है।

**Micrococcus aloeverae** Om Prakash, Yogesh, Nimonkar, Hitendra Munot, Avinash Sharma, Venkata Ramana Vemuluri, Mahesh S. Chavadar and Yogesh S. Shouche, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(10):3427.2014. (MICROCOCCACEAE)

This yellow colored Gram-stain-positive, non-motile, non-endospore forming, spherical endophytic actinobacterium, designated stain AE-6<sup>T</sup>, was isolated from the inner fleshy leaf tissues of *Aloe barbadensis* (*Aloe vera*) collected from Pune, Maharashtra, India. The type stain of this novel species is AE-6<sup>T</sup> (= MCC 2184<sup>T</sup> = DSM 27472<sup>T</sup>) as the type stain of the species. The Gen Bank accession number for the 16S rRNA gene sequence of AE-6<sup>T</sup> is KF524364.

**नोकार्डिया भाग्यनारायणाई** राधा वधावल्ली, स्नेहा पेद्दी, श्रीलेखा यादव कोथागाउनी एवं वेंकटेश्वरा रॉव लिंगा, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक. 106:413.2014. (नोकार्डिऐसी)

वीआरसी07<sup>टी</sup> नामक इस नवीन एक्टिनोमाइटिक जीवाणु अभिरंजक को भारत के आंध्र प्रदेश के हैदराबाद से *कैलिस्टिमोन सिट्रीनस* के राइजोस्फेयर सतह से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक वीआरसी07<sup>टी</sup> (= केसीटीसी 29209<sup>टी</sup> एमटीसीसी 11725<sup>टी</sup> = एटीसीसी बीए-2548<sup>टी</sup>) दिया गया है। वीआरसी07<sup>टी</sup> का जीनबैंक संग्रहण संख्या एवं अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास जेएक्स076851 है।

**Nocardia bhagyanarayanae** Radha Vaddavalli, Sneha Peddi, Srilekha Yadav Kothagauni and Venkateswar Rao Linga Antonie van Leeuwenhoek 106:413.2014. (NOCARDIACEAE)

This novel actinomycete stain, designated VRC07<sup>T</sup>, was isolated from a *Callistemon citrinus* rhizosphere sample collected from Hyderabad, India. The type stain is stain VRC07<sup>T</sup> (= KCTC 29209<sup>T</sup> = MTCC 11725<sup>T</sup> = ATCC BAA-2548<sup>T</sup>). The Gen Bank accession number for the 16S rRNA gene sequence of VRC07<sup>T</sup> is JX076851.





**पैराग्लेसिकोला आशिएनीफिकुन्डस** सीसिन्थी शिवाजी एवं गुंडापल्ली सत्यनारायण रेड्डी, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ. 64(9):3264.2014. (एल्टेरोमोनाडेसी)

162जेड-12<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, वायुजीवी, गतिमान, अंडाकार से लघु दंडकार संरचना वाले जीवाणु अभिरंजक को भारत दक्षिणी सागर के समुद्री निक्षेपों से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक 162जेड-12<sup>टी</sup> (=केसीटीसी 32337<sup>टी</sup>=एलएमजी27453<sup>टी</sup>) दिया गया है। वीआरसी07<sup>टी</sup> का जीनबैंक संग्रहण संख्या एवं अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास जेएक्स076851 है।

**Paraglaiecola oceanificundans** Sisinthy Shivaji and Gundlapally Sathyanarayana Reddy, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(9):3264.2014. (ALTEROMONADACEAE)

This Gram-negative, aerobic, motile, ovoid to short rod-shaped designated stain 162Z-12<sup>T</sup> was isolated from seawater collected as part of an iron fertilization experiment in the Southern Ocean. The type stain of this new species is 162Z-12<sup>T</sup> (=KCTC 32337<sup>T</sup>=LMG 27453<sup>T</sup>).

**प्लिस्टेगा इंडिका** ओम प्रकाश, हितेन्द्र मुनोट, योगेश निमोंकार, मधु शर्मा, श्रेयस कुम्भारे एवं योगेश एस साउचे, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(4):1389.2014. (एल्कालिजिनेसी)

एचएम-7<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, गतिमान, अबीजाणुजनक, कोकोयड जीवाणु अभिरंजक को भारत में स्वस्थ मानव के मल से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एचएम-7<sup>टी</sup> (=एमसीसी 2185<sup>टी</sup> =डीएसएम 27484<sup>टी</sup>) दिया गया है। एचएम-7<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास केएफ692037 है।

**Pelistega indica** Om Prakash, Hitendra Munot, Yogesh Nimonkar, Madhu Sharma, Shreyas Kumbhare and Yogesh S. Shouche, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(4):1389.2014. (ALCALIGENACEAE)

This gram-stain-negative, motile, non-spore-forming, coccoid bacterium designated stain HM-7<sup>T</sup> was isolated from a stool sample of a healthy human subject. The type stain of this new species is HM-7<sup>T</sup> (=MCC 2185<sup>T</sup>=DSM 27484<sup>T</sup>) as the type stain of the species. The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain HM-7<sup>T</sup> is KF692037

**पोन्टीबैक्टर डेर्जाटाई** वाई. सुभाष, चौ० शशिकला एवं चौ० वी रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(3):1007.2014. (इरिथ्रोबैक्टेरिऐसी)

जेसी215<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, लाल से गुलाबी रंजक कालोनी वारले जीवाणु अभिरंजक को भारत के मरुस्थलीय मृदा से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेसी215<sup>टी</sup> (=केसीटीसी 32443<sup>टी</sup> =एलएमजी 27670<sup>टी</sup>) दिया गया है। जेसी215<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचजी008901 है।

**Pontibacter deserti** Y. Subhash, Ch. Sasikala and Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(3):1007.2014. (ERYTHRYPBACTERACEAE)

This Gram-stain-negative bacterium with red to pink colored colonies designated as stain JC215<sup>T</sup> was isolated from desert soil. The type stain of this new species is JC215<sup>T</sup> (=KCTC 32443<sup>T</sup>=LMG 27670<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequences of stains JC215<sup>T</sup> is HG008901.

**पोन्टीबैक्टर इंडिकस** अमित कुमार सिंह, निधी गर्ग, पुष्प लता, रोशन कुमार, विवेक नेगी, सुरेन्द्र विक्रम एवं रूप लाल, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(1):254.2014. (इरिथ्रोबैक्टेरिएसी)

एलपी100<sup>टी</sup> नामक इस नवीन संतरी रंजकयुक्त जीवाणु अभिरंजक को भारत के उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हैक्साक्लोरो साइक्लो हैक्जेन से संक्रमित मृदा से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एलपी100<sup>टी</sup> (=सीसीएम8435<sup>टी</sup>=एमसीसी 2027<sup>टी</sup>) दिया गया है। एलपी100<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास केसी469980 है।

**Pontibacter indicus** Amit Kumar Singh, Nidhi Garg, Pushp Lata, Roshan Kumar, Vivek Negi, Surendra Vikram and Rup Lal Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(1):254.2014. (ERYTHRUBACTERACEAE)

This orange-pigmented bacterial stain, designated LP100<sup>T</sup>, was isolated from hexachlorocyclohexane-contaminated soil (Lucknow, India). The type stain is LP100<sup>T</sup> (=CCM8435<sup>T</sup>=MCC2027<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain LP100<sup>T</sup> is KC469980.

**पोन्टीबैक्टर रुबर** वाई. सुभाष, चौ० शशिकला एवं चौ० वी रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(3):1006.2014. (इरिथ्रोबैक्टेरिएसी)

जेसी213<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, लाल से गुलाबी रंजक कालोनी वाले जीवाणु अभिरंजक को भारत के मरुस्थलीय मृदा से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेसी213<sup>टी</sup> (=केसीटीसी 32442<sup>टी</sup>=एलएमजी 27669<sup>टी</sup>) दिया गया है। जेसी213<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचजी008900 है।

**Pontibacter ruber** Y. Subhash, Ch. Sasikala and Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(3):1006.2014. (ERYTHRUBACTERACEAE)

This Gram-stain-negative bacterium with red to pink colored colonies designated as stain JC213<sup>T</sup> was isolated from desert soil. The type stain of this new species is JC213<sup>T</sup> (=KCTC 32442<sup>T</sup>=LMG 27669<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequences of stains JC213<sup>T</sup> is HG008900.

**रोडोनोबैक्टर ग्लाइसिनिस** मुनुसामी माधीयान एवं सेल्वाराज पुंगुझाली, वेंकटकृष्णन शिवराज सरवानन एवं सून-वो-काउन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(6):2023.2014. (जैन्थोमोनाडेसी)

एमओ64<sup>टी</sup> नामक इस नवीन पीले रंजक युक्त, जीवाणु अभिरंजक को भारत के तमिलनाडु कोयम्बटूर में सोयाबीन के खेतों की ऊपरी मृदा सतह से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एमओ64<sup>टी</sup> (=आईसीएमपी 17626<sup>टी</sup>=एनबीआरसी 105007<sup>टी</sup>) दिया गया है। एमओ64<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास ईयू912469 है।

**Rhodanobacter glycinis** Munusamy Madhaiyan, Selvaraj Poonguzhali, Venkatakrisnan Sivaraj Saravanan and Soon-Wo Kwon, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(6):2023.2014. (Xanthomonadaceae)

This novel, yellow-pigmented bacterium, designated stain MO64<sup>T</sup>, was isolated from the rhizosphere of field-grown soybean, in an experimental plot at Coimbatore, India. The type stain of this new species is MO64<sup>T</sup> (=ICMP 17626<sup>T</sup>=NBRC 105007<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain MO64<sup>T</sup> is EU912469.



**रोडोकोकस इनक्लेनिसस** सैयद जी दस्तागर, राहुल मावलंकर, शान-कुन तांग, श्रीनिवासन कृष्णामूर्ति, वी. वेंकट रमन, नीता जोसेफ, एवं योगेश एस. साउचे, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(8):2693.2014 (नोकार्डिएसी)

एनआईओ-1009<sup>टी</sup> नामक इस नवीन एक्टिनोबैक्टेरियल जीवाणु अभिरंजक को भारत के गोवा प्रांत में चोराव द्वीप से प्राप्त समुद्री निक्षेपों के नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एनआईओ-1009<sup>टी</sup> (=एनसीआईएम 5452<sup>टी</sup> =डीसीएम 45688<sup>टी</sup>) दिया गया है। एनआईओ-1009<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचक्यू858009 है।

**Rhodococcus enclensis** Syed G. Dastager, Rahul Mawlankar, Shan-Kun Tang, Srinivasan Krishnamurthi, V. Venkata Ramana, Neeta Joseph and Yogesh S. Shouche, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(8):2693.2014. (NOCARDIACEAE)

This novel actinobacterial stain, designated, NIO-1009<sup>T</sup>, was isolated from a marine sediment sample collected from Chorao Island, Goa, India. The type stain of this new species is NIO-1009<sup>T</sup> (= NCIM 5452<sup>T</sup> = DSM 45688<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain NIO-1009<sup>T</sup> is HQ858009.

**रोडोप्लेन्स ओराजियाई** ए. श्रीनिवास, चौ० शशिकला एवं चौ० वी रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(7):2198. 2014 (हायपोमाइक्रोबिएसी)

जेए793<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, लाल रंजकयुक्त, प्रकाशरनेही, जीवाणु अभिरंजक को भारत में चावल के खेतों की राइजोस्फीयर मृदा सतह से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेए793<sup>टी</sup> (=एनबीआरसी 109406<sup>टी</sup> =केसीटीसी15260<sup>टी</sup>) दिया गया है। जेए793<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एसआर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचजी531388 है।

**Rhodoplanes oryzae** A. Srinivas, Ch. Sasikala and Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(7):2198.2014. (HYPHOMICROBIACEAE)

This gram-stain-negative, rod-shaped, phototrophic bacterium, stain JA793<sup>T</sup>, was isolated from rhizosphere soil of paddy. The type stain of this new species is JA793<sup>T</sup> (=NBRC 109406<sup>T</sup> =KCTC 15260<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain JA793<sup>T</sup> is HG531388.

**रोडोवुलुम मैन्ग्रोवी** पी. नुपुर, टी एन. आर. श्रीनिवासन, एस. टकाइची, एवं पी. अनिल कुमार, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(9):3168.2014. (रोडोबैक्टेरिएसी)

एके41<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, बैंगनी सल्फररहित जीवाणु अभिरंजक को भारत में आंध्र प्रदेश के कोरिंगा मैन्ग्रू वन क्षेत्र से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एके41<sup>टी</sup> (=एमटीसीसी 11825<sup>टी</sup> =जेसीएम 19220<sup>टी</sup>) दिया गया है। एके41<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचजी529993 है।

**Rhodovulum mangrovi** P. Nupur, T. N. R. Srinivas, S. Takaichi and P. Anil Kumar, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(9):3168.2014. (RHODOBACTERACEAE)

This novel Gram-staining-negative, purple non-sulfur bacterium, stain AK41<sup>T</sup>, was isolated from a sediment sample collected from Coringa mangrove forest, Andhra Pradesh, India. The type stain of of this new species is AK41<sup>T</sup> (=MTCC 11825<sup>T</sup> =JCM 19220<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain AK41<sup>T</sup> is HG529993.

**रोडोवुलुम सैलिस** ए. श्रीनिवास, बी. विनय कुमार, बी. दिव्याश्री, एल. तुषार, चौ० शशिकला एवं चौ० वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(3):957.2014. (रोडोबैक्टेरिएसी)

जेए746<sup>टी</sup> नामक इस नवीन अगतिशीलपीले-भूरे रंजक युक्त जीवाणु अभिरंजक को भारत में सौर अपरिकृष्ट क्षेत्र से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेए746<sup>टी</sup> (=एनबीआरसी108898<sup>टी</sup> =केसीटीसी15180<sup>टी</sup>) दिया गया है। जेए746<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचई680093 है।

**Rhodovulum salis** A. Srinivas, B. Vinay Kumar, B. Divya Sree, L. Tushar, Ch. Sasikala and Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(3):957.2014. (RHODOBACTERACEAE)

This non-motile novel stain designated as JA746<sup>T</sup> having yellowish brown-to-green pigment were isolated from a solar slattern. The type stain of this new species is JA746<sup>T</sup> (=NBRC 108898<sup>T</sup> =KCTC 15180<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequences of stains JA746<sup>T</sup> is HE680093.

**रोडोवुलुम विरिडाई** ए. श्रीनिवास, बी. विनय कुमार, बी. दिव्याश्री, एल. तुषार, चौ० शशिकला एवं चौ० वी. रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(3):957.2014. (रोडोबैक्टेरिऐसी)

जेए756<sup>टी</sup> नामक इस नवीन अगतिशील पीले-भूरे रंजक युक्त जीवाणु अभिरंजक को भारत में सौर अपरिष्कृत क्षेत्र से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेए756<sup>टी</sup> (=एनबीआरसी 109122<sup>टी</sup> =केसीटीसी 151223<sup>टी</sup>) दिया गया है। जेए756<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचई983843 है।

**Rhodovulum viride** A. Srinivas, B. Vinay Kumar, B. Divya Sree, L. Tushar, Ch. Sasikala and Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(3):957.2014. (RHODOBACTERACEAE)

This non-motile novel stain designated as JA756<sup>T</sup> having yellowish brown-to-green pigment were isolated from a pink pond at Hyderabad. The type stain of this new species is JA756<sup>T</sup> (=NBRC 109122<sup>T</sup> =KCTC 15223<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession numbers for the 16S rRNA gene sequences of stains JA756<sup>T</sup> is HE983843.

**सैक्रोपॉलीस्पोरा इंडीका** राधा वधावल्ली, स्नेहा पेद्दी, श्रीलेखा यादव कोथागाउनी, जरीना बेगम, भाग्यनारायण गद्दाम, मधुसूदाकारी पेरिकेट्टी, एवं वेंकटेश्वरा रॉव लिंगा, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(5):1159.2014. (स्यूडोनोकार्डिऐसी)

वीआरसी122<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम ग्राही, वायुवीय, अगतिशील, एक्टिनोमायसीटिक जीवाणु अभिरंजक को भारत के नई दिल्ली से कैलिस्टीमोन सिट्रीनस के राइजोस्फेयर सतह से प्राप्त नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक वीआरसी122<sup>टी</sup> (=केसीटीसी 29208<sup>टी</sup> =एमटीसीसी 11564<sup>टी</sup> =एमसीसी 2206<sup>टी</sup> =एटीसीसी बीएए-2551<sup>टी</sup>) दिया गया है। वीआरसी122<sup>टी</sup> का जीनबैंक संग्रहण संख्या एवं अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास जेएक्स411621 है।

**Saccharopolyspora indica** Radha Vaddavalli, Sneha Peddi, Srilekha Yadav Kothagauni, Zareena Begum, Bhagyanarayana Gaddam, Madhusudhanachary Periketi and Venkateswar Rao Linga, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(5):1159.2014. (PSEUDONOCARDIACEAE)

This novel Gram-stain-positive, aerobic, non-motile, actinomycete stain, designated VRC122<sup>T</sup>, was isolated from a Callistemon citrinus rhizosphere sample collected from New Delhi, India. The type stain of the new species is VRC122<sup>T</sup> (=KCTC 29208<sup>T</sup> =MTCC 11564<sup>T</sup> =MCC 2206<sup>T</sup> =ATCC BAA-2551<sup>T</sup>). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain VRC122<sup>T</sup> is JX411621.

**सालिनीमाइक्रोबियम सेडीमिनिस** वाई. सुभाष, चौ० शशिकला एवं चौ० वी रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(3):984.2014. (फ्लेवोबैक्टेरीऐसी)

जेसी207<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, लाल रंजकयुक्त, जीवाणु अभिरंजक को भारत समुद्री निक्षेपों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेसी207<sup>टी</sup> (=केसीटीसी32444<sup>टी</sup> =सीजीएमसीसी 112641<sup>टी</sup>) दिया गया है। जेसी207<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रम विन्यास एचजी008896 है।

**Salinimicrobium sediminis** Y. Subhash, Ch. Sasikala and Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(3):984.2014. (FLAVOBACTERIACEAE)

This Gram-negative dark yellow colonies of designated stain JC207<sup>T</sup> was isolated from a deep (265 m) sea sediment. The type stain of the new species is JC207<sup>T</sup> (=KCTC 32444<sup>T</sup> =CGMCC 112641<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain JC207<sup>T</sup> is HG008896.

**स्फींगोपायक्सि कोन्टाभिनेन्स** वाई. सुभाष, चौ० शशिकला एवं चौ० वी रमन, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(7):2238.2014 (स्फिंगोमोनाडेसी)

जेसी216<sup>टी</sup> नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, पीले रंजकयुक्त, जीवाणु अभिरंजक को भारत लैब में पेट्री डिश से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेसी216<sup>टी</sup> (=केसीटीसी 32445<sup>टी</sup> =एलएमजी27671<sup>टी</sup>) दिया गया है। जेसी216<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रमविन्यास एचजी008804 है।

**Sphingopyxis contaminans** Y. Subhash, Ch. Sasikala and Ch. V. Ramana, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(7):2238.2014. (SPHINGOMONADACEAE)

This novel gram-stain-negative pale yellow colour stain designated as JC216<sup>T</sup> was isolated from a contaminated Petri dish. The type stain of the new species is JC216<sup>T</sup> (=KCTC 32445<sup>T</sup> =LMG 27671<sup>T</sup>). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain JC216<sup>T</sup> is HG008904.



**स्ट्रेप्टोमायसीस अमृतसरेन्सिस** दीपिका शर्मा, शणमुगम मयालीराज, राजेश कुमारी मन्हास, एन्टोनी वॉन ल्यूवेनहॉक, 105(5):943. 2014. (स्ट्रेप्टोमायसिटेसी)

2ए<sup>टी</sup> नामक इस नवीन एक्टिनोबैक्टीरियम जीवाणु अभिरंजक को भारत पंजाब में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय में मृदा नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक 2ए<sup>टी</sup> (=एमटीसीसी 11845<sup>टी</sup> =जेसीएम19660<sup>टी</sup>) दिया गया है।

**Streptomyces amritsarensis** Deepika Sharma, Shanmugam Mayilraj, Rajesh Kumari Manhas, Antonie van Leeuwenhoek 105(5): 943.2014. (STREPTOMYCETACEAE)

This new actinobacterium stain, designated 2A<sup>T</sup>, was isolated from a soil sample collected from Guru Nanak Dev University, Punjab (India). The type stain of the new species is 2A<sup>T</sup> (=MTCC 11845<sup>T</sup>=JCM 19660<sup>T</sup>).

**स्ट्रेप्टोमायसीस कांचीपुरेन्सिस** वेन-जून ली, सालम निमाईचंद, झावो जियांग, मीन-जियाओ, मीन-जियाओ ल्यू, थी- न्हानक्यू, चांग-जीन किम, वायल एन. होजेन, डोग-जीन पार्क, मोहम्मद ए. एम. वादान एवं देवानंदा एस. नींगथोजाम, एन्टोनी वॉन ल्यूवेनहॉक, 106(6):1119.2014. (स्ट्रेप्टोमायसिटेसी)

एमबीआरएल 172<sup>टी</sup> नामक इस नवीन जीवाणु अभिरंजक को भारत हुन्डुंग लाइमस्टोन क्षेत्र, मणिपुर से प्राप्त किये गये नमूनों से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक एमबीआरएल172<sup>टी</sup> (=जेसीएम17575<sup>टी</sup> =केसीटीसी 29105<sup>टी</sup>) दिया गया है।

**Streptomyces canchipurensis** Wen-Jun Li, Salam Nimaichand, Zhao Jiang, Min-Jiao Liu, Thi-NhanKhieu, Chang-Jin Kim, Wael N. Hozzein, Dong-Jin Park, Mohammed A. M. Wadaan, and Debananda S. Ningthoujam, Antonie van Leeuwenhoek 106(6):1119.2014. (STREPTOMYCETACEAE)

This new stain, designated MBRL 172<sup>T</sup>, was isolated from an unexplored site of Hundung Limestone habitat, Manipur, India. The type stain of the new species is MBRL 172<sup>T</sup> (=JCM 17575<sup>T</sup> = KCTC 29105<sup>T</sup>).

**टेपिडिफिलस थर्मोफिलस** अभिजीत पोद्दार, रिचें टी. लेप्चा एवं सुब्रता के दास, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(1):228.2014. (हायड्रोजिनोफिलेसी)

जेएचके30<sup>टी</sup> नामक इस नवीन वायुजीवी, ग्राम अग्राही, एवं एकल ध्रुवीय कशाभिका द्वारा गतिशील जीवाणु अभिरंजक को भारत में झारखंड राज्य स्थित तप्त जल प्रपात से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक जेएचके30<sup>टी</sup> (=जेसीएम 19170<sup>टी</sup> =एलएमजी 27587<sup>टी</sup>) दिया गया है। जेएचके30<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रमविन्यास एचएम543264 है।

**Tepidiphilus thermophiles** Abhijit Poddar, Rinchen T. Lepcha and Subrata K. Das, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(1):228.2014. (HYDROGENOPHILACEAE).

This novel, aerobic, Gram-stain-negative and motile by a single polar flagellum bacterium stain designated as JHK30<sup>T</sup>, was isolated from a terrestrial hot spring located at Jharkhand, India. The type stain is JHK30<sup>T</sup> (=JCM 19170<sup>T</sup> =LMG 27587<sup>T</sup> =DSM 27220<sup>T</sup>). The GenBank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain JHK30<sup>T</sup> is HM543264.

**जूनोंगवांगिया मैन्ग्रुवाई** एन. रमेश कुमार, रमैया कृष्णन, इल्के लांग, यूता मत्सूमारा, तोको स्वावे एवं तोमो स्वावे, इंटरने. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉ., 64(2):545.2014. (फ्लेवोबैक्टेरिऐसी)

पी2ई16<sup>टी</sup> नामक इस नवीन पूर्णतः वायुजीवी, ग्राम अग्राही, हैलोफिलिक, अगतिशील एवं दंडाकार जीवाणु अभिरंजक को भारत के तमिलनाडु राज्य के देवीपट्टनम में मैन्ग्रूव (*एवीसिन्निया मैरिना*) के राइजोस्फीर से संश्लेषित किया गया है। इस नवीन जाति का प्ररूप अभिरंजक पी2ई16<sup>टी</sup> (=डीएसएम24499<sup>टी</sup> =एलएमजी 26237<sup>टी</sup> =केसीटीसी 23496<sup>टी</sup>) दिया गया है। पी2ई16<sup>टी</sup> के जीनबैंक/इएमबीएल/डीडीजेबी अभिरंजक के 16एस आर.एन.ए. का क्रमविन्यास केसी907713 है।

**Zunongwangia mangrovi** N. Ramesh Kumar, Ramya Krishnan, Elke Lang, Yuta Matsumura, Toko Sawabe and Tomoo Sawabe, Int. J. Syst. Evol. Microbiol., 64(2):545.2014. (FLAVOBACTERIACEAE)

This gram-stain-negative, strictly aerobic, slightly halophilic, non-motile and rod-shaped bacterial stain, designated P2E16<sup>T</sup>, was isolated from mangrove (*Avicennia marina*) rhizosphere, collected at Devipattinam mangroves, Tamil Nadu, India. The type stain of the new species is P2E16<sup>T</sup> (=DSM 24499<sup>T</sup> =LMG 26237<sup>T</sup> =KCTC 23496<sup>T</sup>). The Gen Bank/EMBL/DDBJ accession number for the 16S rRNA gene sequence of stain P2E16<sup>T</sup> is KC907713.

## अनुक्रमणिका

एकारोसायबील्लिना (मतसुश.) शुब्राम	74
एकारोसायबील्लिना ऐरेन्गे (मतसुश.) शुब्राम	74
एकरेन्थस डियान्द्रा रॉक्सब.	30
एक्रोट्रिमा कोस्टेटम जैक.	30
एडिऐन्टम टेनेरम स्वार्टज	45
एडीनान्द्रा कमलाई एम. के. पाठक एवं अन्य	3
एडोनिस डाविडाई फ्रैन्चेट	30
अल्बार्ट्रेल्लस ओविनस कोल्ट. एवं पोज.	75
एलकैनीवोराक्स जीनोम्यूटेन्स के. राहुल एवं अन्य	95
एलाईग्लासिकोला कोरिगेन्सिस वसुंधरा गुप्ता एवं अन्य	96
एमारेन्थस बेन्गालेन्स सौभिक दास एवं इयामोनिको	3
एमारेन्थस ट्राइकलर लि. प्रभेद एल्बस एस. दास	26
एमारेन्थस ट्राइकलर लि. प्रभेद एक्यूटस एस. दास	26
अमोमम साबूऐनम वी. पी. थॉमस एवं अन्य	4
एनिसोमेलिस तिरुनेलवेलिएन्सिस राजकुमार एवं अन्य	4
एनिसोमेरिडियम पोलिपोराई (इल्लिस एवं इवरह.) एम. ई. बर्र.	58
एरिसेमा बन्नाऐन्से एच. ली	30
एरिसेमा लिंग्यूऐन्से एच. ली	31
एरिसिमा मधुऐनम नाम्पी एवं मनुदेव	4
एरिस्टोलोचिया गुरिन्देराई रविकुमार एवं अन्य	5
अर्थोनिया रेडिन्गेरी युवे.	59
अथिनियम जैट्रोफाई रोहित शर्मा	67
अरुनीडेल्ला प्रदीपियाना सुनील एवं नवीन कुमार	5
एस्ट्रीडेल्ला वेबस्टेरी होसाग. प्रभेद ओलियाई भीसे एवं पाटिल	73
एस्टराईना डिस्सीलेनस (सिखोव) डोइडगे प्रभेद सिलेस्ट्राई पाटिल, भीसे एवं पाटिल	73
एस्टराईना लेन्सीयोलेटाई पाटिल, भीसे एवं पाटिल	67
एस्टराईना लेटिफोलियाई पाटिल, भीसे एवं पाटिल	68
एस्टराईना मिर्टासियारम भीसे एवं पाटिल	68
बैसिलस लूटीयस वाई. सुमाष एवं अन्य	96
बैक्ट्रोस्पोरा एसीक्यूलैरिस (डोदगे) इजिया एवं टोरेन्टे	59
बैक्ट्रोस्पोरा कैरोलिनेन्सीस (इल्लिस एवं ऐवरह) आर. सी. हैरिस	60
बैक्ट्रोस्पोरा इंटरमिडिया इजिया एवं टोरेन्टे	59
बैक्ट्रोस्पोरा लिट्टोरेलिस जगदीश	53
बैक्ट्रोस्पोरा मेडियन्स जगदीश	53
बैम्बूसा टुडला रॉक्स. प्रभेद गैम्ब्लेई पी. कुमारी एवं पी. सिंह	26
बैंजियोप्सीस फ्रैंकलियोटाई जे. ए. वेस्ट एवं अन्य	85
बाज्जानिया भूटानिका एन. किताग. एवं ग़ोली	49
बोरोफुटस ढाकानुस होसेन एवं ज्यू एल. यांग	75
ब्राचिस्टीलमा महाजनाई काम्बले एवं एस. आर. यादव	5
ब्राचिस्टीलमा वर्ताकाई काम्बले एवं एस. आर. यादव	6
बुल्बोफायलम चैरापुंजीऐन्सिस बरभुईया एवं डी. वर्मा	6
बुल्बोफायलम डिक्सोनाई सेन्डेनफ.	31
बुल्बोफायलम मानावेन्द्राई डी. के. रॉय एवं अन्य	6
कैलोप्लाका इंडिका वाई. जोशी एवं अन्य	53
कम्पानेल्ला केरलेन्सिस वी. ए. फारूख एवं मानिम	68
केन्सकोरिनेल्ला शाहिना एवं नाम्पी	3
कैटेनुलेरिया क्यूबेन्सिस होल-जेच	75
सेन्ट्रैथेरम पंक्टेटम कैस. उपजाति पंक्टेटम क्रिकमैन	32

## Index

<i>Acarocybellina</i> (Matsush.) Subram.	74
<i>Acarocybellina arengae</i> (Matsush.) Subram.	74
<i>Achyranthes diandra</i> Roxb.	30
<i>Acrotrema costatum</i> Jack.	30
<i>Adiantum tenerum</i> Swartz	45
<i>Adinandra kamalae</i> M.K. Pathak & al.	3
<i>Adonis davidii</i> Franchet	30
<i>Albatrellus ovinus</i> Kottl. & Pouz.	75
<i>Alcanivorax xenomutans</i> K. Rahul & al.	95
<i>Aliiglaciecola coringensis</i> Vasundhara Gupta & al.	96
<i>Amaranthus bengalense</i> Saubhik Das & Iamonic	3
<i>Amaranthus cruentus</i> L. var. <i>albus</i> & al.	26
<i>Amaranthus tricolor</i> L. var. <i>acutus</i> S. Das	26
<i>Amomum sabuanum</i> V.P. Thomas & al.	4
<i>Anisomeles tirunelveliense</i> Rajakumar & al.	4
<i>Anisomeridium polypori</i> (Ellis & Everh.) M.E. Barr	58
<i>Arisaema bannaense</i> H. Li	30
<i>Arisaema lingyunense</i> H. Li	31
<i>Arisaema madhuanum</i> Nampy & Manudev	4
<i>Aristolochia gurinderii</i> Ravi Kumar & al.	5
<i>Arthonia reidngeri</i> Grube.	59
<i>Arthrimum jatrophae</i> Rohit Sharma	67
<i>Arundinella pradeepiana</i> Sunil & Naveen Kumar	5
<i>Asteridiella websteri</i> Hosag. var. <i>oleae</i> Bhise and Patil	73
<i>Asterina dissiliens</i> (Sydow) Doidge var. <i>celastrii</i> Patil, Bhise & Patil	73
<i>Asterina lanceolatae</i> Patil, Bhise & Patil	67
<i>Asterina latifoliae</i> Patil, Bhise & Patil	68
<i>Asterina myrtacearum</i> Bhise & Patil	68
<i>Bacillus luteus</i> Y. Subhash & al.	96
<i>Bactrospora acicularis</i> (Dodge) Egea & Torrente	59
<i>Bactrospora carolinensis</i> (Ellis & Everh.) R.C. Harris	60
<i>Bactrospora intermedia</i> Egea & Torrente	59
<i>Bactrospora littoralis</i> Jagadeesh	53
<i>Bactrospora medians</i> Jagadeesh	53
<i>Bambusa tudla</i> Roxb. var. <i>gamblei</i> P. Kumari & P. Singh	26
<i>Bangiopsis franklynottii</i> J. A. West & al.	85
<i>Bazzania bhutanica</i> N. Kitag. & Grolle	49
<i>Borofutus dhakanus</i> Nosen & Zhu L. Yang	75
<i>Brachystelma mahajanii</i> Kambale & S. R. Yadav	5
<i>Brachystelma vartakii</i> Kambale & S. R. Yadav	6
<i>Bulbophyllum cherrapunjeense</i> Barbhuiya & D. Verma	6
<i>Bulbophyllum dicksonii</i> Seidenf.	31
<i>Bulbophyllum manabendrae</i> D. K. Roy & al.	6
<i>Caloplaca indica</i> Y. Joshi & al.	53
<i>Campanella keralensis</i> V.A. Farook & Manim	68
<i>Canscorinella</i> Shahina & Nampy	3
<i>Catenularia cubensis</i> Hol-Jech	75
<i>Centratherum punctatum</i> Cass. subsp. <i>punctatum</i> Kirkman	32



काइलेन्थस तिब्बेतिका फ्रेजर-जेक. एवं वांग्डी	45	<i>Cheilanthes tibetica</i> Fraser-Jenk. & Wangdi	45
किलोलेज्यूनिया ओसूमेन्सिस (एस. हट्ट.) मेजूट.	49	<i>Cheilolejeunea osumiensis</i> (S. Hatt.) Mizut.	49
कियोडैक्टॉन अंडमानिकम जगदीश	54	<i>Chiodecton andamanicum</i> Jagadeesh	54
क्लोरोकोकम इलिप्सोइडियम डियेसन एवं एच. सी. बोल्ड	88	<i>Chlorococcum ellipsoideum</i> Deason & H. C. Bold	88
क्लोरोफायलम स्फेरोस्पोरम जे. डब्ल्यू. गी एवं ज्यू. एल. यांग	75	<i>Chlorophyllum sphaerosporum</i> Z.W.Ge & Zhu L. Yang	75
क्लोरोफायटम पालघाटेन्से के. एम. पी. कुमार एवं अडसुल	7	<i>Chlorophytum palghatense</i> K.M.P. Kumar & Adsul	7
क्लोरोफायटम शर्माई अडसुल एवं अन्य	7	<i>Chlorophytum sharmae</i> Adsul & al.	7
क्राइसोस्प्लेनियम अरूणाचलेन्स भौमिक	7	<i>Chrysoplenium arunachalense</i> Bhaumik	7
क्लिस्टेन्थस नोकरेन्सिस बी. सिंह	8	<i>Cleistanthus nokrensis</i> B. Singh	8
कोडोनोप्सीस ट्यूबुलोसा कोम	32	<i>Codonopsis tubulosa</i> Kom.	32
कोप्रीनोप्सीस कोथूरनाटा (गोडे) रेडहेड, विलगैलिस एवं मोनकाल्वो. प्रमेद इक्वीस्ट्रेसा अत्री, ए. कौर एवं एम. कौर	73	<i>Coprinopsis cothurnata</i> (Godey) Redhead, Vilgalys and Moncalvo var. <i>equisterca</i> Atri, A. Kaur & M. Kaur	73
कोप्रीनोप्सीस स्पूडोनिविया (बेन्डर एंड उल्ले) रेडहेड, विलगैलिस एवं मोनकाल्वो	76	<i>Coprinopsis pseudonivea</i> (Bender and Uljé) Redhead, Vilgalys & Moncalvo	76
कोप्रीनोप्सीस राडिएटा (बोल्टोन:फ्र) रेडहेड, विलगैलिस एवं मोनकाल्वो. प्रमेद मैक्रोकार्पा अत्री, ए. कौर एवं एम. कौर	73	<i>Coprinopsis radiata</i> (Bolton: Fr.) Redhead, Vilgalys and Moncalvo var. <i>macrocarpa</i> Atri, A. Kaur & M. Kaur	73
कोप्रीनोप्सीस वर्मीकुलिफेरा (जोस. डेन्सिस) रेडहेड, विलगैलिस एवं मोनकाल्वो	76	<i>Coprinopsis vermiculifera</i> (Joss.: Dennis) Redhead, Vilgalys and Moncalvo	76
कोरनिस्पोरा मोरासिना अर्चना सिंह एवं अन्य	68	<i>Corynespora moracina</i> Archana Singh & al.	68
कोटोनेस्टर वेंगकांगेन्सिस टी. टी. यू	32	<i>Cotoneaster chengkangensis</i> T.T. Yu	32
क्राइनम सोलापुरेन्से एस. पी. गायकवाड़ एवं अन्य	8	<i>Crinum solapurense</i> S. P. Gaikwad & al.	8
क्रोटालेरिया शुक्लाई अर्जुन प्रसाद तिवारी एवं अनिस अहमद अंसारी	8	<i>Crotalaria shuklae</i> Arjun Prasad Tiwari & Anis Ahmad Ansari	8
कुकुरबिडोथीस पिथियोफिला (सिमिड्ट एवं कुजे) पेटर.	76	<i>Cucurbitodithis pithyophila</i> (Schmidt and Kunze) Petr.	76
कुर्कुमा मुखरानियाई आर. कु. सिंह एवं आरती गर्ग	9	<i>Curcuma mukhraniae</i> R. Kr. Singh & Arti Garg	9
कस्टीगोफोरा रत्नागीरियेन्सीस दुबे एवं मुन्नाम्बेथ	69	<i>Custingophora ratnagiriensis</i> Dubey & Moonnambeth	69
साइकस दर्शाई आर. सी. श्रीवास्त. एवं बी. जाना	9	<i>Cycas darshii</i> R. C. Srivast. & B. Jana	9
साइकस साईनाथाई आर. सी. श्रीवास्त. एवं बी. जाना	9	<i>Cycas sainathii</i> R.C.Srivast	9
सायक्लोमायसिस फुसकुस फेर.	76	<i>Cyclomyces fuscus</i> Fr.	76
सायफेलियम इन्क्यूनेन्स (स्म.) ट्रीविजन	60	<i>Cyphelium inquinans</i> (Sm.) Trevison	60
डाक्टेलिकैप्नोस अरूणाचलेन्सिस लिंडेन एवं एम. के. पाठक	10	<i>Dactylicapnos arunachalensis</i> Liden & M. K. Pathak	10
डेलफिनियम लाहौलेन्सिस अग्निहोत्री, हुसैन एवं हुसैन	10	<i>Delphinium lahulensis</i> Agnihotri, Husain & Husain	10
डेन्ड्रोबियम क्राटेन्से केर	33	<i>Dendrobium kratense</i> Kerr	33
डेन्ड्रोपथोए ग्लाब्रेसेन्स (ब्लैकली) बारलो	33	<i>Dendrophthoe glabrescence</i> (Blakely) Barlow	33
डरमोलोमा इंडिकम के. एन. ए. राज एवं मानिम	69	<i>Dermoloma indicum</i> K.N.A. Raj & Manim	69
डरमोलोमा केरलेन्से के. एन. ए. राज एवं मानिम	69	<i>Dermoloma keralense</i> K.N.A. Raj & Manim	69
डेजर्टीफिल्लम दधीच एवं क्रेनिट्ज	85	<i>Desertifilum Dadheech &amp; Krienitz</i>	85
डेजर्टीफिल्लम थारेन्से दधीच एवं क्रेनिट्ज	85	<i>Desertifilum tharense</i> Dadheech & Krienitz	85
डेन्समोडियम इन्टोरटम (मिल्ल.) उर्ब	33	<i>Desmodium intortum</i> (Mill.) Urb	33
डिक्टोक्लोरोप्सीस स्पेन्डीडा ग्वेटलर	88	<i>Dictyochloropsis splendida</i> Guitler	88
डिक्टियोनेमा सी. अगार्द एक्स कुन्थ	58	<i>Dictyonema</i> C. Agardh ex Kunth	58
डिक्टियोनेमा इरिगेटम (ब्रेक. एवं एम. ए. कूर्टिस) लुकिंग	60	<i>Dictyonema irrigatum</i> (Berk. & M.A. Curtis) Lücking	60
डिप्लोमिटोपोरस क्रुस्टूलाइनस (ब्रेस.) डोमनेस्की	77	<i>Diplomitoporus crustulinus</i> (Bres.) Domanski	77
डिस्पोरम लॉगीस्टायलम (एच. लेवेलाई एवं वानोत) एच. हारा	34	<i>Disporum longistylum</i> (H.Léveillé & Vaniot) H.Hara	34
डोमिबासिलस सेन्कनेन्सिस विद्या वी. सोनकर एवं अन्य	96	<i>Domibacillus senclensis</i> Vidya V. Sonalkar & al.	96
डोमिबासिलस इंडिकस अविनाश शर्मा एवं अन्य	96	<i>Domibacillus indicus</i> Avinash Sharma & al.	96
एलियोकैरिस खंडवान्सिस, मुजफ्फर, चंदौर एवं एस. आर. यादव	10	<i>Eleocharis khandwaensis</i> Mujaffar, Chandore & S. R. Yadav	10
इरिया ग्लोएन्सिस ओरमिरोड एवं अग्रवाल	10	<i>Eria gloensis</i> Ormerod & Agrawala	10
इरियोकॉलोन गोपालाकृष्णानम् के. रश्मि एवं जी. कृष्णाकुमार	11	<i>Eriocaulon gopalakrishnanum</i> K. Rashmi & G. Krishnakumar	11
यूफोर्बिया इसुला लि.	34	<i>Euphorbia esula</i> L.	34
यूफोर्बिया कडापेन्सिस सरोजिनीदेवी एवं वेंकटराजू	11	<i>Euphorbia kadapensis</i> Sarojinidevi & Venkataraju	11
फाइकस जियोकार्पा तेजेस्म. एक्स मिक्.	34	<i>Ficus geocarpa</i> Teijsm. ex Miq.	34
फोमितोप्सीस लिलासीनोजिल्वा (बेर्क) जे. ई. राइट एवं जे. आर. डिसचैम्प	77	<i>Fomitopsis lilacinogilva</i> (Berk.) J.E. Wright & J.R. Deschamps	77
फ्रिसोडेल्सिया सहयाद्रिका एन. वी. पेग एवं सुरवेशव	11	<i>Friesodielsia sahyadrica</i> N.V. Page & Survesw	11

ग्लोचिडियॉन किन्गाई एम. वी. रमन एवं अन्य	12	<i>Glochidion kingii</i> M. V. Ramana & al.	12
ग्लोचिडियॉन तिरुपथियेन्से रासिंगम एवं अन्य	12	<i>Glochidion tirupathiense</i> Rasingam & al.	12
गोसियोमायसिस बैम्बूसिकोला दुबे एवं मुन्नाम्बेथ	69	<i>Goosiomyces bambusicola</i> Dubey and Moonnambeth	69
ग्रैफिस मणिपुरेन्सिस पुष्पी सिंह एवं कृ. पी. सिंह	54	<i>Graphis manipurensis</i> Pushpi Singh & Kr. P. Singh	54
ग्रैफिस सिरोहीयेन्सिस पुष्पी सिंह एवं कृ. पी. सिंह	54	<i>Graphis sirohiensis</i> Pushpi Singh & Kr. P. Singh	54
हेबेनेरिया निकोबारिका मुरुगन एवं अन्य	12	<i>Habenaria nicobarica</i> Murugan & al.	12
हेबेनेरिया ओस्मास्टोनाई कारथिग एवं अन्य	13	<i>Habenaria osmastonii</i> Karthig., & al.	13
हेडियोटिस राजाशेखराई करुप्प एवं रविचंद्रन	13	<i>Hedyotis rajasekaranii</i> Karupp. & Ravichandran	13
हियोमासिया पाल्लेसेन्स जगदीश	55	<i>Heiomasia pallescens</i> Jagadeesh	55
हेमिबेल्ट्रानिया नेक्ट्रान्डाई (बटिस्ता एवं माइया) पिरोजायनेस्की	77	<i>Hemibeltrania nectandrae</i> (Batista & Maia) Pirozynski	77
हरपेटोस्पर्मम् ओपरकुलेटम् के. प्रदीप एवं अन्य	13	<i>Herpetospermum operculatum</i> K. Pradheep & al.	13
हर्पोथैलोन कोरेलॉइडिस जगदीश	55	<i>Herpothallon coralloides</i> Jagadeesh	55
हर्पोथैलोन ग्लोबुलिफेरम जगदीश	56	<i>Herpothallon globuliferum</i> Jagadeesh	56
हर्पोथैलोन ल्यूटिसेन्स जगदीश	56	<i>Herpothallon lutescens</i> Jagadeesh	56
हर्पोथैलोन माईन्युटम जगदीश	57	<i>Herpothallon minutum</i> Jagadeesh	57
हेटरोडर्मिया उप्रेताई वाई जोशी एवं अन्य	57	<i>Heterodermia upretii</i> Y. Joshi & al.	57
हिमालाईल्ला लुशायेन्सिस वाई. एस. चें एवं क्यू. यूऑन	14	<i>Himalaiella lushaiensis</i> Y.S. Chen & Q. Yuan	14
हुमफ्रेया कॉफिएटम (ब्रैक.) स्टीएर्ट	78	<i>Humphreya coffeatum</i> (Berk.) Steyaert	78
हुंगटेल्ला इफलूवाई सुखप्रीत कौर एवं अन्य	97	<i>Hungatella effluvia</i> Sukhpreet Kaur & al.	97
हुंगटेल्ला सुखप्रीत कौर एवं अन्य	95	<i>Hungatella</i> Sukhpreet Kaur & al.	95
हिडनोकार्पस लॉगिपेडुन्कुलेटस रोबी एवं अन्य	14	<i>Hydnocarpus longipedunculatus</i> Robi & al.	14
हायमेनोबैक्टर रोजेस वाई. सुभाष एवं अन्य	97	<i>Hymenobacter roseus</i> Y. Subhash & al.	97
हायपरिकम पिटियोलूलाटम उपजाति यूनानेन्से (फ्रांच.) एन. रॉबसन	35	<i>Hypericum Petiolatum</i> subsp. <i>yunnanense</i> (Franch.) N. Robson	35
हायफोडोन्टिया बारबाजोबीस (बुल्ल.)जे. इरिकस	78	<i>Hyphodontia barbajovis</i> (Bull.) J. Erikss	78
इड्रील्ला लुनाटा पी. ई. नेल्सन एवं एस. वेलहम	78	<i>Idriella lunata</i> P. E. Nelson & S. Wilhelm	78
इम्मरसेरिया रूप ओलिवासिया कालाटायूड एवं रैमबोल्ड	61	<i>Immersaria</i> cf. <i>olivacea</i> Calatayud & Rambold	61
इम्मरसेरिया रैमबोल्ड एवं पिस्तेयम	58	<i>Immersaria</i> Rambold & Pietschm	58
इम्पेशियंस परमजीतियाना गोमोई एवं बोराह	14	<i>Impatiens paramjitiana</i> Gogoi & Borah	14
इंडिगोफेरा कुदिराईमोझिन्सिस सेल्वा कु. एवं राजाकुमार	15	<i>Indigofera kudiraimozhiensis</i> Selvak. & Rajakumar	15
आइपोमिया तेन्यूईपस वेर्डक.	35	<i>Ipomoea tenuipes</i> Verdc.	35
आयसोप्टेरिकोला राइजोफिला नवजोत कौर एवं अन्य	97	<i>Isopterocola rhizophila</i> Navjot Kaur & al.	97
इकजोरा चक्रबोर्तिआई मुरुगन एवं प्रभु	15	<i>Ixora chakraborteyi</i> Murugen & Prabhu	15
जॉन्नेसबापटिस्टीया देसिकाचाराई राज. के. गुप्ता एवं सुदिप्ते के. दास	86	<i>Johannesbaptistia desikacharyi</i> Raj. K. Gupta & Sudipta K. Das	86
कोब्रेसिया ब्रान्डीसाई सी. बी. क्लार्क एक्स जाना एवं आर. सी. श्रीवास्तव	15	<i>Kobresia brandisii</i> C. B. Clarke ex Jana & R. C. Srivastava	15
कोब्रेसिया कनाई राजम. एवं एच. ओहबा	35	<i>Kobresia kanaii</i> Rajbh. & H. Ohba	35
कोब्रेसिया परमजीताई जाना एवं अन्य	16	<i>Kobresia paramjitii</i> Jana & al.	16
कोब्रेसिया विभाई जाना एवं अन्य	16	<i>Kobresia vibhae</i> Jana & al.	16
कोकूरिया इंडिका सैयद जी दस्तागर एवं अन्य	97	<i>Kocuria indica</i> Syed G. Dastager & al.	97
कोयब्रेइल्ला स्खेन	58	<i>Koerberiella</i> Stein	58
कोयब्रेइल्ला विम्मेरियाना (कोरबर) बी. स्खेन	61	<i>Koerberiella wimmeriana</i> (Körber) B. Stein	61
लैक्टेरियस वेस्टरहोल्टाई के. दास एवं डी. चक्र	70	<i>Lactarius vesterholtii</i> K. Das & D. Chakr	70
लेज्यूनिया एक्वेटिका होरिक.	50	<i>Lejeunea aquatica</i> Horik.	50
लेम्बोसिया महाबलेश्वरेन्सीस भीसे एवं पाटिल	70	<i>Lembosia mahabaleshwariensis</i> Bhise & Patil	70
लेपिओटा ब्रुनियोइनकारनाटा चोडट एवं सी. मार्टिन	79	<i>Lepiota brunneoincarnata</i> Chodat & C. Martin	79
लेपिओटा ह्यूमेई मुरिल्ल, लायडिया प्रभेद माइक्रोस्पोरा एम. कौर एवं एन. कौर	74	<i>Lepiota humei</i> Murill, Lloydia var. <i>microspora</i> M. Kaur and N. Kaur	74
लेप्टोमिश्कस प्रिमूलॉयडिस ड्रेक	35	<i>Leptomischus primuloides</i> Drake	35
लिथोकोलिया इंडिका गीता अस्थाना	49	<i>Lethocolea indica</i> Geeta Asthana	49
लिन्डर्निया डुबिया (लि.) पेनेल	36	<i>Lindernia dubia</i> (L.) Pennell	36
लिन्डरनिया तमिलनाडेंसिस एम. जी. प्रसाद एवं सुनोज कु	16	<i>Lindernia tamilnadensis</i> M.G. Prasad & Sunojk	16
मैक्रोसोलेन मिलिंटानगेन्सिस (कोर्थ.) मिक्	36	<i>Macrosolen melintangensis</i> (Korth.) Miq	36
मैरिनोमोनास फंगीआई प्रभा कुमारी एवं अन्य	98	<i>Marinomonas fungiae</i> Prabha Kumari & al.	98





मेजस सैलिसयोडिस हैंड-मैज	36	Mazus celsiodes Hand.-Mazz	36
मेगास्फेरा इंडिका वी. बी. लांजेकर एवं अन्य	98	Megasphaera indica V. B. Lanjekar & al.	98
मेलिओला डायोइकाई भीसे एवं पाटिल	70	Meliola dioicae Bhise & Patil	70
मेमिसिलॉन पोन्मुदियानम सिबू एवं अन्य	16	Memecylon pomudianum Sivu & al.	16
मिथाइलोबैक्टेरियम फाइलोस्टैचिओस मुनुसामी माधीयान एवं अन्य	98	Methylobacterium phyllostachyos Munusamy Madhaiyan & al.	98
मिथाइलोबैक्टेरियम स्यूडोससिकोला मुनुसामी माधीयान एवं अन्य	99	Methylobacterium pseudosasicola Munusamy Madhaiyan & al.	99
माइक्रोकोकस एलोयविराई ओम प्रकाश एवं अन्य	99	Micrococcus aloeverae Om Prakash & al.	99
मिलियूसा एम्पलेक्सीकॉलिस रिडिल.	36	Miliusa amplexicaulis Ridl.	36
मिलियूसा कोडोनेन्था चौवोस्कु	17	Miliusa codonantha Chaowasku	17
मूसा अर्जेन्टाई गोगोई एवं बोराह	17	Musa argentea Gogoi & Borah	17
मूसा ओरिन्टिका बेकर प्रभेद होमेनबोरगोहेनियाना गोगोई	26	Musa aurantiaca Baker var. homenborgohainiana Gogoi	26
मूसा ओरिन्टिका बेकर प्रभेद जेनगिन्गोन्सिस गोगोई	27	Musa aurantiaca Baker var. jengingensis Gogoi	27
मूसा बालबिसियाना कोल्ला प्रभेद इलावझाई ए. जोए, श्रीजीत एवं एम. साबू	27	Musa balbiana Colla var. elavazhai A. Joe, Sreejith & M. Sabu	27
मूसा सिलेन्ड्रीका गोगोई एवं अन्य	17	Musa cylindrica A. Joe & al.	17
मूसा इंडअंडामानेन्सिस एल. जे. सिंह	18	Musa indandamanensis L. J. Singh	18
मूसा मन्नाई बेकर प्रभेद नमडांगेन्सिस गोगोई एवं बोराह	28	Musa mannii Baker var. namdangensis Gogoi & Borah	28
मूसा नागालैन्डियाना एस. दे एवं गोगोई	18	Musa nagalandiana S. Dey & Gogoi	18
मूसा वेलुटाइना प्रभेद वेरिगाटा ए. जोए, एम. साबू एवं श्रीजीथ	28	Musa velutina var. variegata A. Joe, M. Sabu & Sreejith	28
मायकोनैस्टीस पुष्पाई क्रेनिट्ज एवं अन्य	86	Mychonastes pushpae Krienitz & al.	86
मायकोवेल्लोसिएल्ला सोलानी-टोर्वी (फ्राग. एवं सिफ.) डिघटन	79	Mycovellosiella solani-torvi (Frag. & Cif.) Deighton	79
नियोस्पोन्गीओकोकम जिलेटिनोसम (पी. ए. आर्चीवालड एवं एच. सी. बोल्ड) एच. इट्टल एवं जी. गार्टनर	88	Neosporangiococcum gelatinosum (P.A. Archibald & H.C. Bold) H. Ettl & G. Gartner	88
निश्चिया कोशियोलैकाई अलकनंदा एवं अन्य	86	Nitzschia kocielekii Alakananda & al.	86
निश्चिया ट्राईपुडो अलकनंदा एवं अन्य	86	Nitzschia tripudo Alakananda & al.	86
नोकार्डिया भाग्यनारायणाई राधा कथावल्ली एवं अन्य	99	Nocardia bhagyanarayanae Radha Vaddavalli & al.	99
निम्फिया मणिपुरेन्सिस आशारानी एवं विसेश्वरी	18	Nymphaea manipurensis Asharani & Biseshwori	18
निम्फिया मणिपुरेन्सिस प्रभेद वर्सिकोलर आशारानी एवं विसेश्वरी	28	Nymphaea manipurensis var. versicolor Asharani & Biseshwori	28
ओडोगोनियम ओट्टुनाले प्रभेद सबरूपेस्ट्रे जाओ	88	Oedogonium autumnale var. subrupestre Jao	88
ओडोगोनियम किटाफोरम होप्फ.	89	Oedogonium chaetophorum Hoff.	89
ओडोगोनियम गुन्नाई प्रभेद ब्रेवियारेटिकुलेटम जाओ	89	Oedogonium gunnii var. breviarticulatum Jao	89
ओडोगोनियम कोज्मीनस्काई प्रभेद तारगाओनेन्स इस्ल. एवं शर्मा	89	Oedogonium kozminkii var. targaonense Isl. & Sarma	89
ओडोगोनियम लोंगेटम कुट्ज. एक्स हिर्न	89	Oedogonium longatum Kutz. ex Hirn	89
ओडोगोनियम ओबलॉगेल्लम प्रभेद माइनस जाओ	90	Oedogonium oblongellum var. minus (Taft) Mrozinska	90
ओडोगोनियम औचीटेनम् ताफ्ट	90	Oedogonium ouchitanum Taft	90
ओडोगोनियम पोलिस्ट्रैन्डियम जाओ	90	Oedogonium polistandrium Jao	90
ओडोगोनियम रिजिडम रूप अफ्रीकेनम गौथ.-लिव.	90	Oedogonium regidum f. africanum Gauth. -Liev.	90
ओडोगोनियम सागरेन्सेसलिल के साहु एवं अन्य	87	Oedogonium sagarensis Salil K. Sahoo & al.	87
ओडोगोनियम स्पाइरिपेन्नाटम जाओ	91	Oedogonium spiripennatum Jao	91
ओडोगोनियम स्पूरियम हिर्न	91	Oedogonium spurium Hirn	91
ओडोगोनियम सबआर्बिकुलेरे प्रभेद कमालापुरेन्स इस्ल.	91	Oedogonium suborbiculare var. kamalapurense Isl.	91
ओपेग्राफा एपोमिलाइना ए. मास्साल	61	Opegrapha apomelaena A. Massal	61
ओपेग्राफा डेकेस्लाई इर्टज	62	Opegrapha dekeselii Ertz	62
ओपेग्राफा इरोसीना वैन.	62	Opegrapha irosina Vain.	62
ओपेग्राफा रोबुस्टा वैन.	62	Opegrapha robusta Vain.	62
ओरेओरकिस पेटेन्स (लिन्डले) लिन्डले	37	Oreorachis patens Lindley	37
ओरमोसिया पिन्नाटा (लौर) मेर्र	37	Ormosia pinnata (Lour.) Merr.	37
पैनक्रैटियम नैराई शशिकला एवं सीमा कुमारी	19	Pancreatium nairii Sasikala & Reema Kumari	19
पैराग्लेसिकोला आशिऐनीफिकुन्डस सीसिन्थी शिवाजी एवं अन्य	100	Paraglaciocola oceanifecundans Sisinthy Shivaji & al.	100
पैराग्लेसीकोला सिंसिन्थी शिवाजी एवं गुंडापल्ली सत्यानारायणा रेड्डी	95	Paraglaciocola Sisinthy Shivaji and Gundlapally Sathyanaarayana Reddy	95
प्लिस्टेगा इंडिका ओम प्रकाश एवं अन्य	100	Pelistega indica Om Prakash & al.	100
पेरेन्नीपोरिया फ्रैक्सीनोफिला (पेक) रायवरदान	79	Perenniporia fraxinophila (Peck) Ryvarden	79

पेरिकोनिऐल्ला टिलोपियाई (हैन्सेफ.) एम. बी. इल्लिस	80	<i>Periconiella telopeae</i> (Hansf.) M. B. Ellis	80
फानेरा ग्लोका बेंथ. उपजाति टेन्यूपलोरा (वॉट एक्स सी. बी. क्लार्क) ए शुमीट्ज प्रभेद गांधीयाना गगोई एवं बंधोपा	29	<i>Phanera glauca</i> Benth. subsp. <i>tenuiflora</i> (Watt ex C.B. Clarke) A. Schmitz var. <i>gandhiana</i> Gogoi & Bandyop	29
फानेरा ग्लोका बेंथ. उपजाति टेन्यूपलोरा प्रभेद मुरलेनन्सिस राम कुमार, बंधोपा. एवं एस शर्मा	29	<i>Phanera glauca</i> subsp. <i>tenuiflora</i> var. <i>murlenensis</i> Ram.Kumar, Bandyop. & S.Sharma	29
फैनेरा जैमपुईयेन्सिस दरलॉंग एवं डी. भट्टाचार्य	19	<i>Phanera jampuiensis</i> Darlong & D. Bhattach	19
फ्रागमोस्पाथुला ब्रैचेस्पाथुलाटा मेरकाडो	80	<i>Phragmospathula brachyspathula</i> Mercado	80
फाइकोलेपिडोजिया इंडिका ग्राडेस्ट एवं अन्य	49	<i>Phycolepidozia indica</i> Gradst., & al.	49
फायसोपेल्ला हिराटसूकाई (सिड.) कुम्मीनिस एवं रामचंद्र.	80	<i>Physopella hiratsuke</i> (Syd.) Cummins & Ramachar.	80
पिचिसेरमोल्लोडिस फ्रेंसर-जेकिन्साई खोलिया	43	<i>Pichisermollobes frasaer-jenkinsii</i> Kholia	43
पिक्रोराइजा तुंगनाथाई पुसालकर	19	<i>Picrorhiza tungnathii</i> Pusalkar	19
प्लेजियोकाइला जिम्नोक्लेडा सैन्डी. लैक.	50	<i>Plagioclila gymnoclada</i> Sande Lac.	50
पोगोनिया जैपोनिका रिश्व.	37	<i>Pogonia japonica</i> Rchb	37
पॉलीमेरिडियम सबसिनेरियम (नायल.) आर. सी. हैरिस	62	<i>Polymeridium subcinereum</i> (Nyl.) R. C. Harris	62
पॉलिस्टाईकम थॉम्सोनाई (हुक. एफ.) रूप हिमालाईकम खोलिया	44	<i>Polystichum thomsonii</i> (Hook. f.) forma <i>himalaicum</i> Kholia	44
पोन्टीबैक्टर डेर्जटाई वार्ड. सुभाष एवं अन्य	100	<i>Pontibacter deserti</i> Y. Subhash & al.	100
पोन्टीबैक्टर रूबर वार्ड. सुभाष एवं अन्य	101	<i>Pontibacter ruber</i> Y. Subhash & al.	101
पोन्टीबैक्टर इंडिकस अमित कुमार सिंह एवं अन्य	101	<i>Pontibacter indicus</i> Amit Kumar Singh & al.	101
पोस्तीया सेरीफलूआ (बेरक. एवं एम. ए. कूर्टिस) जुलिघ	81	<i>Postia ceriflua</i> (Berk. & M.A. Curtis) Jülich	81
स्यूडोलेपिकोलिया फ्रेयाई (पेर्स) ग्रोल्ली एवं एंडो	50	<i>Pseudolepicolea fryei</i> (Perss.) Grolle & Ando	50
स्यूडोसीम्बलिफेरिस सबदूरीउस्कुला (मुल्ल. हल.) पी. सी. चेन	50	<i>Pseudosymblepharis subduriuscula</i> (Mull. Hal.) P. C. Chen	50
टर्नोपिटेलम अरुणाचलेन्सिस एम. भौमिक एवं पी. सत्यनारा	19	<i>Pternopetalum arunachalense</i> M. Bhaumik & P. Satyanar	19
टेरेनोपिटेलम ग्रैसिलिमम (एच. वोल्फ) हैन्ड-मैज.	37	<i>Pternopetalum gracillimum</i> (H. Wolff) Hand-Mazz.	37
टेरिजिएल्ला बार्टीशचीयोडिस हैन्ड-मैज.	38	<i>Pterygiella bartschioides</i> Hand—Mazz.	38
पेरिनुला माइक्रोकार्पा मुल्ल. अर्ग	63	<i>Pyrenula microcarpa</i> Müll. Arg.	63
पेरिनुला पायरजिल्लोस्पोरा एप्रोट	63	<i>Pyrenula pyrgillospora</i> Aptroot	63
रोडोनोबैक्टर ग्लाइसिनिस मुनुसामी माधीयान एवं अन्य	101	<i>Rhodanobacter glycinis</i> Munusamy Madhaiyan & al.	101
रोडोकोकस इनक्लेनिसस सैयद जी. दस्तागर एवं अन्य	102	<i>Rhodococcus enclensis</i> Syed G. Dastager & al.	102
रोडोप्लेन्स ओराजियाई ए. श्रीनिवास एवं अन्य	102	<i>Rhodoplanes oryzae</i> A. Srinivas & al.	102
रोडोवुलुम सैलिस ए. श्रीनिवास एवं अन्य	102	<i>Rhodovulum salis</i> A. Srinivas & al.	102
रोडोवुलुम विरिडाई ए. श्रीनिवास एवं अन्य	103	<i>Rhodovulum viride</i> A. Srinivas & al.	103
रोडोवुलुम मैन्ग्रोवी पी. नुपुर एवं अन्य	102	<i>Rhodovulum mangrovi</i> P. Nupur & al.	102
रिन्कोशिया रवियाई के प्रसाद एवं ए. नाराय	20	<i>Rhynchosia ravii</i> K.Prasad & A.Naray	20
रिन्कोस्पोरा पांडुरंगनाई विजी एवं अन्य	20	<i>Rhynchospora panduranganii</i> Viji & al.	20
राइविना हूमिलिस लि. प्रभेद ब्रैक्टीएटा डी. मैती, सोनिया मित्रा, मानसी मंडल एवं मैती	29	<i>Rivina humilis</i> L. var. <i>bracteata</i> D. Maity, Sonia Mitra, Manasi Mandal & Maiti	29
रोटाला धनेशियाना सुनील एवं अन्य	20	<i>Rotala dhaneshiana</i> Sunil & al.	20
रोटाला सहयाद्रिका एस. पी. गायकवाड़ एवं अन्य	21	<i>Rotala sahyadrica</i> S. P. Gaikwad & al.	21
सैक्रोपॉलीस्पोरा इंडीका राधा वधावल्ली एवं अन्य	103	<i>Saccharopolyspora indica</i> Radha Vaddavalli & al.	103
सेगेनिडियोप्सिस एट्रोएल्बा जगदीश	57	<i>Sagenidiopsis atroalba</i> Jagadeesh	57
सालिनीमाइक्रोबियम सेडीमिनिस वार्ड. सुभाष एवं अन्य	103	<i>Salinimicrobium sediminis</i> Y. Subhash & al.	103
सारसिनेल्ला लिगूस्ट्राई भीसे एवं पाटिल	71	<i>Sarcinella ligustri</i> Bhise & Patil	71
सोरोमैटम मेघालयेन्से डी. के. रॉय एवं अन्य	21	<i>Sauromatum meghalayense</i> D.K. Roy & al.	21
सिसैन्ड्रा इनकारनेटा स्टैफ	38	<i>Schisandra incarnata</i> Stapf.	38
शिथनेमा दुबे एवं मुन्नाम्बेथ	67	<i>Sheathnema</i> Dubey and Moonnambeth	67
शिथनेमा इंडिकम दुबे एवं मुन्नाम्बेथ	71	<i>Sheathnema indicum</i> Dubey and Moonnambeth	71
सिगरिडिया क्लोरोल्यूका (मुल्ल. अर्ग.) तेहलर	63	<i>Sigridea chloroleuca</i> (Mull. Arg.) Tehler	63
स्माईलैक्स डेविडियाना ए. डीसी	38	<i>Smilax davidiana</i> A.DC	38
स्माईलैक्स ओर्कीएटा ए. डीसी.	38	<i>Smilax ocreata</i> A. DC	38
स्माईलैक्स जेलेनिका लि.	39	<i>Smilax zeylanica</i> L.	39
सोलिडागो दाहुरीका (किताग.) किताग. एक्स जुज	39	<i>Solidago dahurica</i> (Kitag.) Kitag. Ex Juz.	39
सोन्नेरेशिया लेशियोलाटा ब्लूम	39	<i>Sonneratia lanceolata</i> Blume	39



स्फ़ीगोपायक्स कोन्टामिनेन्स वाई. सुभाष एवं अन्य	103	<i>Sphingopyxis contaminans</i> Y. Subhash & al.	103
स्टोरोगायनी अंडमानिका एम. वी. रमन एवं अन्य	21	<i>Staurogyne andamanica</i> M. V. Ramana & al.	21
स्ट्रेप्टोमायसीस अमृतसरेन्सिस दीपिका शर्मा एवं अन्य	104	<i>Streptomyces amritsarensis</i> Deepika Sharma & al.	104
स्ट्रेप्टोमायसीस कांचीपुरेन्सिस वेन-जून ली एवं अन्य	104	<i>Streptomyces canchipurensis</i> Wen-Jun Li & al.	104
सुईल्लस ट्रायसिकुलेरिस बी. वर्मा एवं एम. एस. रेड्डी	71	<i>Suillus triacicularis</i> B. Verma & M.S. Reddy	71
स्वर्टिया हैन्डेलियाना हैरी स्म.	40	<i>Swertia handeliana</i> Harry Sm.	40
सिजाईजियम हुकेरी एम.वी. रमन एवं अन्य	22	<i>Syzygium hookeri</i> M. V. Ramana & al.	22
सिजाईजियम मुन्नारेन्सिस शरीफ, रॉय एवं कृष्णाराज	22	<i>Syzygium munnarensis</i> Shareef, Roy & Krishnaraj	22
सिजाईजियम सहयाद्रिकम सुजानपाल, रोबी एवं शशीधरन	23	<i>Syzygium sahyadricum</i> Sujanalpal, Robi & Sashidharan	23
सिजाईजियम संजप्पाईयाना एम. वी. रमना	23	<i>Syzygium sanjappaiana</i> M.V. Ramana	23
टेक्टारिया कॉडूनाटा (वॉल. एक्स हुक. एवं ग्रेव.) सी. चर. प्रमोद इलोनोटा खोलिया	43	<i>Tectaria coadunata</i> (Wall. ex Hook. & Grev.) C.Chr. var. <i>elongata</i> Kholia	43
टेपिडिफिलस थर्मोफिलस अभिजीत पोद्दार एवं अन्य	104	<i>Tepidiphilus thermophiles</i> Abhijit Poddar & al.	104
टेट्रोसेल्मीस इंडिका अरोड़ा एवं अनिल	87	<i>Tetraselmis indica</i> Arora & Anil	87
थेलिप्टेरिस (स्टेग्नोग्रामा) मोल्लिसिमा प्रमोद ट्रनकाटा खोलिया	44	<i>Thelypteris (Stegnogramma) mollissima</i> var. <i>truncata</i> Kholia	44
थोटिया आदिचिल्थोट्टीयाना सुनील एवं नवीन कुमार	24	<i>Thottea adichilthottiana</i> Sunil & Naveen Kumar	24
थोटिया शशीधरानीयाना रोबी	24	<i>Thottea sasiharaniana</i> Robi	24
टिनोस्पोरा मक्सूदियाना मुजफ्फर एवं अन्य	24	<i>Tinospora maqsoodiana</i> Mujaffar & al.	24
उल्वा पश्चिमा बास्ट	87	<i>Ulva pachima</i> Bast	87
वेनडेल्लिया डिफ्यूसा लि.	40	<i>Vandellia diffusa</i> L.	40
वर्मिकुलेरियोपसेल्ला पपाई दुबे	71	<i>Vermiculariopsiella papaye</i> Dubey	71
वर्टिसिलियम टेन्सूइसिमम कोर्डा	81	<i>Verticillium tenuissimum</i> Corda.	81
विग्ना कोन्कानेन्सिस लता एवं अन्य	25	<i>Vigna konkanensis</i> Latha & al.	25
विग्ना यादवाई एस. पी. गायकवाड़ एवं अन्य	25	<i>Vigna yadavii</i> S.P. Gaikwad & al.	25
जैन्थोपोरस पेकियानस (कुक) उडेल	81	<i>Xanthoporus peckianus</i> (Cooke) Audel	81
जेनेस्मा तुलास्नेल्लोयडियम (होन. एवं लिट्ट्रिच.)डॉक	81	<i>Xenasma tulasnelloideum</i> (Höhn. & Litsch.) Donk	81
जैसमिडियम डायोस्कोरिनम अर्चना सिंह एवं अन्य	72	<i>Zasmidium dioscorinum</i> Archana Singh & al.	72
जैसमिडियम रोबुस्टम अर्चना सिंह एवं अन्य	72	<i>Zasmidium robustum</i> Archana Singh & al.	72
जिन्जीबर फेरिमाएन्से बिशेश्वरी एवं बिपिन	25	<i>Zingiber pherimaense</i> Biseshwori & Bipin	25
जूनोंगवांगिया मैन्ग्रूवाई एन. रमेश कुमार एवं अन्य	104	<i>Zunongwangia mangrovi</i> N. Ramesh Kumar & al.	104
जायगोस्पोरियम कोकोस दुबे एवं मुन्नाम्बेथ	72	<i>Zygosporium cocos</i> Dubey & Moonambeth	72
जायगोस्पोरियम डेलिनियाई दुबे एवं मुन्नाम्बेथ	72	<i>Zygosporium dilleniae</i> Dubey & Moonambeth	72

F. No.26-15/2007-CSC  
Government of India  
Ministry of Environment and Forests

APPENDIX-I

Paryavaran Bhawan,  
CGO Complex, Lodhi Road,  
New Delhi – 110 003.

Dated the 12<sup>th</sup> September, 2012

**ORDER**

**Subject :- Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002**

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8<sup>th</sup> November, 2006, and in continuation of this Ministry's Order dated 28<sup>th</sup> August, 2008, the Ministry of Environment & Forests, Government of India, hereby designates the National Bureau of Agriculturally Important Insects as the repository under the Act for agriculturally important insects, mites and spiders.

2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repository shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).
3. The designated repository shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.
4. This order issues with the approval of the competent authority.



(Hem Pande)

Joint Secretary to the Government of India

To

1. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Insects (NBAII), P.O. No. 2491, H.A. Farm Post, Bellary Road, Bangalore-560 024
2. Directors of institutions designated as repositories vide order dated 28.8.12
  - i. The Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3<sup>rd</sup> MSO Building, Block F, DL Block, Sector 1, Salt Lake City, Kolkata – 700 064.
  - ii. The Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M- Block, New Alipore, Kolkata - 700 053.
  - iii. The Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
  - iv. The Director, National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P. B. No. 436, Lucknow – 226 001, U.P.



-2-

- v. The Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P. O. New Forests, Dehradun – 248 006, Uttarakhand.
- vi. The Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
- vii. The Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow- 226 002, Uttar Pradesh.
- viii. The Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula – 403 004, Goa.
- ix. The Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun –248 001, Uttarakhand.
- x. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Micro-organisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box. No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh- 275 101.
- xi. The Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh – 160 036.
- xii. The Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B.No.11, Pune- 411 001.
- xiii. The Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi- 110012.

Copy to:

- i. The Chairman, National Biodiversity Authority, Chennai
- ii. The Secretary, National Biodiversity Authority, Chennai

No. 26-15/2007-CSC  
Government of India  
Ministry of Environment and Forests

Paryavaran Bhawan  
CGO Complex, Lodhi Road,  
New Delhi-110 003  
Dated the 28th August, 2008

**ORDER**

**Subject : Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002**

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8<sup>th</sup> November, 2006. The Ministry of Environment and Forests, Govt. of India, hereby designates the following institutions to act as repositories under the Act for different categories of biological resources :

S.No.	Name of Institution	Category of Biological Resource
1.	Botanical Survey of India, Kolkata	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macro fungi, Macroalgae)
2.	National Bureau of Plant Genetic Resources, New Delhi	Plant genetic resources
3.	National Botanical Research Institute, Lucknow	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae)
4.	Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun (Forest Research Institute, Dehradun; Institute of Forest Genetics and Tree Breeding, Coimbatore; and Tropical Forest Research Institute, Jabalpur)	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae). For TFR I only Fauna (termites, butterflies, moths)
5.	Zoological Survey of India, Kolkata	Fauna
6.	National Bureau of Animal Genetic Resources, Karnal, Haryana.	Genetic resources of domestic animals
7.	National Bureau of Fish Genetic Resources, Lucknow, U.P.	Fish genetic resources
8.	National Institute of Oceanography, Goa	Marine flora and fauna
9.	Wildlife Institute of India, Dehradun	Faunal resources in Protected Areas
10.	National Bureau of Agriculturally Important Microorganisms, Mau Nath Bhanjan, U.P.	Agriculturally important microorganisms
11.	Institute of Microbial Technology, Chandigarh	Microorganisms
12.	National Institute of Virology, Pune	Viruses
13.	Indian Agricultural Research Institute, New Delhi	Microbes/Fungi



2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repositories shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).
3. The designated repositories at serial No. 1, 3, 4, 5, 10, 11, 12 and 13 shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.
4. The order issues with the approval of this competent authority.

Sd/-  
(A.K. Goyal)  
Joint Secretary to the Government of India

To

1. Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DF Block, Sector I, Salt Lake City, Kolkata-700 064.
2. Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M-Block, New Alipore, Kolkata-700 053
3. Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
4. Director National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P.B. No. 436, Lucknow-226 001. U.P.
5. Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P.O. New Forests, Dehradun-248 006, Uttarakhand.
6. Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
7. Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow-226 002, Uttar Pradesh
8. Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula-403 004. Goa
9. Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun-248 001, Uttarakhand.
10. Director, National Bureau of Agriculturally Important Microorganisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh-275 101.
11. Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh-160 036.
12. Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B. No. 11, Pune-411 001.
13. Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi.

Copy to the Chairman, National Biodiversity Authority, 475, 9<sup>th</sup> South Cross Street, Kapaleeswarar Nagar, Nelankarai, Chennai-600 004.



125 <sup>years of</sup> *Plant Research*  
**BOTANICAL SURVEY OF INDIA**